शनिवार, 4 जनवरी 2025

मौसम

तापमान 26 – 14
आर्द्रता 75%
सूर्योदय: 6:17 सूर्यास्त: 17:06

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, पौष शुक्लपक्ष पंचमी, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

ईवी कंपनियां मौजूदा सब्सिडी व्यवस्था खत्म होने के बाद सब्सिडी हटाने पर सहमत: गोयल –पृष्ठ 6

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सुविचार : मुस्कुराहट तो होठों से निकलती है किन्तु प्रसन्नता हृदय से निकलती है।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

चीन को भारत की दो टूक, कहा- लद्दाख क्षेत्र में काउंटी और ब्रह्मपुत्र नदी पर डैम मंजूर नहीं

नयी दिल्ली : विदेश मंत्रालय की शुक्रवार को हुई साप्ताहिक प्रेस वार्ता में भारत ने चीन के खिलाफ कड़ा रुख दिखाया। भारत ने कहा कि चीन जो होटन प्रांत में दो नए काउंटी बनाने की कोशिश कर रहा, वह बिल्कुल भी मंजूर नहीं है। भारत का कहना है कि इन क्षेत्रों का कुछ हिस्सा भारतीय केंद्र सरकार शासित प्रदेश लद्दाख में भी आता है। इसके साथ ही भारत ने तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र (यारलुंग जांगबो) नदी पर डैम बनाने के चीन के फैसले पर भी चिंता जताई है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमने चीन के होटन प्रांत में दो नए काउंटी बनाने से संबंधित घोषणा देखी थी। जायसवाल ने आगे कहा कि इन तथाकथित काउंटी के अधिकार क्षेत्र में कुछ हिस्से भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में भी आते हैं। विदेश

मंत्रालय के प्रवक्ता ने आगे कहा कि भारत ने अपने क्षेत्र पर अवैध चीनी कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया है।

जायसवाल ने कहा कि नए काउंटी बनाने से न तो क्षेत्र पर अपनी संप्रुभता के संबंध में भारत की दीर्घकालिक और सुसंगत स्थिति पर कोई असर होगा और ना ही चीन के अवैध और जबरन कब्जे को वैधता मिलेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने आगे कहा कि इस मुद्दे पर भारत ने कूटनीतिक चैनलों के माध्यम से चीनी पक्ष के समक्ष गंभीर विरोध दर्ज कराया है।

तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन के बांध बनाने के फैसले से भारत नाराज

भारत ने चीन की ओर से ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध बनाए जाने के फैसले पर भी चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि 25 दिसंबर 2024 को चीनी सरकारी न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के माध्यम से हमें तिब्बत के क्षेत्र में यारलुंग जांग्बो नदी (भारत में ब्रह्मपुत्र नदी) पर एक हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट परियोजना की जानकारी मिली।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि नदी के पानी पर हमारा भी स्थापित अधिकार है। इसके अलावा, एक निचले तटवर्ती देश होने के नाते, हमने लगातार विशेषज्ञ-स्तर के साथ-साथ राजनयिक चैनलों के माध्यम से चीनी पक्ष को उनके क्षेत्र में नदियों पर मेगा परियोजनाओं पर अपने विचार और चिंताएं व्यक्त की हैं।

दूसरी ओर, चीन का इस मामले में कहना है कि तिब्बत में पनबिजली परियोजनाओं से पर्यावरण या नीचे की ओर पानी की आपूर्ति पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा। हालांकि, भारत और बांग्लादेश ने बांध को लेकर अपनी चिंताएं जरूर व्यक्त की हैं। बता दें कि यारलुंग जांगबो तिब्बत से निकलकर भारत के अरुणाचल प्रदेश और असम राज्यों में बहती हुई ब्रह्मपुत्र नदी बन जाती है और आखिर में जाकर बांग्लादेश में मिल जाती है।

हाईकोर्ट ने कोलकाता में आठ अवैध निर्माणों को गिराने का दिया आदेश

पानी और बिजली सेवाएं तत्काल बंद करने का भी निर्देश

कोलकाता, समाज्ञा : महानगर में बढ़ते अवैध निर्माण लोगों की चिंता का सबब बन गया है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने महानगर के आठ अवैध निर्माण को तोड़ने का निर्देश दिया। कोर्ट ने 24 घंटे के अंदर सख्त कार्रवाई करने को कहा। साथ ही तुरंत बिजली व पानी आपूर्ति बंद करने को भी कहा है। मामले की सुनवाई शुक्रवार को मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणम और हिरण्मय भट्टाचार्य की खंडपीठ के समक्ष हुई। खंडपीठ ने अवैध निर्माणों की बिजली और पानी सेवाएं तत्काल बंद करने का आदेश दिया। इसके अलावा हाईकोर्ट ने अवैध रूप से बनी संपत्तियों में रहने वालों को बेदखल करने का आदेश दिया है। शत्रु संपत्ति और अवैध निर्माण के खिलाफ जनहित याचिका दायर की गई थी। उस मामले में, केशवचंद्र स्ट्रीट में 6, राजा राजनारायण स्ट्रीट

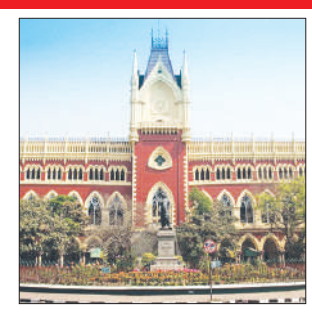

में 1, गिरीश विद्यारत्न लेन में 1 संपत्ति का उल्लेख किया गया है। हाईकोर्ट के आदेश पर कोलकाता नगर निगम और पुलिस ने एक टास्क फोर्स का गठन किया। टास्क फोर्स यह देखती है कि कितने अवैध निर्माण हैं। टास्क फोर्स यह देखती है कि वहां कितने निवासी हैं। मामले की सुनवाई शुक्रवार को मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणम और हिरण्मय भट्टाचार्य की अध्यक्षता वाली उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने की। शुक्रवार की सुनवाई में कलकत्ता हाईकोर्ट ने बताया कि 8 निर्माणों को तुरंत तोड़ा जाए। सीईएससी की पेयजल सेवा एवं विद्युत सेवा बंद की जाए। अगर बेदखली में कोई दिक्कत आती है तो पुलिस उन्हें जरूरी सहायता देगी। बेदखल करने के बाद संपत्ति को तुरंत ध्वस्त किया जाना चाहिए। कोर्ट के इस आदेश का पालन ठीक से हो रहा है या नहीं, इसकी निगरानी कोलकाता नगर निगम, पुलिस और सीईएससी करेगी। कोर्ट के इस आदेश पर अमल हुआ या नहीं, इसकी रिपोर्ट 28 फरवरी को हाईकोर्ट को सौंपी जाएगी। हालांकि, 170 केशवचंद्र स्ट्रीट के एक निवासी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। शीर्ष अदालत ने संपत्ति पर अंतरिम रोक जारी की। ऐसे में यह संपत्ति ध्वस्त होगी या नहीं, यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर निर्भर करेगा।

अल्लू अर्जुन को भगदड़ मामले में मिली नियमित जमानत, अदालत की अनुमति के बिना विदेश जाने पर रोक

हैदराबाद : हैदराबाद की एक अदालत ने फिल्म पुष्पा-2 के प्रीमियर के दौरान भगदड़ मचने से एक महिला की मौत होने के मामले में तेलुगु अभिनेता अल्लू अर्जुन को नियमित जमानत दे दी। द्वितीय अतिरिक्त मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायाधीश ने इससे पहले अभिनेता और पुलिस के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद आज के लिए आदेश सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने अभिनेता को 50-50 हजार रुपये के दो जमानतदार पेश करने के अलावा उतनी ही रकम का मुचलका भरने का निर्देश दिया।

संपत्तियों की ई-नीलामी के लिए नया पोर्टल 'बैंकनेट' पेश, एक ही जगह मिलेगी सारी सूचना

नयी दिल्ली : वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने शुक्रवार को वाणिज्यिक संपत्तियों, औद्योगिक भूमि, दुकानों, वाहनों और कृषि एवं गैर-कृषि भूमि की ई-नीलामी के लिए नया पोर्टल पेश किया। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 'बैंकनेट' नाम का यह पोर्टल ई-नीलामी वाली संपत्तियों के बारे में सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों से जानकारी को इकट्ठा करता है और खरीदारों एवं निवेशकों को संपत्तियों की एक विस्तृत शृंखला तलाशने का एक मंच मुहैया कराता है। बयान के मुताबिक, बैंकनेट पर सूचीबद्ध होने वाली संपत्तियों में फ्लैट, स्वतंत्र घर और खुले भूखंड, वाणिज्यिक संपत्तियां, औद्योगिक भूमि एवं भवन, दुकानें, वाहन, संयंत्र एवं मशीनरी और कृषि एवं गैर-कृषि भूमि शामिल हैं। इन सभी संपत्तियों के विवरणों को एक ही स्थान पर एकत्र कर यह पोर्टल संपत्तियों की ई-नीलामी के बारे में जानकारी जुटाने और उसमें भाग लेने की प्रक्रिया को आसान बनाता है। इससे खरीदारों और निवेशकों के लिए मूल्यवान अवसरों की पहचान करना आसान होगा। इस अवसर पर नागराजू ने कहा कि इस मंच की शुरूआत से सार्वजनिक बैंकों की बकाया वसूली प्रक्रिया में काफी मदद मिलेगी, जिससे बैंकों के बहीखाते में भी सुधार होगा और कारोबारियों एवं व्यक्तियों के लिए ऋण उपलब्धता बढ़ेगी।

सीबीआई को केंद्र के अफसरों के खिलाफ प्राथमिकी के लिए राज्य की सहमति की जरूरत नहीं : उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को राज्यों के विभिन्न क्षेत्रों में तैनात केंद्र के अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए राज्य सरकारों की अनुमति की आवश्यकता नहीं है। न्यायमूर्ति सी.टी. रविकुमार और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने दो जनवरी को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश को पलट दिया जिसमें भ्रष्टाचार के मामले में दो केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सीबीआई जांच को रद्द कर दिया गया था। उसने कहा, तैनाती के स्थान पर ध्यान दिए बिना, पूर्वोक्त तथ्यात्मक

स्थिति यह दर्शाती है कि वे केंद्र सरकार के कर्मचारी/केंद्र सरकार के उपक्रम के कर्मचारी थे और कथित रूप से उन्होंने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गंभीर अपराध किया है, जो एक केंद्रीय अधिनियम है। यह मामला आंध्र प्रदेश में कार्यरत केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सीबीआई द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी से उत्पन्न हुआ। उन्होंने सीबीआई के अधिकार क्षेत्र को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी, जिसमें तर्क दिया गया था कि दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (डीएसपीई अधिनियम) के तहत अविभाजित आंध्र प्रदेश राज्य द्वारा सीबीआई को दी गई सामान्य सहमति, विभाजन के बाद नवगठित आंध्र प्रदेश राज्य पर स्वतः लागू नहीं होती। उच्च न्यायालय ने आरोपियों से सहमति जताते हुए, जिन पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था, प्राथमिकी रद्द कर दी और इस बात पर जोर दिया कि आंध्र प्रदेश से नए सिरे से सहमति लेना आवश्यक है।

बीच सड़क पर भिड़े मंत्री बाबुल और भाजपा सांसद अभिजीत गांगुली

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के मंत्री बाबुल सुप्रियो और भाजपा सांसद अभिजीत गांगुली शुक्रवार की रात बीच सड़क पर एक-दूसरे से भिड़ गये। दोनों के बीच करीब 15-20 मिनट तक जमकर नोकझोंक हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस दिन, रात में बाबुल सुप्रियो कार से अपने घर हावड़ा जा रहे थे। वहीं, अभिजीत गागुली की कार भी कोलकाता से हावड़ा जा रही थी। उसी समय हॉर्न बजाने को लेकर दोनों नेता बीच सड़क पर आपस में भिड़ गये। बाबुल सुप्रिया ने दावा किया कि वह खुद गाड़ी चलाकर लौट रहे थे। तभी, पीछे से एक कार हूटर बजाती हुई तेज रफ्तार से आ रही थी। यह बाबुल सुप्रियो की कार को ओवरटेक करने की कोशिश की। उस समय बाबुल सुप्रियो ने दूसरी कार के ड्राइवर को ठीक से गाड़ी चलाने के लिए कहा। बाबुल का दावा है कि उन्होंने दूसरी कार के ड्राइवर से कहा कि तुम ऐसे गाड़ी क्यों चला रहे हो? तुम लोगों को मार डालोगे! अगर यह मेरी कार से टकराएगा तो दुर्घटना हो जाएगी। तृणमूल विधायक ने दावा किया कि उसी समय दूसरी कार के पीछे से किसी ने चिल्लाकर कहा कि चला दे, चला दे। यानी ड्राइवर को गाड़ी आगे बढ़ाने को कहें।इसके बाद, दूसरी कार आगे बढ़ी तो बाबुल सुप्रियो ने उसे फिर रोक दिया। उन्होंने दावा किया कि तमलुक से भाजपा सांसद उस वक्त कार की पिछली सीट पर बैठे थे। तृणमूल नेता ने दावा किया कि कार पर 'एमपी तमलुक' भी लिखा हुआ था। बाबुल सुप्रियो ने कहा कि जब उन्होंने सांसद को देखा तो वह कार के पीछे गए और उनसे बात करने की कोशिश की। ड्राइवर से ठीक से गाड़ी चलाने को कहें। बाबुल सुप्रियो ने दावा किया कि उस वक्त सांसद ने उनसे कहा था कि उन्होंने जो किया, अच्छा किया! बाबुल सुप्रियो ने दावा किया कि उनके साथ भी दुर्व्यवहार किया गया। तभी दोनों नेताओं के बड़बड़ाने पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गयी। स्थानीय लोगों का दावा है, तब बाबुल सुप्रियो ने सांसद से माफी मांगने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि माफी मांगे बिना वह सांसद की गाड़ी को आगे नहीं बढ़ने देंगे। बाबुल सुप्रियो ने दावा किया कि सांसद ने उनसे माफी मांगना तो दूर, उन्हें फिर से गाली दी। तृणमूल विधायक ने दावा किया कि भाजपा सांसद ने उनसे यह भी कहा कि मैंने जो कहा है वह किया है, मैं इसे फिर से कहूंगा। कथित तौर पर बाबुल सुप्रियो को 'देख लेने' की चेतावनी भी दी गई थी। बाबुल ने दावा किया कि सांसद गाड़ी से नहीं उतरे। माफी नहीं मांगी।दूसरी ओर, अभिजीत गांगुली ने कहा कि अगर लापरवाही भरी रफ्तार होती तो पुलिस कार्रवाई करती। उन्होंने दावा किया कि बाबुल सुप्रियो ने कार के आगे 'एमपी तमलुक' लिखा हुआ देखा। यह देखकर बाबुल सुप्रियो ने अपनी कार जोर से चलाई और अपनी कार के सामने रोक दी।

चीन में एचएमपीवी प्रकोप के मद्देनजर भारत में इन्फ्लुएंजा के मामलों पर रखी जा रही नजर: सरकार

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के प्रकोप की हालिया खबरों के मद्देनजर देश में श्वसन और मौसमी इन्फ्लुएंजा के मामलों पर करीबी नजर रखे हुए है और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के संपर्क में है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हम स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए हैं और विस्तृत जानकारी प्रदान करेंगे। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) डॉ. अतुल गोयल ने कहा कि ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस सांस से संबंधित किसी भी अन्य वायरस की तरह है, जो सामान्य जुकाम का कारण बनता है। उन्होंने कहा कि यह युवाओं और अधिक आयु के लोगों में फ्लू जैसे लक्षण पैदा कर सकता है। उन्होंने कहा, चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के प्रकोप के बारे में खबरें आई हैं। हालांकि, हमने देश (भारत) में श्वसन प्रकोप के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। दिसंबर 2024 के आंकड़ों में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है। हमारे किसी भी स्वास्थ्य संस्थान से बड़ी संख्या में मामले सामने नहीं आए हैं। मौजूदा स्थिति को लेकर घबराने की कोई बात नहीं है।'' डॉ. गोयल ने कहा, किसी भी स्थिति में, सर्दी के दौरान श्वसन संक्रमण का प्रकोप बढ़ जाता है, जिसके लिए आमतौर पर हमारे अस्पतालों में आवश्यक चीजों की आपूर्ति और बिस्तरों की व्यवस्था की जाती है।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने परीक्षण के दौरान 180 किमी प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार हासिल की : रेलवे

नयी दिल्ली : वंदे भारत स्लीपर ट्रेन राजस्थान में 40 किलोमीटर लंबे मार्ग पर पिछले तीन दिनों में किए गए कई परीक्षणों में 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार हासिल करने में सफल रही। रेल मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, परीक्षण इस महीने के अंत तक जारी रहेगा। इसके बाद यह ट्रेन देशभर में रेल यात्रियों को लंबी दूरी की विश्व स्तरीय यात्रा की सुविधा देने के लिए उपलब्ध करा दी जाएगी। मंत्रालय ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की ओर से 'एक्स' पर हाल ही में जारी एक वीडियो भी साझा किया। उसने कहा, वीडियो में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के अंदर एक समतल सतह पर मोबाइल फोन के बगल में

पानी से भरा हुआ गिलास रखा दिखाया गया है। इसमें ट्रेन के 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार अख्तियार करने के बावजूद पानी का स्तर स्थिर बना हुआ नजर आता है, जो दर्शाता है कि यह हाई-स्पीड रेल यात्रा कितनी आरामदायक होगी। मंत्रालय ने कहा, दो जनवरी को संपन्न तीन दिन के सफल परीक्षणों के बाद यह वीडियो जारी किया गया, जिसमें वंदे भारत स्लीपर ट्रेन भरी अवस्था में अधिकतम रफ्तार अख्तियार करते दिखाई दी।

अब किसी भी बैंक से पेंशन निकाल सकेंगे ईपीएफओ पेंशनधारक, केंद्रीकृत पेंशन प्रणाली शुरू

नयी दिल्ली : कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के पेंशनधारक अब किसी भी बैंक से पेंशन निकल सकेंगे। ईपीएफओ ने देश भर में अपने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) लागू करने का काम पूरा कर लिया है। श्रम मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि इससे 68 लाख से अधिक पेंशनधारक लाभान्वित होंगे। मंत्रालय ने कहा कि कि सीपीपीएस मौजूदा पेंशन वितरण प्रणाली से एक आदर्श बदलाव है, जो विकेन्द्रीकृत है। इसमें ईपीएफओ का प्रत्येक संभागीय/क्षेत्रीय कार्यालय केवल तीन-चार बैंकों के साथ अलग-अलग समझौते करता है। सीपीपीएस के तहत, लाभार्थी किसी भी बैंक से पेंशन निकाल सकेंगे और पेंशन शुरू होने के समय सत्यापन के लिए बैंक जाने की आवश्यकता नहीं होगी। राशि जारी होने पर तुरंत जमा कर दी जाएगी। बयान में कहा गया है कि जनवरी, 2025 से सीपीपीएस प्रणाली पूरे भारत में पेंशन का वितरण सुनिश्चित करेगी तथा पेंशनधारकों के किसी अन्य स्थान पर जाने या उनके द्वारा अपना बैंक या शाखा बदलने के बावजूद पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) को एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में स्थानांतरित करने की आवश्यकता नहीं होगी।

मैं भी कोई 'शीश महल' बना सकता था लेकिन देशवासियों को पक्का घर मिले, यही मेरा सपना: प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि आज तक उन्होंने अपने लिए कोई घर नहीं बनाया और अगर वह चाहते तो अपने लिए भी एक 'शीश महल' बना सकते थे लेकिन देशवासियों को पक्का घर मिले, यही उनका सपना रहा है। राजधानी दिल्ली के अशोक विहार स्थित स्वाभिमान अपार्टमेंट में इन-सीटू स्लम पुनर्वास परियोजना के अंतर्गत झुग्गी झोपड़ी (जेजे) समूहों के निवासियों के लिए 1,675 नवनिर्मित फ्लैटों सहित कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद मोदी ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि विगत 10 सालों में उनके नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने चार करोड़ से अधिक गरीबों के घर का सपना पूरा किया। उन्होंने कहा, ''देश भलीभांति जानता है कि मोदी ने कभी अपने लिए घर नहीं बनाया, लेकिन बीते 10 वर्षों में 4 करोड़ से अधिक लोगों का सपना पूरा किया है। मैं भी कोई शीश महल बना सकता था, लेकिन मेरे लिए तो मेरे देशवासियों को पक्का घर मिले, यही सपना था।'' उल्लेखनीय है कि दिल्ली

के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की 'आम आदमी' छवि पर हमला करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उनके पुराने सिविल लाइंस स्थित आवास को 'शीश महल' के रूप में पेश कर रही है। भाजपा का आरोप है कि आवास को कथित 'शीश महल' में तब्दील करने में करोड़ों रुपये खर्च किए गए। प्रधानमंत्री ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली सरकार को 'आपदा' सरकार करार दिया और आरोप लगाया कि वह राष्ट्रीय राजधानी के लोगों को बुनियादी सुविधाएं तक ठीक से नहीं दे रही है। उन्होंने कहा, ''इसके चलते लाखों दिल्लीवासियों को बहुत परेशानी हो रही है। घर बनाने में लाखों रुपए लगाने के बाद भी अगर सीवर ना हों, नालियां टूटी हों, गली में गंदा पानी बहता हो तो दिल्ली के लोगों का दिल दुखना बहुत स्वाभाविक है।'' केजरीवाल पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ''जो लोग दिल्ली के लोगों से विश्वासघात करके, झूठी कसमें खा कर अपने लिए शीश महल बनवा लेते हैं...जब यह आपदा जाएगी, भाजपा आएगी तो इन सारी समस्याओं का समाधान भी किया जाएगा।''

कुछ 'कट्टर बेईमान' लोगों ने दिल्ली को 'आप-दा' में धकेल दिया: प्रधानमंत्री मोदी का 'आप' पर वार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) को दिल्ली के लिए 'आपदा' करार देते हुए कहा कि पिछले 10 सालों में कुछ 'कट्टर बेईमान' लोगों ने राष्ट्रीय राजधानी को 'आप-दा' में धकेल दिया है। आवास एवं शिक्षा समेत राष्ट्रीय राजधानी में बुनियादी ढांचा से जुड़ी विभिन्न परियोजनायों के उद्घाटन और शिलान्यास के बाद लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार पर निशाना साधा और कहा कि अगर राष्ट्रीय राजधानी में इसका शासन चलता रहा तो भविष्य में दिल्ली को वे 'और भी विकराल' स्थिति की तरफ ले जाएंगे। उन्होंने आप सरकार पर स्कूली शिक्षा से लेकर प्रदूषण के खिलाफ जंग और शराब के कारोबार समेत कई क्षेत्रों में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि एक तरफ केंद्र की सरकार राजधानी के लोगों के जीवन को आसान बनाने के बहुत प्रयास कर रही है, वहीं दूसरी तरफ दिल्ली के विकास के वादे कर सत्ता में आने वाली केंद्र शासित प्रदेश की सरकार 'आप-दा' बनकर दिल्ली पर टूट पड़ी है। अगले महीने राजधानी में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली ने इस 'आप-दा' के खिलाफ युद्ध छेड़ा है और इससे छुटकारा पाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, ''यह साल राष्ट्र निर्माण और लोगों के कल्याण की एक नई राजनीति लेकर आएगा। इसलिए 'आप-दा' को हटाना है, भाजपा को लाना है।''

अलोकतांत्रिक करतूतों पर फिर सोचे ढाका

बांग्लादेश में उग्र छात्र आंदोलन के बाद जो स्थितियां बनी हैं वे न तो इस देश के हित में हैं और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों के पक्ष में। जनविद्रोह की स्थितियों के बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के पलायन के बाद लगातार बांग्लादेश के संस्थापक बंगबंधु मुजीबुर्रहमान के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। जिसकी शुरुआत तब देखने को मिली, जब अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने पिछले साल 16 दिसंबर को बिजॉय दिबोश यानी विजय दिवस के मौके पर दिए गए संबोधन में युवा राष्ट्र के संस्थापक कहे जाने वाले शेख मुजीबुर रहमान का उल्लेख तक नहीं किया। उल्लेखनीय है कि यह दिवस भारत में भी विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन वर्ष 1971 में जहां भारतीय रक्षा बलों के सामने पाकिस्तान की विशाल सेना के आत्मसमर्पण की याद दिलाता है, वहीं बांग्लादेश के दमन व अत्याचार से मुक्ति का भी दिन है। इस संदर्भ में मोहम्मद यूनुस ने जहां अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासन को दुनिया के सबसे बुरे निरंकुश शासन के रूप में वर्णित किया, वहीं मुजीबुर्रहमान की पूरी तरह अवहेलना की। निश्चित रूप से यह देश के संस्थापक की उपेक्षा के साथ ही स्वतंत्रता आंदोलन में आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों का भी अपमान है। दरअसल, राजनीतिक दुराग्रह के चलते अंतरिम सरकार शेख हसीना के पिता की विरासत को भले ही मिटा न सके,लेकिन वो इसे कमजोर करने पर जरूर अमादा है। यहां तक कि शैक्षिक पाठ्यक्रम से भी छेड़छाड़ की जा रही है। कहा जा रहा है कि कार्यवाहक सरकार बांग्लादेश के प्राथमिक व माध्यमिक स्कूलों के पाठ्यक्रम में बताएगी कि देश को आजाद कराने में मुजीबुर्रहमान ने नहीं बल्कि जियाउर रहमान ने निर्णायक भूमिका निभाई थी। उन्होंने ही बांग्लादेश को स्वतंत्र करने की घोषणा की थी। इस तरह अराजकता व अल्पसंख्यकों पर हमलों के बीच नये विमर्श गढ़ने की कोशिश की जा रही है।

दरअसल, अंतरिम सरकार और कट्टरपंथी तत्व जनाक्रोश के चलते अपनी सुविधा का मुहावरा गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। निश्चित रूप से बांग्लादेश मुक्ति अभियान के दौरान जियाउर रहमान एक सम्मानित सैन्य अधिकारी थे। बताया जा रहा है कि उन्होंने 1971 के युद्ध में विशिष्टता के साथ सेवाएं दी थी। वे कालांतर बांग्लादेश के राष्ट्रपति भी बने थे। अपदस्थ सरकार के कर्ताधर्ता दलीलें दे रहे हैं कि उनके योगदान को राष्ट्र द्वारा उचित रूप से सम्मान देना चाहिए। लेकिन हकीकत यह भी है कि इसके जरिये मुजीबुर्रहमान के योगदान को कम करने की कोशिशें भी की जा रही हैं। जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार करना अनुचित ही होगा। दरअसल, यह सिर्फ सत्ता के केंद्र में आए व्यक्तियों की बयानबाजी तक ही सीमित नहीं है बल्कि बांग्लादेश में मुजीब के चित्र वाले नोटों को भी चरणबद्ध तरीके से बंद करने की कुत्सित कोशिशें की जा रही हैं। निश्चित रूप से गलत दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि तमाम निर्णय कहीं न कहीं राजनीतिक दुराग्रहों से प्रेरित हैं। इसके बावजूद कि बांग्लादेश में कार्यवाहक सरकार खुद को बार-बार अराजनीतिक कहने से नहीं चूकती। यहां उल्लेखनीय है कि जियाउर रहमान की विधवा और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया, फिलहाल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की प्रमुख हैं। जिसके साथ कार्यवाहक सरकार के मधुर रिश्ते हैं। वहीं सत्ता हासिल करने को बेताब बीएनपी चुनाव में हो रही देरी से भी बेचैन हो रही है। दरअसल, सरकार पर उन छात्र नेताओं का भी बड़ा दबाव है, जिन्होंने शेख हसीना के खिलाफ हुए आंदोलन का नेतृत्व किया था। जिसके बाद शेख हसीना को बांग्लादेश छोड़कर भागना पड़ा था। कालांतर उन्होंने भारत में शरण ली थी। असल में, छात्र नेता दबाव बना रहे हैं कि वर्ष 1972 के बांग्लादेश के संविधान को फिर लिखा जाए। वे संविधान को मुजीबिस्ट चार्टर बता रहे हैं। आरोप है कि इसी ने भारत की आक्रामकता का मार्ग प्रशस्त किया। निश्चित रूप से मुजीब विरोधी आख्यान और भारत विरोधी बयानबाजी मिलकर बांग्लादेश की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं पर पानी फेर सकती हैं। ढाका को सलाह दी जानी चाहिए कि न तो वो दिल्ली से रिश्ते खराब करे और न ही मुजीब को इतिहास के कबाड़ के हवाले करे।

युद्ध एवं आतंक से झूलसी दुनिया में शांति का उजाला

ललित गर्ग

नव वर्ष 2025 की शुरुआत दुनिया के लिए शांति, अमनचैन, अयुद्ध और समृद्धि का वर्ष बनने की कामना के साथ हुई लेकिन अमेरिका में नए साल के पहले ही दिन हुए आतंकी ट्रक अटैक में 15 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। न्यू ऑरलियन्स में हुए इस कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले ने शांति एवं अमनचैन के दुनिया के मनसूंबों पर पानी फेर दिया। न्यू ऑरलियन्स में हुए इस आतंकी हमले को 42 वर्षीय अमेरिकी नागरिक शम्सुद्दीन जब्बार ने अंजाम दिया, जिसे इस्लामिक स्टेट-आईएसआईएस समर्थक माना जा रहा है क्योंकि उसकी गाड़ी से इस्लामिक स्टेट (आईइस) से जुड़े कुछ दस्तावेज मिले हैं। इस हमले की जांच 'आतंकवादी कृत्य' के रूप में कर रहे हैं। जब्बार पुलिस की गोलीबारी में मारा गया।

बात केवल अमेरिका में हुए इस आतंकी हमले की नहीं है। समूची दुनिया युद्ध और शांति, आतंक एवं आनन्द, हिंसा और अहिंसा, भय और अभय के बीच झूलस रही है। दुनिया में कई सत्ताएं युद्धरत हैं, जबकि ज्यादातर लोग शांति चाहते हैं। अजीब अंतर्विरोध एवं विरोधाभास देखने को मिल रहा है। शांति का मतलब सिर्फ़ युद्ध का अभाव नहीं होता, बल्कि एक ऐसा वातावरण होता है जहां गतिशील, मज़बूत, सौहार्दपूर्ण और संपन्न समाज का निर्माण होता है। ऐसे समाजों में मानव क्षमता का अधिकाधिक इस्तेमाल होता है और जीवन शांति एवं सहजीवन के रूप में व्यतीत होता है। विडम्बना देखिये कि ज्यादातर लोग शांति, अमन-चैन चाहते हैं फिर भी युद्ध प्रेमी सत्ताएं व्यापक जन-समर्थन हासिल करती जा रही है।

विश्व में उथल पुथल कई मोर्चों पर चली रहती है जिस पर दुनिया का ध्यान आकर्षित होता रहता है। साथ में ही इसका प्रभाव शेष विश्व पर भी पड़ता है, लेकिन विश्व में शांति के लिए संघर्ष जिस बड़े पैमाने पर हो रहे हैं युद्ध एवं आतंक भी उससे बड़े पैमाने पर पनप रहे हैं। इस समय कम से कम दो लंबे युद्ध चल रहे हैं। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को तीन साल होने वाले हैं, जबकि गाजा और इस्राइल के युद्ध को भी एक साल से ज्यादा का समय हो चुका है। संसार लगभग चुपचाप, लाचार यह नरसंहार देख रहा है। युद्ध में केवल बर्बरता, लाशें, आग, मलबा और रॉकेट दिख रहे हैं। लोग बेबस हैं, बच्चे अचंभित हैं, औरतों के साथ बर्बरता हो रही है। फिर भी, इन युद्धों को रोकने की कोई सार्थक एवं प्रभावी पहल नहीं हो रही। क्या संसार ने युद्ध की अनिवार्यता और शांति की असंभावना को स्वीकार कर लिया है?

पूरा विश्व इस बीच दो गुटों में बंट चुका है। कुछ देश शांति का समर्थन कर रहे है तो कुछ मौन होकर युद्ध की अनिवार्यता को स्वीकार रहे हैं। लेकिन युद्ध के मुख्य किरदार एक-दूसरे के अस्तित्व को ही मिटाने की जिद्द में गोला-बारूद दाग रहे हैं। मानो एक-दूसरे का नामोनिशान ही मिटा देंगे, लेकिन इस बीच खुद को बचाने के लिए कुछ लोग बंकरों में छिप रहे हैं तो कुछ मातृभूमि की रक्षा के लिए युद्ध के मैदान में लड़ रहे हैं। युद्ध किसी का भी हो, जख्म बच्चों, महिलाओं एवं निर्दोषों को ही ज्यादा मिलते हैं। युद्ध दो देशों के बीच भले हो, लेकिन इससे समूचा विश्व आहत है, प्रभावित है। इतने व्यापक विनाश, क्रूरता, हिंसा की संसार अनदेखी कैसे कर रहा है, यह प्रश्न मानव के अस्तित्व एवं अस्मिता से जुड़ा होकर भी इतना सून कैसे हैं?

वैसे युद्ध एवं आतंकवाद किसी भी देश के लिए लाभदायक सिद्ध नहीं होता है क्योंकि उसमें जीत-हार तो बाद की बात है, पहले इसमें मानवता को हानि और क्षति होती है। इसलिए युद्ध एवं आतंक न केवल मृत्यु और विनाश का कारण बनते हैं, बल्कि स्थायी शारीरिक और मानसिक विक्षिप्तता का कारण बनते हैं, विकास का अवरोध होता है, पर्यावरण-विनाश का कारण होता है। इक्कीसवीं सदी अपनी निष्ठुरता, अमानवीयता एवं क्रूरता में इतना बेमिसाल और अभूतपूर्व होगी, ऐसी उम्मीद शायद ही किसी ने की हो। शांति की तलाश में लगी दुनिया के लिये युद्ध इतने अनिवार्य कैसे हो गये, यह एक गंभीर प्रश्न है।

पृथ्वी पर जीवन अनमोल और अद्वितीय है। तार्किक रूप से, हम अपनी सभ्यता की प्रगति के ऐसे चरण में हैं कि हमें युद्धों के निहितार्थों को जानना चाहिए और उन्हें होने ही नहीं देना चाहिए। युद्धों में कोई वास्तविक विजेता नहीं होता है क्योंकि इसमें शामिल सभी पक्षों को परिणाम भुगतना पड़ता है जिसमें अक्सर दोनों पक्षों के हताहतों की संख्या अधिक होती है। यह समय मानवता के दुष्काल एवं आपातकाल का समय है, जिसमें युद्धरत होते देशों को मानवीय मूल्यों से हाथ धोना पड़ता है। उन देशों की तो क्षति होती ही है, इसका असर दूसरे देशों पर भी पड़ता है, चाहे वह आर्थिक तौर पर हो, राजनीतिक, सामाजिक या नैतिक तौर पर हो, युद्धों से होने वाली क्षति की कभी भी भरपाई नहीं हो पाती। सारे संसार में जिस तरह लोकतंत्र का हरण और पूंजीवाद का उत्कर्ष हो रहा है, उसमें शांति के लिए प्रयास धुंधले पड़ रहे हैं। युद्ध चाहे कोई भी हो, कौनसा भी हो, लेकिन वह कभी भी किसी भी देश की लोकतांत्रिक राजनीति, समाजव्यवस्था और अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं होता। एक युद्ध जिन देशों के बीच में छिड़ता है, केवल उनकी ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की शांति भंग करता है, इसका उदाहरण यूक्रेन-रूस तथा इजरायल-हमास युद्ध के परिणामों से विश्व मानवता पर पड़ रहे दुष्प्रभाव से आंकना होगा। यह जंग सिर्फ अब रॉकेट और मिसाइल के दम पर नहीं लड़ी जा रही है, बल्कि यह जंग साइबर वर्ल्ड में भी पहुंच चुकी है, जो अधिक घातक है।

यह कोई पहला मौका नहीं है, जब कोई जंग असल दुनिया से लेकर साइबर वर्ल्ड तक पहुंची हो। यूक्रेन और रूस के युद्ध में भी हमने साइबर अटैक के कई मामले देखे हैं। ऐसा ही कुछ हमास और इजरायल के बीच होता दिख रहा है। हाल में हमास ने इजरायल पर अचानक हमला किया। इस हमले में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है। इनमें सैनिकों से लेकर आम आदमी तक सभी शामिल हैं। उनके ऊपर कई साइबर अटैक हुए हैं। फोन ऐप को टार्गेट किया गया। इसके अलावा कई दूसरे मामले भी देखने को मिले हैं। इजरायल का रेड अलर्ट फोन ऐप सिस्टम भी साइबर अटैक का शिकार हुआ है। इस ऐप की मदद से इजरायल में रॉकेट और मिसाइल हमले के वक्त रियल टाइम अलर्ट मिलता है। ये चीजें बताती हैं कि जंग का अंजाम कितना घातक होता है।

अब परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का खतरा भी बढ़ गया है कि यूक्रेन को इतने लंबे समय से झुकता न देख रूस का अहं चोट खा रहा है। हालांकि परमाणु हथियारों के दुष्परिणामों से दोनों देश अनजान नहीं हैं। इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति-संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विध्वंस की ओर धकेलने जैसा है। ऐसे युद्ध का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देगा, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने का भी बड़ा कारण बनेगा। इसलिये दुनिया अब युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहती है। दुर्भाग्य को मिटाकर सौभाग्य का उजाला करना होगा, जिसमें मानवीय संबंध, संवाद, सहकार, टीवी चैनल, सिनेमा, त्योहार, साहित्य, कलाएं- सभी शांति की विधाएं बनने लगे। नववर्ष में इसकी सार्थक शुरुआत हो एवं नये शांति के सूरज का अभ्युदय हो। -लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

अपनों के निशाने पर कांग्रेस पार्टी

रमेश सर्राफ धमोरा

कांग्रेस पार्टी इन दिनों अपने ही साथी दलों के निशाने पर है। भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों के संयुक्त इंडिया गठबंधन में शामिल विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा कांग्रेस पार्टी से इंडिया गठबंधन का नेतृत्व वापस लेने की मांग की जा रही है। इंडिया गठबंधन में शामिल बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी खुले आम कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व पर सवाल उठा रही है। उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने प्रेस कांफ्रेंस करके कांग्रेस पार्टी को इंडिया गठबंधन के नेता पद से हटाने की मांग की हैं। ममता बनर्जी की मांग के समर्थन में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भी अपनी सहमति जताई है। इससे इंडिया गठबंधन की स्थिति लगातार कमजोर हो रही है।

जून 2023 में 26 विपक्षी दलों के साथ बना इंडिया गठबंधन अब टूट के कगार पर खड़ा है। लोकसभा चुनाव में मिली हार और उसके बाद हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हुई पराजय ने इस गठबंधन को कमजोर कर दिया है। इसी के चलते कांग्रेस के सहयोगी दल ही उसकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाकर अलग राह पकड़ने के संकेत दे रहे हैं। हाल ही में दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने तो कांग्रेस को इंडिया गठबंधन से बाहर निकलवाने तक की धमकी दे दी है। कांग्रेस द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा के बाद से ही आम आदमी पार्टी कांग्रेस से खासी नाराज नजर आ रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस जिस तरह से चुनाव लड़ रही है उससे भाजपा को लाभ मिल रहा है। कांग्रेस नेता अजय माकन व संदीप दीक्षित के बयान विपक्ष को कमजोर करने के लिए भाजपा के कहने पर दिए जा रहे हैं। समाजवादी पार्टी, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद पवार), नेशनल कांफ्रेंस तो खुलकर कांग्रेस की मुखालफत करने लगी है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अपनी जीत तय मानकर आम आदमी पार्टी से गठबंधन करने से इनकार कर दिया था। जिसके चलते आम आदमी पार्टी ने कई सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़कर 1.8 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। जबकि हरियाणा में कांग्रेस को 39.34 प्रतिशत वोट व भाजपा को 39.94 प्रतिशत वोट मिले थे। यदि हरियाणा में कांग्रेस आम आदमी पार्टी से समझौता करके चुनाव लड़ती तो निश्चय ही सरकार बन सकती थी। मगर कांग्रेस ने अवसर गवां दिया और वहां भाजपा ने आसानी से तीसरी बार पहले से भी अधिक बहुमत से सरकार बना ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा के उपचुनाव में तो समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के लिए एक भी सीट नहीं छोड़ी थी। जबकि लोकसभा चुनाव कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने मिलकर ही लड़ा था।

महाराष्ट्र में कांग्रेस नीत महा विकास अघाड़ी की करारी हार होने के बाद शिवसेना (यूबीटी) ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा था कि कांग्रेस ने हरियाणा में आप और समाजवादी पार्टी को सीट ना देकर गलती की थी। पार्टी के मुखपत्र सामना में भी लिखा गया कि कांग्रेस नेताओं के अति आत्मविश्वास और घमंड ने हरियाणा में हार के लिए भूमिका निभाई। पार्टी नेता संजय राउत ने तो यहां तक कह दिया कि कांग्रेस को लगने लगा था कि वह अकेले ही जीत सकती है। इसलिए किसी को भी सत्ता में भागीदार बनाना उचित नहीं समझा था।

पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 99 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। कांग्रेस कुल 329 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। जिसमें से 145 सीटों पर बिना किसी गठबंधन की अकेले चुनाव लड़ी थी। जिसमें कांग्रेस 37 सीटों पर चुनाव जीती थी। कांग्रेस का बिना किसी दल से गठबंधन में जीत का रेशियो 25.52 प्रतिशत रहा था। जबकि कांग्रेस 184 सीटों पर साथी दलों से गठबंधन करके चुनाव लड़ी थी। इसमें कांग्रेस ने 62 सीट जीती थी और जीत का रेशियो 33.75 प्रतिशत रहा था। इस तरह से देखे तो कांग्रेस पार्टी को अकेले चुनाव लड़ने की बजाय गठबंधन साथियों की बदौलत बड़ी जीत हासिल हुई थी। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 13 करोड़ 67 लाख 59 हजार 64 यानी 21.29 प्रतिशत वोट मिले थे। गठबंधन करने के कारण 2019 की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 1.91 प्रतिशत अधिक वोट मिले थे।

कांग्रेस पार्टी ने पंजाब, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, गोवा, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, उड़ीसा, तेलंगाना व पश्चिम बंगाल में अपने बूते चुनाव लड़ा था। जबकि बिहार, गुजरात हरियाणा झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, पांडिचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश में गठबंधन करके चुनाव लड़ा था। अंडमान निकोबार दीप समूह, आंध्र प्रदेश, दादरा नगर हवेली व दमन दीव, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, मध्य प्रदेश, मिजोरम, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड ऐसे प्रदेश है जहां लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुल सका था।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस को सबसे बड़ा झटका महाराष्ट्र में लगा जहां उनकी सीटे 44 से घटकर 16 रह गई। महाराष्ट्र में कांग्रेस शिवसेना (यूबीटी) व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के साथ महाविकास अघाड़ी बनाकर चुनाव मैदान में उतरी थी। वहां कांग्रेस सबसे अधिक 101 सीटों पर चुनाव लड़ी जिसमें महज 16 सीट ही जीत पाई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 80 लाख 20 हजार 921 वोट मिले जो कुल मतदान का 12. 42 प्रतिशत थे। महाराष्ट्र में कांग्रेस की जीत का स्ट्राइक रेट 15.38 प्रतिशत ही रहा।

संसद का शीतकालीन सत्र का समापन हो चुका है। जिसमें अधिकांश समय कांग्रेस ने अदानी मुद्दे को लेकर संसद नहीं चलने दी। इससे संसद का कार्य पूरी तरह प्रभावित रहा। इसको लेकर भी कांग्रेस की सहयोगी तृणमूल कांग्रेस, सपा ने कांग्रेस को घेरते हुये आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर बहस नहीं होने देना चाहती है तथा सिर्फ अदानी मुद्दे को ही जिंदा रखे हुए हैं। यदि संसद चलती तो कई तरह के मुद्दों पर सरकार को घेरा जा सकता था।

इंडिया अलायंस में जिस तरह की खटपट वर्तमान समय में चलने लगी है वह अलायंस के लिए शुभ नहीं मानी जा सकती है। अलायंस में शामिल दल ही विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के नेतृत्व को नकारने लगे है इससे बुरी बात कांग्रेस पार्टी के लिए और क्या हो सकती है। लोकसभा चुनाव में जिस तरह से विपक्षी पार्टियों ने एकजुट होकर इंडिया गठबंधन बनाकर केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। वही गठबंधन अब धीरे-धीरे कमजोर पड़ता जा रहा है।

आने वाले समय में दिल्ली विधानसभा के चुनाव होने हैं। वहां भाजपा चुनाव जीतने की पूरी रणनीति बनाने में जुटी हुई है। आम आदमी पार्टी चाहती है कि वह दिल्ली की सत्ता पर फिर से काबिज हो। मगर कांग्रेस का रवैया देखकर आम आदमी पार्टी भी सकते में है। पार्टी के नेता कांग्रेस को वोट कटवा के रूप में देख रहे हैं तथा खुले आम भाजपा की बी टीम के रूप में काम करने का आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की दो सूची जारी कर दी है। शेष सीटों पर भी जल्दी ही प्रत्याशियों के नाम घोषित करने की तैयारी चल रही है। यदि दिल्ली चुनाव में आम आदमी पार्टी पराजित हो जाती है तो इंडिया गठबंधन के ताबूत में वह आखरी कील साबित होगी।

कांग्रेस को यदि इंडिया गठबंधन को बचाना है तो अपने सहयोगी क्षेत्रीय दलों की भावनाओं को समझ कर फैसला करना होगा। तभी कांग्रेस अपने राजनीतिक वजूद को बचा पाएगी। इंडिया गठबंधन टूटने की स्थिति में कांग्रेस का भी कमजोर होना तय माना जा रहा है। क्योंकि कांग्रेस अकेले भाजपा से मुकाबला नहीं कर सकती है। गठबंधन के साथी दलों की मदद से ही कांग्रेस मजबूत हो सकेगी इस बात से कांग्रेस नेता भी अच्छे से वाकिफ है।

-(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है।)

व्यंग्य

ट्रंप का अप्रत्याशित रुख रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने में कर सकता है मदद : जेलेंस्की

कीव : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 'मजबूत और अप्रत्याशित' हैं तथा ये विशेषताएं यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के प्रति उनके नीतिगत रुख में एक निर्णायक कारक है। हालांकि, जेलेंस्की ने कहा कि लगभग तीन साल से जारी युद्ध को एक दिन में समाप्त करना संभव नहीं होगा, जैसा कि ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान दावा किया था कि वह ऐसा कर सकते हैं। जेलेंस्की ने बृहस्पतिवार देर रात यूक्रेनी टेलीविजन को दिये साक्षात्कार में, युद्ध का जिक्र करते हुए कहा, 'अगर ट्रंप मजबूत रुख अपनाते हैं, तो युद्ध का भीषण दौर बहुत जल्द समाप्त हो सकता है।' ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने वाले हैं। उन्होंने यूक्रेन पर अपनी नीति को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन उनकी पिछली टिप्पणियों ने इस बात पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है कि क्या अमेरिका, यूक्रेन का सबसे बड़ा - और सबसे महत्वपूर्ण सैन्य समर्थक बना रहेगा। जेलेंस्की ने कहा, 'मेरा मानना है कि (ट्रंप) मजबूत और अप्रत्याशित हैं। मैं चाहूंगा कि राष्ट्रपति ट्रंप का अप्रत्याशित रुख मुख्य रूप से रूस के प्रति हो।'

भारत के साथ संबंधों को सामान्य बनाने के लिए आपसी इच्छाशक्ति की जरूरत है: पाकिस्तान

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा है कि भारत के साथ संबंधों को सामान्य बनाने के लिए आपसी इच्छाशक्ति की जरूरत है। डार ने बृहस्पतिवार को यहां विदेश कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए पिछले साल पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सरकार के सत्ता में आने के बाद से पाकिस्तान के कूटनीतिक प्रयासों पर प्रकाश डाला। जब उनसे भारत के साथ पाकिस्तान के संबंधों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने संयुक्त रूप से प्रयास किये जाने के महत्व पर जोर दिया और कहा कि ताली दोनों हाथों से बजती है। डार ने अगले महीने बांग्लादेश की यात्रा की योजना की भी घोषणा की और कहा कि पिछले साल अगस्त में हसीना सरकार के अपदस्थ होने के बाद इस्लामाबाद और ढाका के संबंधों का पुनर्निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हाल में काहिरा में एक बैठक के दौरान उन्हें बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस से निमंत्रण मिला था। उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश एक बिछड़े हुए भाई की तरह है। हमारा लक्ष्य आर्थिक और व्यापारिक सहयोग को मजबूत करना है।' पिछले साल पांच अगस्त को छात्रों के नेतृत्व वाले आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल कर दिया गया था, जिसके बाद यूनुस ने मुख्य सलाहकार का पद संभाला था।

आज का पंचांग

कोलकाता : 4 दिसम्बर, शनिवार, 2024, विक्रम सम्वत् 2081, पौष शुक्लपक्ष पंचमी, 22:00 तक, नक्षत्र : शतभिषा, 21:14 तक, योग : सिद्धि, 10:02 तक, सूर्योदय: 6:17, सूर्यास्त: 17:06 चन्द्रोदय : 09:38, चन्द्रास्त: 21:29, शक सम्वतः 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : धनु, चन्द्र राशि : कुम्भ, राहू काल : 09:01 से 10:21

राशिफल

मेष : मेष राशि वालों के कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकते हैं। इन बदलावों से आपके सहकर्मी थोड़े परेशान हो सकते हैं। आप दूसरों की मदद करना पसंद करते हैं। आपका दिन परोपकार में बीतेगा।

वृष : वृष राशि वालों के लिए दिन परिवार के साथ खुशियों से भरा रहेगा। दोपहर तक कोई अच्छी खबर मिल सकती है। अपनी सेहत का ध्यान रखें, वरना आपको नुकसान हो सकता है।

मिथुन : मिथुन राशि वालों के लिए आज किसी कीमती वस्तु या संपत्ति मिल सकती है। पिता का आशीर्वाद और उच्च अधिकारियों की कृपा काम आएगी। दिनभर व्यस्तता रहेगी। फिजूलखर्ची से बचें।

कर्क : कर्क राशि वालों के लिए आज अचानक धन लाभ हो सकता है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। व्यापारिक योजनाओं में गति आएगी। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

सिंह : सिंह राशि वालों को राजनीति के क्षेत्र में बड़ी सफलता मिल सकती है। संतान के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे। प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ेंगे। रुके हुए काम पूरे होंगे।

कन्या : कन्या राशि वालों को आज मेहनत से लाभ होगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। विपरीत परिस्थितियों में गुस्से पर काबू रखें।

तुला : तुला राशि वालों के लिए आज शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष सफलता मिल सकती है। आय के नए स्रोत बनेंगे। आपकी वाकपटुता आपको सम्मान दिलाएगी।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि वालों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आपके धन, सम्मान, यश और कीर्ति में वृद्धि होगी। रुके हुए काम पूरे होंगे। वाणी पर संयम न रखने से परेशानी हो सकती है।

धनु : धनु राशि वालों का दिन काफी खर्च वाला रहेगा। घर के सामान पर खर्चा करना पड़ सकता है। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। किसी कर्मचारी या रिश्तेदार की वजह से तनाव बढ़ सकता है।

मकर : मकर राशि वालों को व्यापार में अच्छा लाभ होगा। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी। व्यापार में बदलाव की योजना बन सकती है। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी।

कुम्भ : कुंभ राशि वालों का दिन लाभ और तरक्की से भरा होगा और आपकी योजनाएं सफल होंगी। कहीं से कोई अच्छी खबर आपके लिए आ सकती है।

मीन : मीन राशि वालों का वैवाहिक जीवन आनंददायक रहेगा। आज छोटी या लंबी यात्रा हो सकती है। व्यापार में तरक्की से खुशी मिलेगी। विद्यार्थियों को मानसिक तनाव से छुटकारा मिलेगा।

वर्ग पहेली नं. 2965

1	■	2		■	■	3		4	5
	■		■	6	7		■	8	
9			■	10		■	11	■	
	■		■		■	12			
■	13		14			■		■	■
15		■		■	■	16		17	18
19		■	20	21			■	22	
	■	23	■		■	24	25	■	
26					■	27			

➲ *बायें से दायें:-* 2) बाधा; संकट, 3) दिवाला; नाश, 6) एक मसालेदार जड़, 8) उपयोग; धंधा, 9) इकट्ठा, 10) ध्वनि, 12) सौंदर्यशाली, 13) किसी कार्य को भलीभाँति करने का सामर्थ्य, 15) आमदनी, 16) वार्तालाप, 19) शीर्षक *(किताब का)*; प्रसिद्धि, 20) पैतृक धन का विभाग, 22) नक्षत्र, 24) पालकी, 26) उतारना, 27) होंठ.

➲ *ऊपर से नीचे:-* 1) औचक; अकस्मात, 2) राजा शान्तनु का पुत्र *(महाभारत)*, 3) प्रतिबंध; कैदी, 4) बांग्ला देश की राजधानी, 5) रोज़े का इसलामी महीना, 6) निरंतर, 7) अल्पतम, 11) उलटा, 13) स्थिर, 14) मेघविद्युत, 15) बहानेबाज़ी, 16) लगाम, 17) एक पशु, 18) गीलापन, 21) एक नदी, 23) अंबार, 25) हाथी- घोड़े का गोबर.

(उत्तरः अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

वि	ष्ठ	■	क्रू	■	धू	म	■	क	श
ज	■	च	र	स	■	ज़	ह	री	■
या	त्रि	क	■	ब	द	बू	■	ब	स्ता
द	■	ला	य	क	■	र	क्षा	क	■
श	क	■	की	■	म	न	■	री	■
मी	न	■	न	ग	द	■	कं	ब	ल
■	क	मा	न	■	द	स्त	क	■	च्छे
नी	■	हि	■	अं	गा	र	■	गं	दा
ति	त	र	बि	त	र	■	शृं	गा	र

सुडोकू-पहेली-2925

			5		3	2		
	6	1						
			4					
	4			7			1	6
							8	
5								
8			2					
3						5		
				1				

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2924 का उत्तर

4	2	5	3	9	6	7	8	1
3	7	8	4	5	1	6	2	9
1	9	6	2	8	7	4	3	5
8	5	4	7	3	9	2	1	6
7	1	2	6	4	5	8	9	3
9	6	3	8	1	2	5	4	7
5	8	1	9	6	4	3	7	2
6	3	7	1	2	8	9	5	4
2	4	9	5	7	3	1	6	8

प्राइवेट प्रैक्टिस पर लगाम, सरकारी मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों पर ममता ने कसा शिकंजा

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री की चेतावनी के बाद स्वास्थ्य भवन ने सरकारी मेडिकल कॉलेजों के लिए गाइडलाइंस जारी की है। इसमें सरकारी डॉक्टरों के निजी प्रैक्टिस पर लगाम लगाने की बात कही गयी है। इसके साथ ही सरकारी मेडिकल कॉलेज में पद के अनुसार कोई डॉक्टर कितने समय तक अस्पताल में रहेगा? उस समय उनका कार्य क्या होगा? एक शिक्षक-चिकित्सक दिन के कितने समय मेडिकल छात्रों को पढ़ाएगा? स्वास्थ्य सचिव नारायण स्वरूप निगम ने दिशा-निर्देश जारी कर विभागाध्यक्ष, यूनिट प्रमुख और अन्य डॉक्टरों की जिम्मेदारियां तय कर दी है।स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि रात्रि ड्यूटी के समय वरिष्ठ संकाय की उपस्थिति अब से से अनिवार्य है। सहायक प्रोफेसरों को आपातकालीन, ऑन-कॉल, वार्ड कर्तव्यों के साथ-साथ शिक्षक-चिकित्सक की भूमिका भी निभानी होती है। प्रत्येक इकाई के इन-डिवीजन, आपातकालीन वार्ड में सुबह और शाम का दौरा अनिवार्य है। मरीज भर्ती के दिन संबंधित यूनिट के वरिष्ठ डॉक्टरों को दोपहर 2 बजे तक ओपीडी में रहना होगा। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक डॉक्टर को मरीज के परिवार से दो घंटे के लिए मिलना चाहिए। विभागाध्यक्ष अपने अलावा अन्य इकाइयों के मरीजों की निगरानी करेंगे। अब से एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, बायो केमिस्ट्री के डॉक्टरों को भी जनरल ओपीडी करनी होगी। सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बीच सरकारी कॉलेज में काम करने वाले डॉक्टर अब निजी प्रैक्टिस नहीं कर पाएंगे। एक डॉक्टर एक ही दिन में तीन स्थानों पर अपने स्वास्थ्य साथी की सर्जरी कैसे करता है? मुख्यमंत्री ने उठाया सवाल। यह निर्देश उसी के मद्देनजर माना जा रहा है। बीएचटी में यह उल्लेख होना चाहिए कि मरीज को क्या उपचार मिला? स्वास्थ्य विभाग ने कर्तव्य में लापरवाही साबित करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। यदि आवश्यक हो, तो राज्य चिकित्सा परिषद या एनएमसी सरकारी डॉक्टर की लापरवाही को स्वास्थ्य भवन के ध्यान में लाएगी। सरकारी अस्पतालों में मृत मरीजों का डेथ ऑडिट अनिवार्य कर दिया गया है। स्वास्थ्य भवन ने कहा कि लापरवाही से मरीज की मौत के लिए यूनिट हेड जिम्मेदार होगा। जूनियर डॉक्टरों को शाम 6 बजे तक अस्पताल में उपस्थित रहना अनिवार्य है। पैथोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, हेमेटोलॉजी, रेडियोलॉजी के डॉक्टर हर समय अस्पताल में मौजूद रहना होगा। अस्पताल पहुंचने के बाद मरीज को उसकी शारीरिक स्थिति के अनुसार ग्रीन, येलो, रेड जोन में भेजा जाएगा। मेडिकल ऑफिसर के नेतृत्व में जूनियर डॉक्टर तय करेंगे कि किस मरीज को किस जोन में भेजा जायेगा। किसी भी मरीज को रेड जोन में रेफर किया जाएगा। रेड जोन में 10 बिस्तरों वाला चिकित्सा बुनियादी ढांचा तैयार करना होगा। येलो जोन में ट्रॉली, मोबाइल बेड पर मरीज का इलाज होगा। इमरजेंसी वार्ड में ही कंप्यूटर से पता चल जायेगा कि किस वार्ड में कितने बेड खाली हैं। अस्पताल में सभी स्वास्थ्य कर्मियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति होगी। अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक आपातकालीन प्रशासन के प्रभारी होंगे।

अपात्रों की नौकरी के लिए खुद हस्तलिखित निर्देश देते थे पार्थ चटर्जी

✒ शिक्षक भर्ती घोटाले की चार्जशीट में सीबीआई का दावा

कोलकाता, समाज्ञा : शिक्षक भर्ती घोटाले में जेल में बंद राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी स्वयं अयोग्य नौकरी चाहने वालों के नामों की सूची पर भर्ती करने संबंधी निर्देश लिखते थे। भर्ती घोटाले की जांच कर रही सीबीआई ने हाल में कोलकाता की विशेष अदालत में दाखिल इस मामले की चार्जशीट में यह दावा किया है। सीबीआई ने चार्जशीट में कहा है कि उसने जून 2023 में शिक्षा भवन पर छापा मारा था। वहां के गोदाम से नौकरी चाहने वालों के नामों की एक सूची बरामद की गई थी जिस पर पूर्व मंत्री के निर्देश लिखे गए थे। उसने पार्थ के हस्तलिखित निर्देशों की प्रति जब्त कर ली थी। सूची में कई जगहों पर पूर्व मंत्री ने लिखा है कि संबंधित उम्मीदवार को भर्ती करनी ही पड़ेगी। ईडी ने पार्थ को जुलाई, 2022 में भर्ती भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार किया था।

दो आरोपितों की आठ करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

ईडी ने शिक्षक भर्ती भ्रष्टाचार मामले में 8.20 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। ये संपत्तियां इस मामले के दो आरोपितों नीलाद्रि दास और अब्दुल खालेक की हैं। संपत्तियां राज्य के मालदा और उत्तर प्रदेश के नोएडा से कुर्क की गई हैं। मालदा से अब्दुल खालेक की कुछ जमीन और इमारतें कुर्क की गई हैं, जबकि नोएडा से नीलाद्रि दास के कुछ व्यावसायिक फर्मों को कुर्क किया है। अब्दुल इस भर्ती भ्रष्टाचार मामले में एजेंट की भूमिका में था, जबकि नीलाद्रि एनडी इन्फो सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड नामक एजेंसी का वरिष्ठ अधिकारी था, जिसका मुख्यालय नोएडा में था। भर्ती परीक्षा की जिम्मेदारी इसी एजेंसी पर थी। एजेंसी पर उत्तर पुस्तिका (ओएमआर शीट) से छेड़छाड़ और अंकों में हेरफेर करने का आरोप था। भर्ती भ्रष्टाचार मामले में ईडी ने अब तक 238 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है।

रविवार से महंगा होगा ब्रेड, पांच रुपए कीमत बढ़ी

कोलकाता, समाज्ञा : महानगर सहित राज्य भर में रविवार से ब्रेड की कीमत बढ़ जाएगी। अंततः पांच रुपए की कीमत में बढ़ोतरी आएगी। 5 जनवरी से ब्रेड के दाम बढ़ रहे हैं। ब्रेड की कीमत में 5 रुपए की बढ़ोतरी होने वाली है। फिलहाल 400 ग्राम ब्रेड की कीमत 32 रुपए है। 5 जनवरी से 400 ग्राम पूर्ति की कीमत 36 रुपए बढ़ जाएगी। 200 ग्राम ब्रेड की कीमत 18 रुपए बढ़ जाएगी। 100 ग्राम ब्रेड की कीमत 9 रुपए 50 पैसे बढ़ जाएगी। आखिरी बार ब्रेड की कीमत कुछ साल पहले बढ़ी थी। दो साल बाद ब्रेड की कीमत फिर बढ़ने वाली है। यह बात द ज्वाइंट एक्शन कमेटी के अध्यक्ष इमरान अली ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। उन्होंने कहा कि बेकरी इंडस्ट्री को बचाने के लिए ही ब्रेड के दाम बढ़ाए जा रहे हैं। ब्रेड बनाने के लिए आवश्यक कच्चे माल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि के कारण पश्चिम बंगाल में बेकरी उद्योग लगभग उपेक्षित स्थिति में है। अंडे से लेकर आटा, चीनी, रेपसीड, खाद्य तेल और ईंधन तक कई वस्तुओं की कीमतें बढ़ गई हैं। इसलिए इस बेकरी इंडस्ट्री को बचाने के लिए 5 जनवरी से ब्रेड के दाम बढ़ाए जा रहे हैं।

सड़कों से गायब हो जाएंगी 1500 बसें, राज्य ने हाईकोर्ट से मांगा और समय

कोलकाता, समाज्ञा : महानगर और आसपास डेढ़ दशक पुरानी बसें नहीं चलेंगी। यह फैसला काफी पहले ही कलकत्ता हाईकोर्ट ने सुनाया था। इसके मद्देनजर राज्य सरकार की ओर से दावा किया गया है कि अगर ऐसा हुआ तो एक साथ 1500 बसें सड़कों से गायब हो जाएगी और आम लोग बेहाल हो जाएंगे। इसीलिए अब ममता सरकार ने 15 साल पुरानी बसों को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट से और समय की मांग की है। बस मालिकों की मांग है कि उम्र नहीं बल्कि सेहत के आधार पर कैंसिलेशन का फैसला किया जाए, नहीं तो 1500 बसें एक साथ सड़क से हट जाएंगी। वहीं, दूसरी ओर, हाईकोर्ट में अपील की गई है कि बसों की आयु सीमा 15 से बढ़ाकर 20 वर्ष किया जाए। इस पर आगामी सप्ताह मंगलवार को

सुनवाई हो सकती है। सिटी सबअर्बन बस सिंडिकेट के अध्यक्ष टीटो साहा, जो छह बस मालिकों के संगठनों में से एक वादी हैं, ने तर्क दिया कि एक बस अमान्य है क्योंकि यह 15 वर्ष से अधिक पुरानी है, यह कौन सा कानून कहता है? फिर, एक बस 15 साल से अधिक पुरानी नहीं है, इसका मतलब है कि वह फिट है, इसका क्या तर्क है? उन्होंने कोर्ट से कहा कि उम्र नहीं बल्कि स्वास्थ्य को देखते हुए बस रद की जानी चाहिए। अन्यथा इस साल एक अप्रैल से महानगर की सड़कों से 1500 बसें कम हो जाएंगी। बुधवार को कोर्ट में पर्यावरण विभाग का कोई प्रतिनिधि नहीं था। नतीजा यह हुआ कि बस मालिकों के तर्क को मानने या खारिज करने की स्थिति ही नहीं बनी। ऐसे में राज्य ने हाईकोर्ट से सात दिन का समय मांगा है। आवेदन स्वीकार कर लिया गया और सुनवाई की तारीख नौ जनवरी तय की गई है।

ममता बंगाल को बांग्लादेश जैसा बनाना चाहती हैं : गिरिराज सिंह

✒ बीएसएफ पर मुख्यमंत्री के आरोपों को लेकर केंद्रीय मंत्री ने की कड़ी आलोचना

कोलकाता, समाज्ञा : केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टिप्पणी की शुक्रवार को फिर कड़ी आलोचना की और उन पर बंगाल को बांग्लादेश जैसा क्षेत्र बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। कोलकाता दौरे के दूसरे दिन यहां राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइएनएफइटी) के 87वें स्थापना दिवस समारोह से इतर पत्रकारों से बातचीत में गिरिराज सिंह ने कहा कि ममता बनर्जी बंगाल को बांग्लादेश जैसा बनाना चाहती हैं, इसलिए वह सीमा पर देश की सुरक्षा करने वाली बीएसएफ पर बेबुनियाद आरोप लगा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेशी मुसलमानों और रोहिंग्याओं को बंगाल में बसाया जा रहा है और उनकी संख्या अब स्थानीय मुस्लिम आबादी से भी ज्यादा हो गई है। उन्होंने चुनौती दी कि अगर ममता में थोड़ी भी हिम्मत है तो उन्हें बंगाल में एनआरसी और सीएए लागू करना चाहिए।

फर्जी पासपोर्ट रैकेट : घुसपैठियों के लिए विदेश में नौकरी की भी व्यवस्था करता था आरोपित धीरेन घोष

कोलकाता, समाज्ञा : फर्जी पासपोर्ट रैकेट के सिलसिले में कोलकाता पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया आठवां आरोपित धीरेन घोष बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए पासपोर्ट समेत फर्जी पहचान दस्तावेज बनाने के अलावा अंतरराष्ट्रीय नौकरी रैकेट में भी शामिल था। पुलिस सूत्रों को मुताबिक, वह बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए यूरोपीय देशों में नौकरी की भी व्यवस्था करता था और इसके बदले उनसे मोटी रकम लेता था। घोष ने वर्ष 2007 से इटली में 10 साल तक रसोइए के रूप में काम किया था और उसने एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय नौकरी रैकेट के प्रमुख लोगो के साथ संबंध विकसित किए थे। कोलकाता पुलिस सूत्रों ने बताया कि जांच में पता चला है कि घोष के पास आय के दो स्रोत थे, जिनमें से पहला अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए पासपोर्ट समेत फर्जी भारतीय पहचान दस्तावेज तैयार करना था। उसकी आय का दूसरा स्रोत घुसपैठियों से मोटी रकम लेकर विदेश में उनकी नौकरी की व्यवस्था करना था। घोष ने पड़ोसी बांग्लादेश में भी अपना नेटवर्क विकसित किया था।

कुणाल घोष के बयान को लेकर तृणमूल कांग्रेस में उभरा मतभेद

✒ अभिषेक बनर्जी ने कुणाल का निजी विचार बताया तो कल्याण बनर्जी व ब्रात्य बसु ने किया समर्थन

कोलकाता, समाज्ञा : आरजीकर कांड को लेकर राज्य सरकार का विरोध करने वाले कलाकारों का बहिष्कार करने के तृणमूल कांग्रेस नेता कुणाल घोष के बयान को लेकर पार्टी में मतभेद है। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद अभिषेक बनर्जी ने जहां इसे कुणाल का निजी विचार बताया है, वहीं वरिष्ठ पार्टी नेता कल्याण बनर्जी व ब्रात्य बसु ने परोक्ष तौर पर कुणाल के बयान का समर्थन किया है। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि यह पार्टी का स्टैंड नहीं है। दूसरी तरफ, कल्याण बनर्जी ने कहा कि आरजीकर कांड के समय बहुतों को कुछ कहते नहीं देखा गया। सिर्फ कुणाल घोष और मैं कहता था। हमारे लोगों को पकड़-पकड़कर निलंबित किया गया था। कुणाल उनके समर्थन में खड़े हुए थे और मैंने उनके लिए मुकदमा लड़ा था। उस समय कोई सामने नहीं आता था।

वहीं, ब्रात्य बसु ने कहा कि पार्टी में अभिषेक का स्थान मुझसे ऊंचा है, इसलिए अभिषेक सही हैं या कुणाल, मैं यह नहीं कहूंगा, लेकिन पार्टी के सदस्य के तौर पर मैं कहूंगा कि पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी का मत ही मेरा मत है। उल्लेखनीय है कि कुणाल ने प्रश्न किया था कि आरजीकर कांड को लेकर बंगाल सरकार का सड़कों पर उतरकर विरोध करने वाले कलाकारों को तृणमूल नेताओं की ओर से आयोजित किया जा रहे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में क्यों आमंत्रित किया जा रहा है। उनका बहिष्कार किया जाना चाहिए।

बांग्लादेश से कल लौटेंगे काकद्वीप के 95 मछुआरे

कोलकाता, समाज्ञा : नए साल की शुरुआत के साथ ही पश्चिम बंगाल के मछुआरों के लिए अच्छी खबर आई है। बांग्लादेश में तीन महीने से अधिक समय से हिरासत में रखे गए काकद्वीप के 95 भारतीय मछुआरों को पांच जनवरी को रिहा किया जाएगा। इसी के साथ भारत में पकड़े गए 90 बांग्लादेशी मछुआरों को भी उनके देश वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के सलाहकार एम तौहीद हुसैन ने ढाका में एक कार्यक्रम के दौरान इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच बंदी विनिमय प्रक्रिया के तहत पांच जनवरी को बंगाल की खाड़ी में अंतरराष्ट्रीय जलसीमा पर मछुआरों का आदान-प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सितंबर और अक्टूबर में भारत के छह ट्रॉलर गलती से बांग्लादेश की जलसीमा में घुस गए थे, जिसके बाद 95 भारतीय मछुआरों को पकड़ा गया था। उन्हें पटुयाखाली और बागेरहाट की जेलों में रखा गया था। दूसरी ओर, नौ दिसंबर को बांग्लादेश के दो फिशिंग ट्रॉलर 'एमवी मेघना' और 'एमवी लैला' भारतीय जलसीमा में घुस गए थे, जिनमें 78 मछुआरे सवार थे। इसके अलावा, बंगाल की खाड़ी में आए तूफान के कारण डूबे एक बांग्लादेशी ट्रॉलर से 12 और मछुआरों को बचाकर भारत में हिरासत में ले लिया गया था। तीन महीने की कैद के बाद घर वापसी का रास्ता साफ-बांग्लादेशी जलसीमा में ग़ैरक़ानूनी रूप से मछली पकड़ने के आरोप में पकड़े गए 64 भारतीय मछुआरों को पहले ही रिहा कर दिया गया था और अब बाकी 95 मछुआरों को भी छोड़ने का निर्णय लिया गया है।

Regn. S/58957

लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद

लक्ष्मणगढ़ सेवा सदन : P-24, राजा राजकृष्ण स्ट्रीट, गोवाबगान, कोलकाता - 700006

वार्षिक उत्सव

आज 4 जनवरी 2025

सायं 4.30 बजे से

स्थान : धन-धान्य ऑडिटोरियम, हॉल नं 2, (अलीपुर)
1, ठाकरे रोड, अलीपुर पुलिस लाईन, कोलकाता - 700027

विशेष आकर्षण :

राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रम

लक्ष्मणगढ़ की धरा से होनहार कलाकार
श्री प्रेम शर्मा
एवं
कोलकाता से अपराजिता (2019) विजेता
श्रीमती मारुति मोहता
द्वारा राजस्थानी प्रस्तुति

लक्ष्मणगढ़ गौरव सम्मान

डॉ. महेश कुमार जी गोयनका
Director & Head, Inst. of Gastroenterology & Liver Transplant, Apollo Multi-speciality

श्री मुरारी लाल जी लोहिया
Founder - Jupiter Wagons Limited

मेधावी विद्यार्थी सम्मान

कार्यक्रम पश्चात लक्की ड्रा

समारोह अध्यक्ष : श्री शिव प्रकाश मित्तल (Chairman, Greenpanel Industries)
उद्घाटनकर्ता : श्री ओम जालान (Chairman, Bengal Energy)
दीप प्रज्वलनकर्ता : श्री दीपक जालान (MD, Linc Ltd.)
मंच संचालक : रवि वर्मा

स्वरुचि भोज

विशेष सहयोगी :
श्री राजेश मित्तल (ग्रीन प्लाई), श्री अजीत सुशील झुनझुनवाला (लावो पाला), श्री मुरारीलाल लोहिया (जूपिटर वैगन)
श्री शिवप्रकाश मित्तल (ग्रीन पेनल), श्री बालकिशन उमाशंकर क्याल (विनायक ग्रुप), श्री दीपक जालान (लिंक पेन)
श्री राघवेन्द्र मोदी (मोदी फांउडेशन), श्री अनुराग जालान (एक्सेला रिसर्च), श्री संतोष जाजोदिया, श्री रमेश गनेड़ीवाल (श्योर सेफ)
श्री जुगल जाजोदिया (अंजन एक्सपोर्ट), श्री नरेश जालान (विन पेन), श्री भगवत प्रसाद काबरा (रुक्मणी इलेक्ट्रल)
श्री आशीष अभिषेक राठी (रॉक), श्री लखीप्रसाद पंसारी (पंसारी), श्री राजकुमार महेश सोनी (राधा-कृष्ण ज्वेलर्स)
श्री बजरंग लाल चूड़ीवाला (क्रियेटिव), श्री भरत लाखोटिया (लाखोटिया इंफ्रा), श्री सज्जन कुमार संदीप तोदी (गोल्डन पिकॉक)
श्री सत्यनारायण बजरंग लाल काबरा, श्री सुरेन्द्र शर्मा (सालासर रोडवेज), श्री अंकुर अशोक चूड़ीवाला (निहारिका पेण्ट्स)
श्री अंकित काबरा, श्री अभिषेक सांवलदावाला, श्री केतन चूड़ीवाला, श्री रुपेश सोमानी, श्री गौरव लाठ
श्री अनिरुद्ध कानोड़िया, श्री राहुल अग्रवाल, श्रीमती प्रतीक्षा काबरा

सभी लक्ष्मणगढ़ प्रवासियों से निवेदन है कि यदि किसी कारणवश आपको प्रवेश कार्ड नहीं प्राप्त हुए है, तो कृपया धन्य धान्य ऑडिटोरियम में पहुंचकर सम्पर्क करें - आनन्द राठी 9331012950 अंकित काबरा 9007722679 बिजय जालान 9830742437 । आपके प्रवेश कार्ड द्वार पर दे दिए जाएंगे।

लक्ष्मणगढ़ एवं कोलकाता में परिषद के प्रमुख सेवा कार्य :

अध्यक्ष राजेश मित्तल | सचिव संदीप तोदी | कोषाध्यक्ष आनन्द राठी

परिषद द्वारा कोलकाता में "लक्ष्मणगढ़ सेवा सदन" से फिजीयोथैरेपी, Eye चिकित्सा, होम्योपैथी एवं दन्त चिकित्सा की सुविधा न्यूनतम शुल्क पर जन सेवा हेतु प्रदान की जा रही है।

सौजन्य : Greenply Industries Limited

स्कूल में नौकरी से वंचित अभ्यर्थियों ने विकास भवन के बाहर किया प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों का आरोप... '2016 में भर्ती परीक्षा पास के बावजूद नहीं मिली नौकरी'

कोलकाता, समाज्ञा : स्कूल में नौकरी के इच्छुक सैकड़ों अभ्यर्थियों ने शुक्रवार को साल्टलेक इलाके में स्थित राज्य शिक्षा विभाग के मुख्यालय 'विकास भवन' के बाहर प्रदर्शन किया और शीघ्र नियुक्ति की मांग की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि 2016 में भर्ती परीक्षा पास करने के बावजूद कानूनी विवाद के कारण उन्हें नौकरी नहीं मिली है। बता दें कि उस वर्ष 25,000 से अधिक रिक्त पदों के लिए 23 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने राज्य स्तरीय चयन परीक्षा (एसएलएसटी) दी थी। हालांकि, 25,753 नियुक्ति पत्र जारी किए गए थे, लेकिन पिछले साल अप्रैल में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इन नियुक्तियों को अमान्य कर

दिया था। बाद में, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी और कहा कि वह मामले की सुनवाई करेगा। प्रदर्शनकारियों में से एक ने संवाददाताओं से कहा कि एसएलएसटी 2016 परीक्षा में 25,753 उम्मीदवारों में से अधिकतर उत्तीर्ण हुए थे। हालांकि, कानूनी विवाद के कारण उन्हें नौकरी नहीं मिली। हम कब तक इंतजार करेंगे? हम चाहते हैं कि अनिश्चितता समाप्त हो और हम काम पर लगें। एक अन्य अभ्यर्थी मीनाक्षी धारा ने कहा कि 25,000 से अधिक अभ्यर्थियों में से कुछ ही लोगों पर परीक्षा में अनुचित साधन अपनाने का आरोप लगाया गया था, लेकिन खामियाजा सभी को भुगतना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों में से एक ने सार्वजनिक रूप से अपना सिर भी मुंडवा लिया। साल्टलेक में करुणामयी क्रासिंग से विकास भवन की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने भवन के सामने ही रोक दिया। उनके छह प्रतिनिधियों को स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने के लिए अंदर जाने की अनुमति दी गई। स्कूल शिक्षा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मामला इस महीने फिर से उच्चतम न्यायालय के समक्ष आएगा। अधिकारी ने कहा कि हम कोई कार्रवाई नहीं कर सकते क्योंकि मामला न्यायालय में विचाराधीन है। हम न्यायपालिका की सलाह और निर्देश का पालन करेंगे। अभ्यर्थियों के एक अन्य समूह ने कोलकाता के मध्य में एस्प्लेनेड (धर्मतल्ला) में विरोध प्रदर्शन किया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ।

कॉलेज सेवा आयोग का ऑनलाइन पोर्टल

उत्तर पुस्तिकाओं की जांच को दे सकते हैं चुनौती

कोलकाता, समाज्ञा : कॉलेज सर्विस कमीशन ने सेट की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। पहली बार ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया गया है। कॉलेज सेवा आयोग द्वारा राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) उत्तर पुस्तिका जारी की गई। उत्तर पुस्तिकाओं को चुनौती देने के लिए आयोग की ओर से पहली बार पोर्टल खोला गया है। जिसे ऑनलाइन चैलेंज मैनेजमेंट पोर्टल नाम दिया गया है। अगर अभ्यर्थियों को 2 से 6 तक के प्रश्नों के उत्तर को लेकर कोई शिकायत है तो वे इस पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। कॉलेज सेवा आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि पहली बार हम पारदर्शिता और परीक्षा परिणाम शीघ्र जारी करने के

लिए इस तरह के पोर्टल का उपयोग कर रहे हैं। इसमें छात्र विभिन्न विषयों के उत्तरों को लेकर अपनी शिकायतें आसानी से अपलोड कर सकते हैं। फिर विषय विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा के बाद निर्णय लिया जाएगा। संयोग से, पहले उम्मीदवारों को ऐसे उत्तरों को चुनौती देने के लिए कॉलेज सेवा आयोग कार्यालय में आवेदन करना पड़ता था या ईमेल के माध्यम से सारी जानकारी भेजनी पड़ती थी। इसे एकत्रित करना और फिर विषय विशेषज्ञों से इसका सत्यापन कराना बहुत समय लेने वाला काम था। नतीजे आने में काफी वक्त लग गया। कॉलेज सेवा आयोग के अधिकारियों का मानना है कि इस नई प्रणाली के माध्यम से यह बहुत तेज़ हो जाएगा। शिकायत मिलने के बाद आयोग को सबकुछ सत्यापित करने में करीब दस दिन लगेंगे। और जनवरी के तीसरे सप्ताह में वे अंतिम उत्तर पुस्तिका अपलोड करेंगे। सेट के नतीजे फरवरी के दूसरे सप्ताह में घोषित किए जाएंगे। आयोग ने पहले ही इसकी जानकारी दे दी थी। आयोग सूत्रों के मुताबिक, अगर इस प्रक्रिया से आवेदन जल्दी पूरा हो जाएगा तो रिजल्ट उससे पहले भी आ सकता है।

तीन नई ट्रेनों की शुरूआत और एक नया रोड ओवरब्रिज राष्ट्र को समर्पित

- नाइलिट डीम्ड यूनिवर्सिटी का शुभारंभ
- नाइलिट और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच एमओयू

मालीगांव : प्रधानमंत्री के रेल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के विजन के तहत गुवाहाटी से तीन नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने के साथ ही पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा तेतेलिया स्टेशन पर निर्मित एक नया रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) राष्ट्र को समर्पित किया गया। इस अवसर पर असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, विदेश मामले और कपड़ा राज्य मंत्री पवित्रा मार्गेरिटा की उपस्थिति के अलावा अन्य दूसरे स्थानों पर सांसद/ विधायकगण

उपस्थित रहे। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (निर्माण) के महाप्रबंधक अरुण कुमार चौधरी के साथ मुख्यालय और मंडलों के वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय सांसद/ विधायकगण और अन्य विशिष्ट व्यक्ति भी उक्त कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहे। शुरू की गई नई ट्रेनों में ट्रेन संख्या 55818/55817 (गुवाहाटी–न्यू बंगाईगांव–गुवाहाटी) दैनिक पैसेंजर, ट्रेन संख्या 15911/15912 (तिनसुकिया–नाहरलगुन–तिनसुकिया) त्रि–साप्ताहिक एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 12047/12048 (गुवाहाटी–उत्तर लखिमपुर–गुवाहाटी) द्वि–साप्ताहिक जन शताब्दी एक्सप्रेस शामिल हैं। रेल मंत्री ने कहा कि ये सेवाएं क्षेत्रीय संपर्क और यात्रियों के यात्रा विकल्पों में सुधार करेंगी।

इस कार्यक्रम में नाइलिट डीम्ड यूनिवर्सिटी का उद्घाटन और नाइलिट तथा टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर भी हुए। नाइलिट, जो इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन है, डिजिटल तकनीकों में उन्नत कोर्स प्रदान करेगा। यह उद्योग–केंद्रित पाठ्यक्रमों के माध्यम से भविष्य के कार्यबल को तैयार करेगा। इसके अलावा, कोकराझार में आकाशवाणी के नए एफएम ट्रांसमीटर का उद्घाटन किया गया, जिससे धुबड़ी, बंगाईगांव और चिरांग जिलों के 30 लाख निवासियों को उच्च गुणवत्ता वाले एफएम प्रसारण का लाभ मिलेगा। रेल मंत्री ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलवे विकास के लिए बजट आवंटन में पांच गुना वृद्धि का जिक्र करते हुए क्षेत्रीय विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

राज्य में जल्द शुरू होगा 'शिक्षा साथी' परियोजना, लाखों छात्रों को मिलेगा लाभ

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल सरकार ने पहले भी छात्रों के लाभ के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं। सबुज साथी साइकिल से लेकर टैब, स्कूल यूनिफॉर्म, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड आदि कई योजनाएं पश्चिम बंगाल के छात्रों के लिए उपलब्ध हैं। अब उस लिस्ट में एक नया नाम जुड़ने जा रहा है, जो है 'शिक्षासाथी' प्रोजेक्ट। इस प्रोजेक्ट के जरिए पश्चिम बंगाल सरकार छात्रों को कम कीमत पर नोटबुक बेचेगी, ऐसा सूत्रों से पता चला है। मालूम हो कि इस योजना से गरीब छात्रों को काफी फायदा मिलेगा। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग विभाग ने इस परियोजना के लिए पहले ही कई पहल शुरू कर

दी हैं। अगर यह प्रोजेक्ट लॉन्च होता है तो बंगाल के कई छात्रों को फायदा होगा। मालूम हो कि राज्य सरकार के अधीन शिलबर्टा प्रिंटिंग प्रेस लिमिटेड इस किताब को छापेगी, यह तय हो चुका है। इसमें संगठन का आधुनिकीकरण किया गया है। इस प्रोजेक्ट के लॉन्च होने के बाद छात्रों की किताबें छापने का काम इसी संस्था के तहत किया जाएगा। परिणामस्वरूप, उन्हें बाजार से ऊंचे दामों पर खाते नहीं खरीदने पड़ते। इसके अलावा, संबंधित संस्थाओं को भी फायदा होगा। सूत्रों के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट के जरिए तय किया गया है कि छात्रों को तीन तरह के अकाउंट दिए जाएंगे। 100 पन्नों की एक किताब की कीमत 37 रुपए होगी। बाकी दो किताबें 160 पन्नों की हैं, जिनकी कीमत 70 रुपए है। सरकार की पहल के तहत छात्रों को यह अकाउंट बाजार से काफी कम कीमत पर मिलेगा। साथ ही, राज्य सरकार ने इस खाते को गुणवत्ता के मामले में कई बाजारों में चलने वाली अच्छी कंपनियों के खाते की तरह ही तैयार करने का निर्णय लिया है। यह भी पता चला है कि शिक्षासाथी परियोजना के तहत उत्पादित होने वाली सभी किताबें फिलहाल मंजूषा स्टालों और उपभोक्ता सहकारी शोरूमों पर उपलब्ध होंगी। निर्णय लिया गया है कि यह पुस्तक विभिन्न सरकारी मेलों में भी बेची जाएगी। गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। यह बही–खाता भविष्य में राशन की दुकानों में भी मिल सकता है।

पूर्व रेलवे ने दिसंबर 2024 में रिकॉर्ड माल ढुलाई का नया कीर्तिमान किया स्थापित

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने माल परिवहन के क्षेत्र में नया इतिहास रचते हुए दिसंबर 2024 में 8.50 मिलियन टन माल ढुलाई का रिकॉर्ड दर्ज किया। यह पूर्व रेलवे के इतिहास में दिसंबर महीने की अब तक की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि है। इस सफलता का श्रेय माल परिवहन के नए अवसरों की खोज, स्थानीय परिवहनकर्ताओं से बेहतर तालमेल और नए माल टर्मिनलों के रणनीतिक उद्घाटन को दिया जाता है। चालू वित्त वर्ष (अप्रैल–दिसंबर 2024) में पूर्व रेलवे की संचयी माल ढुलाई 70.80 मिलियन टन रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि (59.76 मिलियन टन) की तुलना में 18.47% की वृद्धि को दर्शाती है। माल ढुलाई के साथ–साथ माल राजस्व में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई। दिसंबर 2024 में, पूर्व रेलवे ने 812.06 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष दिसंबर (694.24 करोड़ रुपये) से अधिक है। अप्रैल–दिसंबर 2024 के दौरान माल राजस्व 27.90% की वृद्धि के साथ 6727.46 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 5259.91 करोड़ रुपये था। इस उपलब्धि के पीछे व्यवसाय विकास इकाइयों का अहम योगदान है। दुमका से पत्थर के टुकड़ों के माल परिवहन की शुरुआत, बीडीयू के सक्रिय प्रयासों का नतीजा है। पूर्व रेलवे बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण, नेटवर्क विस्तार और स्थानीय साझेदारियों के माध्यम से अपनी माल परिवहन सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

माध्यमिक परीक्षा में शिक्षकों की जिम्मेदारी हुई तय, बोर्ड ने जारी किए 11 सूत्रीय दिशानिर्देश

कोलकाता, समाज्ञा : माध्यमिक परिषद् ने प्री–सेकेंडरी परीक्षाओं को लेकर स्कूलों के शिक्षकों को 11 सूत्री दिशानिर्देश भेजे हैं। बोर्ड द्वारा नियमों का एक सेट निर्धारित किया गया है। नियमों के अनुसार, परीक्षा कक्ष में प्रवेश करते समय छात्रों की जांच की जानी चाहिए। परीक्षा हॉल की निगरानी की जानी चाहिए। यदि आवश्यक हो तो विभिन्न परीक्षण केंद्रों पर जाएं। जांचें कि उत्तर पुस्तिका ठीक से पैक की गई है या नहीं। परीक्षा की तैयारी के लिए आयोजित होने वाली बैठकों में भाग लें। यदि परीक्षा निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है तो उसका पालन करना होगा। परीक्षा के दिनों में कोई अन्य कार्य नहीं लिया जाएगा। मुख्य परीक्षक या परीक्षक के रूप में भी कर्तव्य निभाना चाहिए। 11 सूत्री

निर्देशों का उल्लंघन करने पर बोर्ड द्वारा दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, शिक्षकों को कुछ अन्य नियमों का भी पालन करना होगा। इस संदर्भ में मध्य शिक्षा परिषद के अध्यक्ष रामानुज गंगोपाध्याय ने कहा कि कई मामलों में, शिक्षकों के बीच इस बात को लेकर कई सवाल होते हैं कि परीक्षा की जिम्मेदारी का क्या मतलब है। इसलिए, किसी भी भ्रम से बचने के लिए, ये 11–सूत्रीय दिशानिर्देश दिए गए हैं।

कांचरापाड़ा वर्कशॉप ने शुरू किया 'प्लांट फॉर मदर' अभियान, जलवायु परिवर्तन से निपटने की पहल

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के कांचरापाड़ा वर्कशॉप ने पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए 'प्लांट फॉर मदर' अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान का उद्देश्य वर्कशॉप परिसर के 46012.00 वर्गमीटर खाली भूमि क्षेत्र में 4 हजार पेड़ लगाना है। अभियान की शुरुआत आनंद वन, 450 वर्गमीटर के हरित क्षेत्र, में पौधारोपण कार्यक्रम के साथ हुई। इस कार्यक्रम का नेतृत्व मुख्य कार्य प्रबंधक सुभाष चंद्र और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक गोपा मजूमदार ने किया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर 350 पौधे लगाए, जिनमें गोल्डन शॉवर, पिंक शॉवर और हेज प्लांट्स शामिल हैं। यह अभियान वर्कशॉप परिसर के अन्य क्षेत्रों जैसे सुरभि उद्यान, कुसुम कुंज, शांति वन आदि में हरियाली बढ़ाने के व्यापक प्रयास का पहला चरण है। 'प्लांट फॉर मदर' अभियान वैश्विक तापमान में वृद्धि को रोकने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक टिकाऊ और हरित वातावरण बनाने की दिशा में वर्कशॉप की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह प्रयास भारतीय रेलवे की पर्यावरण संरक्षण में नेतृत्व भूमिका निभाने के संकल्प का प्रतीक है।

जहां शंका वहीं लंका, जहां विश्वास वहीं वृंदावन : सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज

- श्रीहरि सत्संग समिति की त्रिदिवसीय कथा में गिरीशानंद और ऋतम्भरा की गरिमामयी उपस्थिति

कोलकाता, समाज्ञा : जहां शंका है वहीं लंका है और जहां विश्वास है वहीं वृंदावन है और हमें इस विश्वास के वृंदावन में निवास करना चाहिए। जब तक जीवन में शंका है संदेह है तब तक हमें शान्ति नहीं मिल सकती और शान्ति जबरदस्ती प्राप्त भी नहीं की जा सकती। शान्ति को पाने के लिए प्रभु की आवश्यकता है लेकिन हम इसे पैसा (मनी) और प्रभुत्व (पावर) के माध्यम से पाने में लगे हैं। ये उद्गार देश के करोड़ो वनवासी एवंग्रामीण बंधुओं को विकास की मुख्य धारा में शामिल करने और सनातन संस्कृति की चेतना को जागृत करने हेतु देश की अग्रणी संस्था श्रीहरि सत्संग समिति, कोलकाता की ओर से आयोजित तीन दिवसीय श्री कृष्ण लीला कथा के दूसरे दिन कथा प्रवंचन करते हुए परम पूज्य सद्गुरु श्रद्धेय ऋतेश्वर महाराज महाराज (वृंदावन धाम) ने तोपसिया स्थित ओजस बैंक्वेट हॉल में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि रामचरितमानस अर्थात भगवान राम की कथा हमें यह सीखा रही है कि शान्ति स्वरूपा साक्षात भगवती माता सीता जब प्रभु की ओर से दृष्टि हटाकर सोने की ओर (सोने के हिरण की चाहत) दृष्टि डालती है तो उसका हरण हो जाता है। हमने प्रभु को पैसा और पावर का साधन मान लिया है। मनुष्यों का दुर्भाग्य यही है कि जो आपके साध्य होने चाहिए उनको आपने साधन बना लिया। उन्होंने प्रश्न किया कि आप मंदिरों में क्यों जा रहें हो? साधु संतों के द्वार पर क्यो भटक रहें हो? कितने लोग है जो कि भक्ति के लिए जा रहें है? शान्ति के लिए भटक रहें है? कितने लोग ऐसे है जो कि

शान्ति कैसे प्राप्त होगी इसके प्रयास में सत्यता से लगे है। ऐसे लोग लाखों में दो भी नहीं मिलेंगे। जो मंदिर में घुस गया, गंगा के तट पर पहुंच गया वहीं श्रद्धालु हो गया, चाहे उसका कृत्य कैसा भी हो? महाराजश्री ने स्पष्ट कहा कि ऐसे ही श्रद्धालुओं के कारण हमारी युवा पीढ़ी श्रद्धालु होने से बच रहीं है। अगर माता–पिता और परिजनों के आचरण ठीक हैं और वो देखें कि ये इमानदारी से भगवान की भक्ति में लगें है, राष्ट्र की सेवा में लगे है, सनातन की सेवा में लगें है तो फिर उनके लिए आपको ज्यादा परिश्रम करने की जरूरत नहीं होगी वो भक्त बन जायेंगे।

आज कथा प्रारम्भ से पूर्व आयोजन स्थल पर अत्यंत दुर्लभ नजारा दिखा और कथा व्यास के साथ ही परम पूज्य स्वामी गिरीशानंद महाराज और वात्सल्य मूर्ति पूज्या दीदी मां की गरिमामयी उपस्थिति से श्रद्धालुओं ने संत त्रिवेणी की उपस्थिति का अनुभव किया। स्वामी गिरीशानंद और पूज्या दीदी मां साध्वी ऋतम्भरा ने अपने आशीर्वचनों में श्री हरि सत्संग समिति और वनबंधु परिषद द्वारा संचालित वनवासियों के समग्र उत्थान की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए जन –जन से सेवा के इस महायज्ञ से जुड़ने का आवाहन किया।

आज के यजमान समिति के संरक्षक सजन कुमार बंसल सहित सरोज कुमार अग्रवाल, पवन कुमार अग्रवाल, बिमल कुमार केजरीवाल, किशन कुमार केजरीवाल, पुरुषोत्तम परसरामपुरीया, कैलाश बी. गोयल, संदीप शाह, प्रेम रावलवासिया ने कथा पीठ का पूजन किया, जबकि विट्ठल दास मूंधडा, विश्वनाथ सेकसरिया, सत्यनारायण देवरालिया, बुलाकी दास मिमानी, सुभाष मुरारका, महेश भुवालका, नितिन सिंघी, नंदकिशोर माहेश्वरी, अनुराग गुप्ता, प्रमोद ढांढानिया, लक्ष्मण अग्रवाल ने भी महाराजश्री से आशीर्वाद लिया। पूरे कार्यक्रम का कुशल संचालन बुलाकी दास मिमानी और सुभाष मुरारका ने संयुक्त रूप से किया। आज, 4 जनवरी को कथा का समय दोपहर 2 बजे से शाम 4.30 बजे तक रहेगा।

गरीब बच्चों के सपने होंगे साकार, हिंदी माध्यम विद्यालय में मिलेगी अंग्रेजी और संस्कृत शिक्षा

हुगली, समाज्ञा : श्रीरामपुर नगरपालिका के वार्ड 27 के चकला पाड़ा स्थित सरकारी मान्यता प्राप्त विद्यालय महेश विद्या निकेतन प्राथमिक विद्यालय को मॉडल स्कूल के तौर पर सजाया गया है। प्राइवेट स्कूल की तरह इस स्कूल को भी अत्याधुनिक मॉडल स्कूल की तरह सुसज्जित किया गया है। यहां बच्चे प्राइवेट स्कूल के तरह ही निशुल्क शिक्षा हासिल कर सकेंगे। इसके साथ बच्चों को नित्य योग, खेल–कूद, चित्रांकन, हस्तकला, आत्मनिर्भरता के गुण सिखाया जाता है। वर्ष 1975 में स्थापित इस स्कूल को नव रूप दिया गया है। वर्तमान में, 150 छात्र–छात्राएं यहां शिक्षा ग्रहण करते हैं। विद्यालय के 50 वर्ष पूर्ण होने पर स्वर्ण जयंती मनायी गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज कुमार साव के नेतृत्व में आयोजित समारोह में जिला जज शांतनु झा, चांपदानी विधानसभा से विधायक अरिंदम गुईन, हुगली जिला प्राथमिक शिक्षा परिषद की चेयरपर्सन शिल्पा नंदी, एसआइ अतनु मन्ना, एआई सीमा मजूमदार, श्रीरामपुर नगरपालिका के चेयरमैन इन काउंसिल पिंटू नाग, गौर मोहन दे, तीयशा मुखर्जी, और श्रीरामपुर थाना प्रभारी सुखमय चक्रवर्ती आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे गणमान्य अतिथियों का स्वागत शिक्षक केबी राव, इशिता चटर्जी बंद्योपाध्याय, शालिनी सिंह ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पुष्पा दास, बुला साहा, दीपाली दत्त और सरस्वती दास का योगदान रहा।

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ने भारत में 25 नई शाखाओं का किया उद्घाटन

कोलकाता, समाज्ञा : भारत के अग्रणी म्यूचुअल फंड हाउसों में से एक एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ने भारत के विभिन्न क्षेत्रों में 25 नई शाखाओं का उद्घाटन किया है। यह पहल कंपनी द्वारा अपनी पहुंच बढ़ाने और देश में म्यूचुअल फंड में निवेश को और अधिक सुलभ बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है। ये नई शाखा एंयानी बिजनेस सेंटर भरतपुर, भुसावल, वराछा, बोपल, वाकड, चित्तौड़गढ़, जालना, आजमगढ़, पूर्णिया, सीतापुर, बस्ती, आरा, बदलापुर, काशीपुर, फिरोजपुर, बारासात, बरहामपुर (मुर्शिदाबाद), बोलपुर, कोल्लम, खम्मम, होसुर, हसन, नागरकोइल, विजयनगरम और तंजावुरमें खोले जाएंगे। नई शाखाएं एचडीएफसी एएमसी को देश में सबसे सुलभ धन सृजनकर्ताओं में से एक बनातीहैं और कंपनी के मिशन को रेखांकित करती हैं – हर भारतीय के लिए धन सृजनकर्ता बनना। इस विस्तार पर, एचडीएफसी एएमसी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ नवनीत मुनोत ने कहा, एचडीएफसी एएमसी में, हमारा मिशन प्रत्येकभारतीय के लिए धन सृजनकर्ता बनना है। देश भर में 25 नई शाखाओं का जुड़ना इस मिशनके प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अमेजन फ्रेश सुपर वैल्यू डेज: 1 से 7 जनवरी तक खरीदारी पर 50% तक की छूट

कोलकाता, समाज्ञा : नए साल का जश्न मनाने और सर्दियों की तैयारियों के लिए अमेजन फ्रेश लाया है सुपर वैल्यू डेज, जहां 1 जनवरी से 7 जनवरी तक स्नैक्स, पेय पदार्थ, पर्सनल केयर, बेबी केयर और पेंट्री आइटम्स पर 50% तक की छूट मिलेगी। डोव, आशीर्वाद, फॉर्च्यून, हिमालय और नेस्ले जैसे प्रमुख ब्रांड्स के उत्पादों के साथ, अपनी पसंदीदा समय–स्लॉट डिलीवरी का आनंद लें। प्राइम ग्राहकों को 45% तक की छूट, फ्लैट 400 रुपये कैशबैक और वीकेंड पर फलों और सब्जियों पर 50 रुपये अतिरिक्त कैशबैक के साथ मुफ्त डिलीवरी का लाभ मिलेगा। नए ग्राहकों को 45% तक की छूट, फ्लैट 400 कैशबैक और मीट, सीफूड व अंडों पर 60 अतिरिक्त कैशबैक का फायदा होगा। आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर 1 जनवरी से 4 जनवरी तक 10% की बचत भी कर सकते हैं। सर्दियों में आरामदायक गर्मी और बड़ी बचत के लिए इस खास ऑफर का लाभ उठाएं।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में मध्य प्रदेश ने बनाया गिनीज विश्व रिकॉर्ड

नवद्वीप : अध्यात्मिकता और संस्कृति को मनाने के एक अनूठे अवसर पर मध्य प्रदेश के संस्कृति विभाग के द्वारा भोपाल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव ने बुधवार को एक ही समय पर सबसे बड़े हिंदु ग्रन्थ पठन के लिए गिनीज विश्व कीर्तिमान स्थापित किया। इस पहल का आयोजन भगवद्गीता की अजरामर शिक्षा के प्रसार को तथा मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने हेतु किया गया। बड़े कार्यक्रमों और कीर्तिमान स्थापन करने की पहलों के मशहूर सलाहकार निश्चल बरोट की अगुवाई में इस गिनीज विश्व कीर्तिमान का आयोजन किया गया तथा उस पर क्रियान्वयन किया गया। उनके परिपूर्ण समन्वयन से यह महत्त्वाकांक्षी पहल आसानी से क्रियान्वित की जा सकी और मध्य प्रदेश को वैश्विक मान्यता मिली। इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अध्यक्ष थे। इस कार्यक्रम में एक भगवद्गीता के वचनों का एक ही समय पर अविश्वसनीय पैमाने पर 3,721 सहभागियों ने साथ मिल कर पठन किया। इस समारोह में सभी क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न लोग भारत की अध्यात्मिकता की परंपरा पर होनेवाली अपनी श्रद्धा के साथ सम्मीलित हुए। इस उपलब्धी पर बोलते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, इस ऐतिहासिक उपलब्धि हमारे लोगों की सांस्कृतिक और अध्यात्मिक गहराई दर्शाती है।

सियालदह–मालदह टाउन गौर एक्सप्रेस में एलएचबी रेक सेवा की शुरुआत के लिए दिखाई हरी झंडी

कोलकाता, समाज्ञा : मालदह के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए, भारतीय रेलवे ने 13153/13154 सियालदह–मालदह टाउन गौर एक्सप्रेस के लिए आधुनिक एलएचबी रेक सेवा की शुरुआत 28 दिसंबर 2024 से कर दी है। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए 2 जनवरी 2025 को मालदह टाउन स्टेशन पर एक ध्वज–रोहण समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में सांसद खगेन मुर्मू और विधायक गोपाल चंद्र साहा ने शिरकत की। इस अवसर पर मालदह मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता और अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे। मालदह के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता ने इस

अपग्रेडेशन की महत्वता को रेखांकित करते हुए बताया कि 13153/13154 सियालदह–मालदह टाउन–सियालदह गौर एक्सप्रेस की दोनों रेक पारंपरिक आईसीएफ कोच से अत्याधुनिक एलएचबी कोच में बदल दी गई हैं। अपग्रेडेड रेक ने 28 दिसंबर 2024 से सियालदह और मालदह टाउन दोनों स्टेशनों से संचालन शुरू कर दिया है। इस एलएचबी कोच में उन्नत सुरक्षा सुविधाएं है। जिससे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। इस समारोह के दौरान सांसद खगेन मुर्मू और विधायक गोपाल चंद्र साहा ने मीडिया को संबोधित करते हुए भारतीय रेलवे का आभार व्यक्त किया। उन्होंने मालदह के निवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने के लिए रेलवे की सराहना की और इसे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और यात्री अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। यह नवीनीकरण न केवल यात्रियों को एक आरामदायक और सुरक्षित यात्रा का अनुभव प्रदान करेगा, बल्कि क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास में भी योगदान देगा।

पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल ने बिना टिकट यात्रा पर कसी नकेल, ई–टिकटिंग को दिया बढ़ावा

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल ने साल के पहले दिन 1 जनवरी को विभिन्न स्टेशनों पर व्यापक टिकट चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान बिना टिकट यात्रा के 1,830 मामले पकड़े गए और जुर्माना लगाया गया। इस दौरान सियालदह पर 997, नैहाटी पर 227, बारासात पर 62, सोनारपुर पर 149, बेहरामपुर पर 70 और रानाघाट पर 325 मामले सामने आए। सियालदह मंडल यात्रियों को टिकट खरीदने के लिए कई सुविधाजनक विकल्प प्रदान करता है। पारंपरिक टिकट काउंटर प्रत्येक स्टेशन पर उपलब्ध हैं, जहां यात्री आसानी से अपनी यात्रा के लिए टिकट खरीद सकते हैं। इसके अलावा, आधुनिक और तेज विकल्प के रूप में यूटीएस

ऐप उपलब्ध है, जो एंड्रॉइड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर काम करता है। यह मोबाइल ऐप यात्रियों को डिजिटल रूप से अनारक्षित सेवाओं के लिए टिकट खरीदने की सुविधा प्रदान करता है। कई स्टेशनों पर टिकट वेंडिंग मशीन भी स्थापित की गई हैं, जो विशेष रूप से छोटी दूरी की यात्रा के लिए टिकट खरीदने का त्वरित और आसान तरीका प्रदान करती हैं। इसके अलावा, आईआरसीटीसी वेबसाइट के माध्यम से विशिष्ट मार्गों के लिए ई–टिकट भी खरीदे जा सकते हैं। सियालदह मंडल यात्रियों को यूटीएस मोबाइल ऐप का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जो उन्हें कागज रहित यात्रा का अनुभव प्रदान करता है। ऐप के माध्यम से टिकट खरीदने पर एक क्यूआर कोड उत्पन्न होता है, जो यात्रा टिकट के रूप में कार्य करता है। प्रवेश और निकास के दौरान इस क्यूआर कोड को स्कैन किया जाता है, जिससे बिना किसी भौतिक टिकट की आवश्यकता के यात्रा का सुगम और कुशल अनुभव सुनिश्चित होता है। यात्री गूगल प्ले स्टोर या ऐप्पल ऐप स्टोर से ऐप डाउनलोड कर सकते हैं।

तृणमूल नेता की हत्या के आरोपी अनीसुर रहमान को सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानत

पांशकुड़ा ब्लॉक तृणमूल के कार्यकारी अध्यक्ष कुर्बान शाह की 9 अक्टूबर 2019 को कर दी गई थी हत्या

नई दिल्ली/कोलकाता : पांसकुडा के विवादास्पद भाजपा नेता अनिसुर रहमान को तृणमूल नेता कोरबन शाह की हत्या के मामले में जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उन्हें जमानत दे दी। जेल से रिहाई के लिए समय का इंतजार किया जा रहा है। घटना की शुरुआत 9 अक्टूबर 2019 को हुई।पंचकुडा ब्लॉक तृणमूल के कार्यकारी अध्यक्ष और पंचायत समिति के उपाध्यक्ष कोरबन शाह की नवमी की रात पूर्व मेदिनीपुर के मैसोरा बाजार में पार्टी कार्यालय में बदमाशों द्वारा किए गए अचानक हमले में हत्या कर दी गई। लेकिन पार्टी कार्यालय या बाजार में

कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं होने के कारण पुलिस को जांच में तेजी लानी पड़ रही है और इस मौके पर आरोपी सुरक्षित भाग निकले। लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आरोपों का इशारा पांसकुड़ा के भाजपा नेता अनीसुर रहमान की ओर है। मृतक नेता के परिवार की शिकायत के आधार पर जिला पुलिस ने राज्य के बाहर कई जगहों पर तलाशी अभियान शुरू किया। पांसकुडा के मैसोरा ग्रामपंचायत क्षेत्र के निवासी मोहम्मद खालेक, मलय घोष, दीपक चक्रवर्ती, नबारुन मिश्रा, निशीथ पाल को गिरफ्तार किया गया। खड़गपुर के सुपारी किलर तस्लीम आरिफ उर्फ राजा को भी गिरफ्तार किया गया। एक के बाद एक शागिर्द और उसके साथियों की गिरफ्तारी की खबर मिलने के बाद अनीसुर्रहमान ने काफी देर तक अपना सिर छुपाए रखा। लेकिन वह बच नहीं पाया। अंततः उसे गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में, राज्य सरकार ने बाकी आरोपियों के साथ अनीसुर को कोरबन हत्याकांड से बरी करने का फैसला किया। कैबिनेट के निर्णय के अनुसार राज्य सरकार की यह अनुशंसा तमलुक कोर्ट में पेश की गई। राज्य की सिफारिश के बाद तमलुक के अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायालय के न्यायाधीश ने अनीसुर को रिहा कर दिया। मामले की जानकारी मिलने पर तमलुक महाकुमार के पुलिस अधिकारी आतिश विश्वास जेल अधीक्षक के पास पहुंचे। अनीसुर की रिहाई पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कोरबन शाह की पत्नी भी दो छोटे बेटों के साथ जिला अदालत में पेश हुईं। तनाव के कारण रिहा होने के कुछ घंटों के भीतर ही पुलिस ने अनीसुर को कोलाघाट से फिर से गिरफ्तार कर लिया। उस घटना को देखते हुए आखिरकार अनीसुर रहमान को जमानत पर रिहा कर दिया गया।

बांग्लादेश में सामान्य स्थिति बहाल होने तक इस्कॉन कोलकाता में प्रतिदिन होगी प्रार्थना : प्रवक्ता

कोलकाता, समाज्ञा : इस्कॉन कोलकाता के अनुयायी बांग्लादेश में सामान्य स्थिति बहाल होने तक दैनिक प्रार्थना जारी रखेंगे। इस्कॉन कोलकाता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बता दें कि कोलकाता स्थित अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और वहां की जेल में बंद हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास व अन्य संतों की रिहाई को लेकर एक माह से अधिक समय से अल्बर्ट रोड स्थित अपने केंद्र में रोजाना प्रार्थना कर रहा है। इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने कहा कि हम बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के लिए अपनी दैनिक प्रार्थना तब तक जारी रखेंगे जब तक वहां सामान्य स्थिति बहाल नहीं हो जाती। राधारमण दास ने कहा कि अनुयायी इस बात को लेकर बहुत चिंतित हैं कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों का भविष्य क्या होगा।

कल्याण बनर्जी की योगी आदित्यनाथ से मुलाकात पर भाजपा अध्यक्ष ने ली चुटकी

कोलकाता, समाज्ञा : प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने श्रीरामपुर से तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी की उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हाल में हुई मुलाकात की तस्वीर शुक्रवार को साझा करते हुए उनपर चुटकी ली। सुकांत ने एक्स पर लिखा कि सुनने में आया है कि जब से श्रीरामपुर के तृणमूल सांसद की उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और हिंदू हृदय की धड़कन योगी आदित्यनाथ के साथ यह तस्वीर सामने आई है, तब से वह माननीय (मुख्यमंत्री व तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी) के गुस्से का शिकार हैं। आज उनके (कल्याण बनर्जी के) भाषण में यह साफ हो गया कि वह अपनी टीम में कितने घिरे हुए हैं! मुझे पूरा विश्वास है कि आज मेरे बारे में कल्याण बनर्जी का प्रलाप उन पर बने भारी दबाव की अभिव्यक्ति है। सुकांत ने आगे कहा कि एक तरफ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के दबाव में उन्हें वक्फ

पर संसदीय बोर्ड की बैठक में मारपीट करनी पड़ रही है, मंच पर मंत्री फिरहाद हकीम के साथ सांप्रदायिक भाषण देना पड़ रहा है और दूसरी तरफ वे ऐसा नहीं कर सकते कि अपने धर्म के प्रति अपनी जिम्मेदारी को नजरअंदाज करें। सुकांत ने कटाक्ष करते हुए कहा कि यद्यपि कल्याण बनर्जी तुष्टीकरण परिवार (तृणमूल) में बंधे हुए है, लेकिन अंततः वह मां दुर्गा की संतान हैं। मैं ईमानदारी से उनके मानसिक कल्याण की कामना करता हूं।

तमलुक सहकारी चुनाव में बम विस्फोट की एनआईए जांच की मांग पर हाईकोर्ट पहुंची भाजपा

☛ कोर्ट ने मंगलवार तक रिपोर्ट जमा करने का दिया निर्देश

कोलकाता, समाज्ञा : तमलुक सहकारी चुनाव के दिन भाजपा नेता पर बम से हमला किया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं-समर्थकों ने पुलिस पर निष्क्रियता का आरोप लगाया। भाजपा ने एनआईए जांच का अनुरोध करते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। कलकत्ता हाई कोर्ट के जस्टिस जॉय सेनगुप्ता ने इस मामले में अगले मंगलवार तक रिपोर्ट तलब की है। पिछले आठ दिसंबर को तमलुक में सहकारी चुनाव हुए थे। तृणमूल ने एकल बहुमत के साथ 69 में से 56 सीटें जीतीं। बाकी 13 सीटों पर गेरुआ खेमे ने जीत हासिल की। उसी दिन, भाजपा नेता मामनी ने दावा किया कि नंदीग्राम 1 ब्लॉक के गोकुलनगर ग्राम पंचायत क्षेत्र में सहकारी मतदान के दौरान उन पर बमबारी की गई थी। भाजपा नेता घायल हो गए। उन्होंने आगे दावा किया कि सहकारी मतदान की रात बाइक सवार दो युवक बीजेपी नेता के घर के पास आए।

अगली सुबह घर के बगल वाली सड़क से ताज़ा ड्रम भर बम बरामद किए गए। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि उनके घर पर हमला करने के लिए बम इकट्ठे किए गए थे। गेरुआ शिबिर का दावा है कि पुलिस इस घटना की जांच में निष्क्रिय है। इसीलिए भाजपा करीब चार हफ्ते बाद कोर्ट का दरवाजा खटखटा रही है। इस घटना की एनआईए जांच की मांग की गई। जस्टिस जॉय सेनगुप्ता ने इस मामले में अगले मंगलवार तक रिपोर्ट तलब की है।

मुर्शिदाबाद में तृणमूल नेता के घर पर बम विस्फोट, शुभेंदु ने एनआईए जांच की मांग

कोलकाता/मुर्शिदाबाद : नेता प्रतिपक्ष व भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को मुर्शिदाबाद जिले के लालबाग में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के नेता के घर हुए बम विस्फोट को लेकर ममता सरकार को घेरते हुए घटना की एनआईए जांच की मांग की है। शुभेंदु ने देर शाम एक्स पर एक पोस्ट लिखा कि मुर्शिदाबाद के लालबाग में तृणमूल नेता के घर पर विस्फोट। वह विस्फोट कुछ घंटे पहले हुआ जब मुर्शिदाबाद नगरपालिका के वार्ड आठ के रामकृष्णपल्ली इलाके में फरीद शेख के घर पर देसी बम बनाए जा रहे थे। शुभेंदु ने कहा कि फरीद शेख मुर्शिदाबाद नगरपालिका के चेयरमैन और टाउन तृणमूल के अध्यक्ष इंद्रजीत धर का करीबी सहयोगी है। उन्होंने बीते एक जनवरी को तृणमूल के स्थापना दिवस पर झंडा फहराने का

वीडियो भी साझा किया और दावा किया कि इससे उन दोनों की निकटता स्पष्ट है। शुभेंदु ने कहा कि तृणमूल नेता या तो खुद उग्रवाद में शामिल हैं या ऐसे कट्टरपंथियों को पनाह दे रहे हैं जिनके पास विस्फोटक और आग्नेयास्त्र हैं। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती मुर्शिदाबाद जिला पहले से ही बांग्लादेशी आतंकवादियों और उनके आकाओं के लिए सुरक्षित पनाहगाह है। भाजपा नेता ने मांग की कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को मामले की जांच करनी चाहिए।

तृणमूल पार्षद हत्याकांड में पांच और आरोपी गिरफ्तार

❑ वारदात के बाद बिहार भागने वाले थे सुपारी किलर

❑ हमलावर 10 दिनों तक तृणमूल नेता के गतिविधियों पर रखे थे नजर

मालदह : जिले में तृणमूल कांग्रेस के पार्षद दुलाल सरकार की हत्या के मामले में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हमलावरों ने दुलाल की हत्या की योजना बनाने के लिए 10 दिनों तक उनकी गतिविधियों पर नजर रखी थी। उनका इरादा हत्या के बाद बिहार भागने का भी था। पुलिस ने इस मामले में अब तक छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गुरुवार को मोहम्मद सामी अख्तर, जो बिहार के कटिहार के निवासी हैं और टिंकू घोष, जो इंग्लिश बाजार के गाबगाछी क्षेत्र के निवासी हैं, को गिरफ्तार किया गया। शुक्रवार की सुबह पांच और लोगों की गिरफ्तारी हुई, जिनमें से एक अब्दुल गनी को बिहार से पकड़ा गया। इन गिरफ्तारियों से हत्या में बिहार कनेक्शन की पुष्टि होती है। पुलिस के अनुसार, हमलावर पिछले कुछ दिनों से दुलाल की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। पहले उन्होंने क्रिसमस के अवसर पर भीड़ में दुलाल की हत्या करने की योजना बनाई थी, लेकिन उन्हें अकेला न पाने के कारण यह योजना रद्द कर दी गई। अंततः उन्होंने गुरुवार को उनके घर से 150 मीटर दूर पिलिंगपुर फैक्ट्री के पास हमला किया। सीसीटीवी फुटेज में चार हमलावरों को दुलाल का पीछा करते और गोली चलाते देखा गया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि इन हमलावरों को किसने सुपारी दी थी और हत्या के पीछे क्या मकसद था। दुलाल के ड्राइवर से पूछताछ में भी कुछ नई जानकारियां मिली हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

पूर्व रेलवे

जीईएम बोली सं. जीईएम/2024/बी/5768427, दिनांक 31.12.2024; मुख्य कारखाना प्रबंधक, पूर्व रेलवे वर्कशॉप, कांचारापाड़ा, पिन-743145, 24 परगना (उत्तर), पश्चिम बंगाल द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का नामः** ऊपरोक्त जीईएम सं. के जरिए खुली निविदा प्रक्रिया के माध्यम से 01 (एक) महीने की अवधि के लिए पूर्व रेलवे वर्कशॉप, कांचारापाड़ा के लोको मैकेनिकल शॉपों में एसएमएच इंजीनियरिंग एंड लोकोमोटिव के. लि. निर्मित 08 पहिए वाले टावर कार सं. 3485/ डीएमआर के फायनल एक्सल ड्राइव गीयर बॉक्स की एक बार मरम्मत एवं ओवरहॉलिंग। **निविदा मूल्यः** रु. 20,35,500; **बयाना राशिः** रु. 40,710; **निविदा दस्तावेज की कीमतः** रु. 0.00; **बंद होने की तारीख एवं समयः** 10.01.2025 को अपराह्न 2.00 बजे। निविदा दस्तावेज एवं सम्पूर्ण विवरण वेबसाइटः www.gem.gov.in पर उपलब्ध है। **विज्ञापित जीईएम बोली सं.: जीईएम/2024/बी/5768427, दिनांक: 31.12.2024।** (MISC-297/2024-25)

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

आवश्यकता

अनुभवी Salesperson की आवश्यकता है, जिन्हें Ladies / Gents ड्रेस मटेरियल की जानकारी हो। Age Limit 45 Yrs. Contact- 9836991752

Name Change

I,ARJUN MAHTO @ ARJUN K MAHTO (OLD NAME), S/O LATE KALICHARAN MAHTO, RESIDING AT NEW MARKET SILLI, HAHELUPUNG, PS-SILLI, DIST-RANCHI, PIN-835102, JHARKHAND, HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL HENCEFORTH BE KNOWN AS ARJUN KALICHARAN MAHTO (NEW NAME) AS DECLARED BEFORE THE NOTARY PUBLIC AT KOLKATA ON 03/01/2025. ARJUN MAHTO @ARJUN K MAHTO (OLD NAME) AND ARJUN KALICHARAN MAHTO (NEW NAME) BOTH ARE THE SAME AND ONE IDENTICAL PERSON.

आरजीकर मामले का विरोध करने पर संग्रामी संयुक्त मंच के नेता के तबादला

कोलकाता, समाज्ञा : आरजी कर घोटाले के विरोध में भाग लेने के लिए कथित तौर पर कलकत्ता से दार्जिलिंग स्थानांतरित कर दिया गया। राज्य प्रशासनिक न्यायाधिकरण ने स्थानांतरण निर्देश पर अंतरिम रोक लगा दी। संग्रामी संयुक्त मंच के नेता सुबीर साहा नवान्न अभियान में शामिल हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें कलकत्ता से दार्जिलिंग स्थानांतरित किया जा रहा है क्योंकि उन्होंने आरजी कर में एक महिला डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में भाग लिया था। इसके तुरंत बाद उन्होंने राज्य प्रशासनिक न्यायाधिकरण का दरवाजा खटखटाया। वहां से इस मामले को देखते हुए शुक्रवार अंतरिम रोक लगा दी गई है और कहा गया है कि इन ट्रांसफर गाइडलाइंस पर अंतरिम रोक अगले आदेश तक लागू रहेगी।

भाजपा विधायक का फर्जी हस्ताक्षर कर आरोपितों ने एमएलए हॉस्टल का कमरा किया था बुक : कोलकाता पुलिस

❑ गिरफ्तार तीनों आरोपितों से पूछताछ में हुआ खुलासा

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद अभिषेक बनर्जी के नाम पर कालना नगरपालिका के चेयरमैन से पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में कोलकाता स्थित एमएलए हॉस्टल से गिरफ्तार तीनों आरोपितों ने भाजपा विधायक के लेटरहेड पर फर्जी हस्ताक्षर कर हॉस्टल में कमरा बुक किया था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपितों से पूछताछ में इस बात का खुलासा हुआ है। बता दें कि कालना नगरपालिका के चेयरमैन की शिकायत पर हाल में पुलिस ने तीनों आरोपितों को गिरफ्तार किया था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, तीनों आरोपितों ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि कूचबिहार दक्षिण से भाजपा विधायक निखिल रंजन दे ने एमएलए हॉस्टल में उनके लिए कमरा बुक करने की सिफारिश नहीं की थी। उन्होंने ही भाजपा विधायक का लेटरपैड हासिल किया और फर्जी हस्ताक्षर कर एमएलए हॉस्टल में उस कमरे को बुक कर लिया था। हालांकि, उन्हें भाजपा विधायक का लेटरपैड कैसे मिला? क्या जालसाज विधायक के किसी करीबी संपर्क में होने के कारण वहीं से उसे लेटरपैड मिला? क्या धोखेबाज भाजपा विधायकों के परिचित हैं? इन तमाम सवालों का जवाब जानने के लिए पुलिस जांच में जुटी है।

मोयना में भाजपा नेता बिजॉय कृष्ण भुईंया हत्याकांड में एनआईए ने की तीसरी गिरफ्तारी

पूर्व मेदिनीपुर/कोलकाता : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को बताया कि उसने मई 2023 में पूर्व मेदिनीपुर जिले में भाजपा नेता बिजॉय कृष्ण भुईंया की हत्या मामले में एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। एनआईए की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि मोहन मंडल को महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि वह पिछले साल मई में बिजॉय कृष्ण भुईंया की हत्या के बाद से फरार चल रहा था। एनआईए के बयान में कहा गया है कि मोहन मंडल को गुरुवार को मई 2023 के मामले में गिरफ्तार किया गया था, जिसमें पूर्व मेदिनीपुर जिले के मोयना के गोरामहल गांव में बिजॉय कृष्ण भुईंया का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी गई थी। फरार होने के बाद मोहन मंडल के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए गए थे। एनआईए के बयान के अनुसार, मंडल इस मामले में पकड़ा जाने वाला तीसरा आरोपी है। दो अन्य आरोपी नब कुमार मंडल और सुवेंदु भौमिक को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। नब कुमार मंडल को पिछले साल नवंबर में गिरफ्तार किया गया था। बयान में कहा गया है कि भूनिया के अपहरण और हत्या के पीछे की पूरी साजिश का पर्दाफाश करने और बाकी फरार लोगों को गिरफ्तार करने के प्रयासों के तहत एनआईए अपनी जांच जारी रखे हुए है। उल्लेखनीय है कि भुनिया मोयना में भाजपा के बूथ अध्यक्ष थे। उन्हें मोयना के पूर्व तृणमूल कांग्रेस विधायक संग्राम कुमार डोलुई के कथित करीबी गुंडों ने उठा लिया और फिर उनकी हत्या कर दी।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21(नोटिस)/632, दिनांक 02.01.2025; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित विद्युतीय कार्यों के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **क्र.सं. 1; निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3299; कार्य का नामः** सीनि. डीईएन/2/हावड़ा अनुभाग में डानकुनी, बेलमुड़ी, खाना, चांचाई में प्लेटफॉर्म शेडों के प्रावधान के प्रस्ताव के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य तथा अन्य लघु कार्यों का निष्पादन। **निविदा मूल्यः** रु. 8,52,667/-। **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 17,100; **समापन अवधिः** 120 दिन। **क्र.सं. 2; निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3393; कार्य का नामः** हावड़ा डीजल शेड में विद्युत रेल इंजनों के रखरखाव के लिए बुनियादी सुविधाओं के विकास के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्यः** रु. 4,77,655/-। **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 9,600; **समापन अवधिः** 120 दिन। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 23.01.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देता है। हालांकि, निविदा के बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत किसी भी सुविधाजनक दिवस को ऑनलाइन निविदाएं खोली जाएंगी। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है।

(HWH-522/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. ईएनजीजी/एडमिन/24-25/एलएलएच; दिनांक 03.01.2025। मुख्य कारखाना प्रबंधक, पूर्व रेलवे, लिलुआ, हावड़ा, पिन-711204 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए रेलवे के प्रतिष्ठित, अनुमोदित एवं पात्र ठेकेदारों तथा उनसे जो सरकारी विभाग/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम की समुचित सूची में हैं से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नामः** सीडब्ल्यूएम/सीएंडडब्ल्यू वर्कशॉप, पूर्व रेलवे, लिलुआ के क्षेत्राधिकार में आईजीबीसी ग्रीन बिल्डिंग के अनुपालन के तहत लिलुआ वर्कशॉप प्रशासनिक भवन तथा सुपरवाइजर सभा कक्ष के विस्तार, सुधार/नवीनीकरण के लिए खुली ई-निविदा। **निविदा मूल्यः** रु.1,40,16,609.45। **बयाना राशिः** रु. 2,20,100। **निविदा दस्तावेज की कीमतः** शून्य। **समापन अवधिः** 270 दिन। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 28.01.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक। निविदा के विवरण संशोधन (यदि कोई हो) वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव ऊपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा। (MISC-298/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएल-77-24; दिनांक 02.01.2025; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (जी), पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन हेतु विद्युत ठेकेदारी का वैध लाइसेंस रखने वाले तथा नीचे वर्णित कार्य को सम्पन्न करने में आर्थिक रूप से सक्षम प्रतिष्ठित निविदादाताओं से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम साथ में उसका स्थानः** (क) आसनसोल मंडल - आसनसोल की लोको कॉलोनी में दरवाजे एवं खिड़कियां, सैनिटरी कार्य एवं सड़क कार्य के साथ पुराने क्वार्टरों का सुधार। (ख) आसनसोल मंडल - आसनसोल की ट्रैफिक कॉलोनी में दरवाजे एवं खिड़कियां, सैनिटरी कार्य एवं सड़क कार्य पुराने क्वार्टरों का सुधार। **निविदा मूल्यः** रु. 52,31,315.16; **बयाना राशिः** रु. 1,04,600; **निविदा दस्तावेज की कीमतः** शून्य। **कार्य समापन अवधिः** 09 महीने। **बंद एवं खुलने की तारीख एवं समयः** 24.01.2025 को पूर्वाह्न 11.00 बजे। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। (ASN-289/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

श्री श्याम महोत्सव का आज से शुभारंभ

कोलकाता, समाज्ञा : ब्रह्मलीन गुरुजी काशीरामजी शर्मा के आशीर्वाद से एवं श्री औंकारमलजी शर्मा की अध्यक्षता में श्री श्याम महोत्सव का आज से शुभारंभ होने जा रहा है। इस दौरान आलौकिक श्रृंगार, अखण्ड ज्योति, भक्तिपूर्ण भजन, छप्पन भोग का आयोजन किया गगया है। कैखाली पंचवटी कॉम्पलेक्स के श्री श्याम बाबा मंदिर प्रांगण में आज यानी शनिवार की शाम 4 बजे से महोत्सव की शुरूआत होगी, जो रविवार की रात 9 बजे तक चलेगा। इस कार्यक्रम के आयोजक श्री श्याम मंडल नूतन बाजार है।

मां फ्लाईओवर पर 24 घंटे चलेगी बाइक, मुख्यमंत्री की फटकार के बाद पुलिस ने दी हरी झंडी

कोलकाता, समाज्ञा : गुरुवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नवान्न में एक प्रशासनिक बैठक में मां फ्लाईओवर में बाइक नियम को लेकर पुलिस को फटकार लगाई। इसके बाद उन्होंने रातों-रात कोलकाता ट्रैफिक पुलिस द्वारा लगाया गया प्रतिबंध हटा दिया। इससे पहले फ्लाईओवर में रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक बाइक व स्कूटर की आवाजाही पर रोक थी। दिसंबर 2024 के तीसरे रविवार को फ्लाईओवर पर बाइक दुर्घटना के बाद प्रतिबंध की अवधि एक घंटे बढ़ाकर रात 10 बजे से सुबह 7 बजे तक कर दी गई। शुक्रवार से दिन-रात 24 घंटे बाइकें मां फ्लाईओवर के ऊपर से गुजर सकेंगी। लेकिन यहां भी शर्तें हैं। बाइक की गति नियंत्रित करने के निर्देश हैं। यानी बाइक को एक निश्चित स्पीड पर ही चलाना होगा। अन्यथा जुर्माना लगेगा। हेलमेट अनिवार्य है। भले ही सवार बच्चा हो, फ्लाईओवर के कई बोर्डिंग बिंदुओं पर हेलमेट के उपयोग की अधिसूचना के साथ सवार के सिर पर बड़े फ्लेक्स लगाए गए हैं।

फुटपाथ पर सो रहे दो लोगों पर चढ़ाई गाड़ी, दोनों गंभीर रूप से घायल

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के जोड़ासांकों थानांतर्गत इलाके में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे में फुटपाथ पर सो रहे दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों के नाम रमन कुमार साहनी(45) और कुसुम साहनी(60) है। यह घटना रामलोचन मल्लिक स्ट्रीट की है। मिली जानकारी के अनुसार, एक गाड़ी में चार युवक सवार थे। वे बड़ी ही लापरवाही से गाड़ी चला रहे थे, तेज गति में होने के कारण चालक अपना नियंत्रण खो बैठा और रास्ते पर चल रहे एक व्यक्ति को टक्कर मार दी। इसके बाद, चालक ने फुटपाथ पर सो रहे दो वैन रिक्शा चालकों के ऊपर गाड़ी चढ़ा दी। जिस कारण दोनों व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना देखते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और एक युवक को पकड़ लिया। वहीं, अन्य तीन युवक भाग निकले। गंभीर हालत में दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। खबर मिलते ही मौके पर पहुंची जोड़ासांको थाने की पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बंगाल में नये साल की पूर्व संध्या पर शराब की हजार करोड़ की रिकॉर्ड बिक्री

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य ने बीते वर्ष की विदाई और नए वर्ष की शुरुआत लीकर के साथ की। राज्य में 31 दिसम्बर व 1 जनवरी को रिकार्ड शराब की बिक्री हुई। उत्पाद शुल्क विभाग के आंकड़े कहते हैं कि कोलकाता समेत पूरे राज्य में जहां सालाना औसतन दो हजार करोड़ रुपए की शराब बिकती है, वहीं नए साल के दौरान राज्य में करीब एक हजार करोड़ रुपए की शराब बिक गई है।

बंगाल भाजपा का सदस्या अभियान लक्ष्य से कोसों दूर, किसी तरह मिली 'पासिंग मार्क्स'

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल भाजपा ने सदस्यता के लिए दिए गए लक्ष्य को पूरा नहीं किया है। प्रदेश भाजपा को एक करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया था लेकिन अब तक 35 लाख सदस्य ही बना पाए हैं। बता दें कि वैसे तो देश के अन्य राज्यों में भाजपा सदस्यता अभियान 30 दिसंबर को खत्म कर दिया गया है लेकिन भाजपा ने बंगाल यूनिट को हफ्तेभर का समय और बढ़ा दिया है। अब प्रदेश भाजपा को 8/9 जनवरी तक अपना टारगेट पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है। बंगाल इकाई की निष्क्रियता से हाईकमान नाखुश है। मिली जानकारी के मुताबिक, अगले साल 2026 में होने वाले बंगाल विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने 1 करोड़ सदस्यता अभियान बढ़ाने का लक्ष्य दिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने गत 28 अक्टूबर को कोलकाता में बैठक कर पार्टी को 1 करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया था, लेकिन पार्टी ने 29 दिसंबर तक सिर्फ 35 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य हासिल किया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, 35 लाख में से लगभग आधे पुराने सदस्यों ने दोबारा मेंबरशिप लिया है। इसके बाद, अब भाजपा ने मेंबरशिप ड्राइव चलाने की मियाद बढ़ाकर यहां 9 जनवरी तक कर दिया है। दरअसल, 2019 में, भाजपा के 14 लाख सदस्य बने थे। पार्टी के स्थानीय नेताओं में निष्क्रियता, आपसी मनमुटाव के मद्देनजर सदस्यता का लक्ष्य पूरा नहीं कर पाने से बंगाल प्रभारी सुनील बंसल भी लोकल यूनिट से नाखुश हैं। बंसल ने हाल ही में हुए बैठक में पुरुलिया, बांकुड़ा, बीरभूम, झाड़ग्राम, उत्तर 24 और दक्षिण 24 परगना और पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर में उम्मीद से कम सदस्यता अभियान के मुद्दे पर स्थानीय नेताओं को तेजी लाने को कहा है। उसी बैठक में नदिया, जलपाईगुड़ी, कूचबिहार, अलीपुरद्वार दिनाजपुर जैसे जिले जो सदस्यता अभियान में बेहतर परफॉर्म किए हैं उनकी भी चर्चा की गई। भाजपा को भरोसा है कि अगले 8/9 दिनों में पार्टी लक्ष्य के आधा यानि कम से कम 50 लाख सदस्यों को अपने साथ जोड़ने में सफल रहेगी।

मुख्यमंत्री की नाराजगी के बाद मुख्य सचिव और डीजी ने देउचा पचामी परियोजना का किया निरीक्षण

बीरभूम : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा देउचा पांचामी परियोजना की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताने के बाद, शुक्रवार को मुख्य सचिव मनोज पंथ और पुलिस महानिदेशक (डीजी) राजीव कुमार ने इस परियोजना की प्रगति की

समीक्षा की। उन्होंने मोहम्मद बाजार स्थित बीडीओ कार्यालय में एक उच्चस्तरीय बैठक की। इस बैठक में जिला मजिस्ट्रेट विधान राय, बीरभूम जिला परिषद के अध्यक्ष काजल शेख, स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। मुख्य सचिव ने कहा, देउचा पांचामी मुख्यमंत्री का सपना है। काम जल्द शुरू होगा और क्षेत्र में सामाजिक विकास की योजनाओं को भी पूरा किया जाएगा। अगले 15-20 दिनों में ओपन कास्ट माइनिंग शुरू हो जाएगी और फरवरी तक अंडरग्राउंड माइनिंग के लिए टेंडरिंग का कार्य शुरू होगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस क्षेत्र में लगभग 2.1 बिलियन मीट्रिक टन कोयले का भंडार होने का अनुमान है। मुख्य सचिव और डीजी ने बैठक के बाद स्थानीय आदिवासी नेताओं से भी मुलाकात की और उनकी चिंताओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने देउचा पांचामी परियोजना की धीमी प्रगति और असंगठित भूमि अधिग्रहण को लेकर नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने जिला मजिस्ट्रेट को कड़ी फटकार लगाते हुए सात दिनों के भीतर समाधान प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। मुख्य सचिव ने बताया कि परियोजना के पहले चरण में 326 एकड़ भूमि पर काम शुरू किया जाएगा और बाद में 40 एकड़ अतिरिक्त भूमि जोड़ी जाएगी। यह परियोजना रोजगार सृजन और क्षेत्र के समग्र विकास में अहम भूमिका निभाएगी।

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा [सीनि.डीईएन/1/हावड़ा के क्षेत्राधिकार के लिए] नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस अथवा अन्य किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ पंजीकृत सहित समतुल्य प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं वांछित वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं। **क्रम सं. 1, एनआईटी सं.: 295_2024-25, दिनांक 01.01.2025; कार्य का विवरणः** सीनि. डीईएन/1/हावड़ा अनुभाग में अमृत स्टेशन योजना के अधीन चंदननगर स्टेशन में स्टेशन के अग्रभाग एवं पोर्च का विकास तथा बुकिंग कार्यालय, शौचालय एवं प्रतीक्षालय के भीतरी हिस्से का विकास एवं अन्य आनुषंगिक कार्यों का निष्पादन। **अनुमानित लागतः** रु. 2,99,19,668.44; **बयाना राशिः** रु. 2,99,600; **निविदा प्रपत्र की कीमतः** शून्य। **समापन अवधिः** 12 (बारह) महीने। **क्रम सं. 2, एनआईटी सं.: 296_2024-25, दिनांक 01.01.2025; कार्य का विवरणः** एबीएसएस के अधीन बीएलवाई के सर्कुलेटिंग एरिया, वर्तमान भवन के अग्रभाग, पोर्च का पुनर्विकास, भीतरी हिस्से के कार्यों एवं बुकिंग कार्यालय, शौचालय एवं प्रतीक्षालय के कार्यों का निष्पादन। **अनुमानित लागतः** रु. 2,99,33,539.37; **बयाना राशिः** रु. 2,99,700; **निविदा प्रपत्र की कीमतः** शून्य। **समापन अवधिः** 12 (बारह) महीने। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, चूंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, ऑनलाइन निविदा अगले कार्यकारी दिवस को खोली जाएगी। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 22.01.2025 को अपराह्न 2.00 बजे तक। निविदाओं का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। ईएमडी एवं टीडीसी का भुगतानः ई-निविदा के संबंध में बयाना राशि जमा (ईएमडी) तथा निविदा दस्तावेज की कीमत (टीडीसी) का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग अथवा पेमेंट गेटवे के जरिए स्वीकार किया जाएगा। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(HWH-520/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

निविदा सूचना सं.: पीसीएमएम/जीईएनएल/टीपी/2025/01, दिनांक: 03.01.2025 "ई"-प्रोक्योरमेंट प्रणाली के लिए निविदा, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, मुख्यालय कार्यालय (5वीं मंजिल), नया प्रशासनिक भवन, 11, गार्डन रीच रोड, कोलकाता-700043 के द्वारा खुली ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं जो वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निम्नानुसार अपलोड कर दी गई हैं। सभी निविदाएँ 14.00 बजे बंद की जाएंगी। **क्रम सं., निविदा सं., नियत तिथि, संक्षिप्त विवरण, परिमाण और बयाना राशि** निम्नानुसार हैं: **1. 45243181ए,** 21.02.2025, माइल्ड स्टील एन्क्लोजर 200 एम्पीयर, 130 वो डीसी के साथ बैटरी चार्जिंग यूनिट आदि, 31 अदद, रु. 1,25,840/-, **2. 47243113ए,** 27.03.2025, एलएचबी कोचों के लिए रूफ माउंटेड एसी पैकेज यूनिट का माइक्रोप्रोसेसर कंट्रोलर आदि, 50 अदद, रु. 1,17,410/-, **3. आईजी246834,** 20.01.2025, रोटरी स्क्रू विद्युत रूप से चालित माइक्रोप्रोसेसर, 03 अदद, रु.1,75,780/-, **4. 38243349,** 16.01.2025, कैसनब 22 बोगी के लिए बोल्सटर लाइनर आदि, 104520 अदद, रु.2,34,310/-, **5. 75245001,** 21.01.2025, हाई रिजॉल्यूशन प्रिंटेड विनाइल रैपिंग स्टिकर की आपूर्ति एवं फिटमेंट आदि, 73800 वर्गफीट, रु.1,78,170/-, **6. एडी245634,** 24.01.2025, एफडीएस सिस्टम का कंवर्शन किट आदि (वेबसाइट के अनुसार), 350 सेट, एफडीएस सिस्टम का कंवर्शन किट आदि (वेबसाइट के अनुसार), 400 सेट, रु.1,11,510/-, **7. 40241633,** 19.02.2025, वेल्डिंग केबल, सिंगल कोर, रबर इंसुलेटेड, 95 वर्ग मिमी स्ट्रैंडेड एल्यूमिनियम कंडक्टर आदि, 54900 मी., रु.1,34,750/-, **8. एचबी247254,** 22.01.2025, आइटमों आदि के साथ आपातकालीन मेडिकल बॉक्स का क्रय, 66 अदद, रु.3,48,020/-, **9. 30243496बी,** 22.01.2025, एक्सल बॉक्स के लिए रियर कवर, 3683 अदद, रु. 1,00,650/-, **10. 31245005,** 22.01.2025, हाई एचपी ट्रैक्शन मोटर फूजी डिजाइन, 04 अदद, रु.2,41,190/-, **11. 33243060ए,** 27.01.2025, फ्लेक्स बॉल केबल कम्प्लीट सेट (एंड कनेक्शन के साथ), 82 सेट, रु. 3,89,940/-, **12. 33241493ए,** 29.01.2025, पैसेंजर कोचों के लिए फ्रंटीयर प्रस्तुत एआर "एच" टाइप टाइट लॉक सीबीसी का नकल, 103 अदद, रु. 1,16,160/-, **13. 31245004,** 14.02.2025, एयरोसोल आधारित फायर डिटेक्शन की आपूर्ति एवं स्थापना, 133 सेट, रु.1,35,660/-, **14. 33243124डी,** 05.03.2025, फुट स्टेप कम्प्लीट, 1800 अदद, रु.1,79,610/-, इच्छुक निविदाकार निविदाओं के संपूर्ण विवरण/वर्णन/विनिर्देश के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोली ऑनलाइन जमा करें। किसी भी परिस्थिति में इन मदों के लिए मैनुअल निविदाएँ स्वीकार नहीं की जाएंगी। **द्रष्टव्यः** प्रत्याशित बोलीदाता सभी अन्य निविदाओं और तत्पश्चात प्रकाशित किसी भी शुद्धिपत्र में भाग लेने के लिए, **www.ireps.gov.in** नियमित रूप से देख सकते हैं।

(PR-978) प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/गार्डेन रीच

वॉक-इन-इंटरव्यू

ऑर्थोपेडिक अस्पताल, हावड़ा में सीनियर रेसिडेंट्स की नियुक्ति

सं. एचजी/मेड/सीनि. रेसिडेंट दिनांक: 03.01.2025

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के कार्यालय, मंडल रेलवे अस्पताल (ऑर्थोपेडिक अस्पताल), पूर्व रेलवे, 222 बिप्लबी हरेन घोष सरणी, हावड़ा-711101 में दिनांक 29.01.2025 को 12.00 बजे आयोजित वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से ऑर्थोपेडिक के क्षेत्र में **सीनियर रेसिडेंट** के 01 (एक) पद को भरा जाएगा। एमएस (ऑर्थो.)/ डीएनबी (ऑर्थो.)/डिप्लोमा (ऑर्थो.) की योग्यता रखने वाले इच्छुक आवेदक अपनी बायो-डेटा के साथ प्रथम, द्वितीय और तृतीय एमबीबीएस की मार्कशीट, पंजीकरण प्रमाणपत्र, ऑर्थोपेडिक प्रमाणपत्र में एमएस/डीएनबी/डिप्लोमा, माध्यमिक परीक्षा का एडमिट कार्ड, आधार कार्ड की फोटोकॉपी और हाल के पासपोर्ट आकार की दो फोटो, सभी स्वयं द्वारा यथा सत्यापित, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मंडल रेलवे अस्पताल (ऑर्थोपेडिक अस्पताल), पूर्व रेलवे, हावड़ा के पास जमा कर सकते हैं। सभी मूल प्रमाणपत्र केवल साक्षात्कार में देखे जाएंगे। उपर्युक्त अवधि के दौरान विस्तृत नियम और शर्तें पूर्व रेलवे की वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध हैं। ● **पारिश्रमिकः** वेतन @ पे मैट्रिक्स लेवल-11 और स्वीकार्य अनुसार अन्य भत्ते। हाल ही में उत्तीर्ण आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी। ● **आयु सीमाः** नियुक्ति के लिए ऊपरी आयु सीमा 45 वर्ष है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के आवेदकों के लिए आयु में पाँच (5) वर्ष की छूट। किसी भी चरण में किसी भी तथ्य को छिपाने पर उम्मीदवारी तत्काल समाप्त हो जाएगी। साक्षात्कार और जॉइनिंग के उद्देश्य के लिए कोई टीए, डीए स्वीकार्य नहीं होगा।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, पूर्व रेलवे, हावड़ा

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

न्यूज इन ब्रीफ

झारखंड में बस और ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की मौत, 13 लोग घायल

मेदिनीनगर (झारखंड) : झारखंड के पलामू जिले में शुक्रवार सुबह बस और ट्रक के बीच हुई टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना जिला मुख्यालय मेदिनीनगर से 30 किलोमीटर दूर सतबरवा क्षेत्र में कसियाडीह-बकोरिया मार्ग पर उस समय हुई जब घने कोहरे और कम दृश्यता के कारण मालवाहक वाहन बस से टकरा गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई और टक्कर में 13 से अधिक यात्री घायल हो गए। घायलों में से दो को रांची के राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान ले जाया गया, जहां बाद में उनकी मौत हो गई। मृतकों की पहचान रियासत मियां (56), शशि पांडे (26) और पुष्पेंद्र कुमार (46) के तौर पर हुई है। सतबरवा पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी अंचित कुमार ने बताया कि अन्य घायलों को निकटवर्ती तुम्बागड़ा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ट्रक-टेंपो की टक्कर में चार महिलाओं और एक बच्चे सहित पांच लोगों की मौत

जयपुर : राजस्थान के उदयपुर जिले में शुक्रवार को एक ट्रक ने एक टेंपो को टक्कर मार दी जिसमें टेंपो सवार चार महिलाओं और एक बच्चे सहित पांच लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य लोग घायल हो गए। उदयपुर पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि यह हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर गोगुंदा-पिंडवाड़ा के पास उस समय हुआ जब एक अनियंत्रित ट्रक ने टेंपो को टक्कर मार दी। हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि सालेरिया गांव से सवारियां लेकर टेंपो जैसे ही राष्ट्रीय राजमार्ग पर आया, तभी पीछे से आ रहे एक तेज गति वाले ट्रक ने टक्कर मार दी।

कासगंज के बहुचर्चित चंदन हत्याकांड में 28 लोगों को आजीवन कारावास की सजा

लखनऊ (उप्र) : राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने शुक्रवार को कासगंज के बहुचर्चित चंदन गुप्ता हत्याकांड में 28 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। एनआईए अदालत के विशेष न्यायाधीश विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने शुक्रवार को चंदन गुप्ता हत्याकांड में 28 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और प्रत्येक पर 80-80 हजार रुपये जुर्माना लगाया। इसके पहले अदालत ने बृहस्पतिवार को 28 आरोपियों को दोषी करार दिया था। चंदन की 26 जनवरी, 2018 को मोटरसाइकिल पर तिरंगा यात्रा के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। फैसले के तुरंत बाद 'पीटीआई-वीडियो' से बातचीत करते हुए, चंदन गुप्ता के भाई विवेक गुप्ता ने फैसले पर संतोष व्यक्त किया, लेकिन यह भी कहा कि लड़ाई खत्म नहीं हुई है। विवेक ने कहा, 'हमारे अपने देश में, मेरे भाई की बेरहमी से हत्या कर दी गई, और आज माननीय अदालत ने दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। हम इस फैसले से संतुष्ट हैं, लेकिन हम मुख्य आरोपी के लिए फांसी की सजा की मांग करने के लिए उच्च न्यायालय में अपील भी करेंगे।' उन्होंने दो आरोपियों को बरी किए जाने पर भी निराशा व्यक्त की और इसे उच्च न्यायालयों में चुनौती देने का संकल्प लिया।

28 आरोपियों को सजा सुनाने पर परिवार ने संतोष जताया, पर फांसी की सजा की मांग

राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने शुक्रवार को कासगंज के बहुचर्चित चंदन गुप्ता हत्याकांड में 28 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई जिस पर परिवार के लोगों ने संतोष तो जताया, लेकिन उच्च न्यायालय में मुख्य आरोपी को फांसी की सजा देने की मांग करने का संकल्प दोहराया।

गोरखपुर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण करने जा रही उत्तर प्रदेश सरकार : आदित्यनाथ

गोरखपुर, (उप्र) : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार गोरखपुर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण करने जा रही है। योगी ने यहां महानगर के भाटी विहार कॉलोनी में बने गोरखपुर के पहले 'मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स' के लोकार्पण के बाद एक समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। योगी ने पिछले साल गोरखपुर में अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री ने आज समारोह में कहा कि राज्य सरकार गोरखपुर में एक इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बनाने जा रही है तथा इसके अलावा कुछ माह में रामी नगर क्षेत्र में 33 एकड़ में एक बड़ा 'स्पोर्ट्स सेंटर' भी बनना शुरू हो जाएगा। योगी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में देश के अंदर एक नई खेल संस्कृति बनी है। प्रधानमंत्री मोदी ने खेलो इंडिया, फिट इंडिया मूवमेंट, सांसद खेल स्पर्धा के माध्यम से खेल की नई संस्कृति को आगे बढ़ाया है तो प्रदेश में राज्य सरकार भी खिलाड़ियों और खेल की गतिविधियों को लगातार प्रोत्साहित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के क्रम में राज्य सरकार ने ग्रामीण खेल लीग शुरू किया है। उन्होंने कहा, हर गांव में खेल के मैदान बनाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राइफल से साधा सटीक निशाना

गोरखपुर के भाटी विहार कॉलोनी में नवनिर्मित 'मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स' के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसके शूटिंग रेंज में राइफल से लक्ष्य पर सटीक निशाना साधा। शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री की सटीक निशानेबाजी देख कार्यक्रम में मौजूद लोग हतप्रभ रह गए। मुख्यमंत्री ने पहली ही बार में अपनी बेहतरीन शूटिंग कौशल का प्रदर्शन करते हुए 'बुल्सआई' पर निशाना साधकर दर्शकों को प्रभावित किया। उन्होंने लक्ष्य पर सौ फीसद सटीक निशाना साधा। बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री की खेलों के प्रति खासी दिलचस्पी है और इसमें भी पारंपरिक भारतीय खेलों के साथ निशानेबाजी से उनका लगाव कई बार सार्वजनिक तौर पर दिखा है।

बीपीएससी विवाद:प्रशांत किशोर का आमरण अनशन जारी,सांसद पप्पू के समर्थकों ने रेल सेवा बाधित की

पटना : बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 13 दिसंबर को आयोजित 70वीं संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगी परीक्षा (सीसीई) को रद्द करने की मांग को लेकर जन स्वराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर का गांधी मैदान में आमरण अनशन शुक्रवार को भी जारी रहने के साथ निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के समर्थकों ने रेल यातायात बाधित किया और वामपंथी छात्र संगठनों ने मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया। बीपीएससी की 13 दिसंबर को आयोजित 70वीं संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगी परीक्षा का कथित तौर पर पेपर लीक होने पर इस परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर पिछले दो सप्ताह से पटना के गर्दनीबाग में प्रदर्शनकारियों द्वारा धरना प्रदर्शन जारी है। इस बीच आयोग के बापू परीक्षा केंद्र में इस परीक्षा में शामिल हुए 10000 से अधिक अभ्यर्थियों के लिए नए सिरे से परीक्षा आयोजित कराए जाने में अब 24 घंटे से भी कम समय बचा है, ऐसे में निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने अपने समर्थकों के साथ पटना के कई हिस्सों के साथ-साथ अररिया, पूर्णिया, मुजफ्फरपुर आदि सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में रेल और सड़क यातायात को अवरुद्ध कर दिया। पुलिस ने बताया कि यादव के समर्थकों ने हाल ही में आयोजित बीपीएससी की परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर पटना के सचिवालय हॉल्ट रेलवे स्टेशन पर रेल रोको अभियान चलाया। एक अधिकारी ने बताया कि वे सचिवालय हॉल्ट रेलवे स्टेशन पर एकत्र हुए और कुछ समय के लिए पटरियों पर बैठ गए, जिससे ट्रेन की आवाजाही में देरी हुई। यादव के समर्थकों ने पूर्णिया और पटना में सड़कों पर टायर जलाए और यातायात को भी बाधित किया। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्रा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे सचिवालय हॉल्ट स्टेशन पर प्रदर्शनकारियों ने बक्सर-फतुहा पैसेंजर ट्रेन को रोक दिया।

पीलीभीत: अदालत ने मारे गये आतंकियों के 'मददगार' को पुलिस हिरासत में भेजा

पीलीभीत (उप्र) : पीलीभीत और पंजाब पुलिस के संयुक्त अभियान के तहत मुठभेड़ में मारे गए तीन कथित आतंकियों के स्थानीय सहयोगी जसपाल को यहां की एक अदालत ने तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेजने को मंजूरी दे दी। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पूरनपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) नरेश कुमार त्यागी ने बताया कि जसपाल को अदालत से तीन दिन की रिमांड पर लिया गया है और उससे कड़ी सुरक्षा के बीच पूछताछ की जा रही है। पुलिस विभाग ने रिमांड के दौरान जसपाल से आतंकियों के मिशन और उनके संपर्कों के बारे में और अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। पुलिस के अनुसार, विशेषकर यह पूछताछ आतंकियों को विदेश से निर्देशित करने वाले बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकी सिद्धू और उसके गिरोह पर केंद्रित है।

मुजफ्फरनगर दंगा: मंत्री, सपा सांसद व भाजपा नेताओं समेत 19 लोगों पर आरोप तय

मुजफ्फरनगर, (उप्र) : मुजफ्फरनगर की विशेष सांसद-विधायक अदालत ने वर्ष 2013 में मुजफ्फरनगर दंगा मामले में उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री कपिल देव अग्रवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान, विश्व हिंदू परिषद की नेता साध्वी प्राची और डासना के महंत यति नरसिंहानंद, सपा सांसद हरेंद्र मलिक और भाजपा नेताओं समेत 19 लोगों के खिलाफ आरोप तय किये हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी और कहा कि अगली सुनवाई 30 जनवरी को होगी। अभियोजन अधिकारी नीरज सिंह ने बताया कि विशेष सांसद-विधायक अदालत के न्यायाधीश देवेंद्र सिंह फौजदार ने मामले में 19 आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 188 (लोक सेवक द्वारा विधिवत आदेश की अवज्ञा), 341 (किसी को गलत तरीके से रोकना), 153, 353 (ड्यूटी पर तैनात लोक सेवक पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) के साथ-साथ आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम के प्रावधानों के तहत आरोप तय किए। सिंह ने बताया कि अगली सुनवाई 30 जनवरी को होगी। सुनवाई के दौरान सभी आरोपी अदालत में मौजूद थे। अदालत ने जिनके खिलाफ आरोप तय किया है उनमें उप्र सरकार के व्यावसायिक शिक्षा व कौशल विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल, उप्र सरकार के पूर्व मंत्री सुरेश राणा और अशोक कटारिया, पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान, विहिप नेता साध्वी प्राची, पूर्व भाजपा सांसद भारतेंदु सिंह, डासना के महंत यति नरसिंहानंद, पूर्व भाजपा विधायक अशोक कंसल व उमेश मलिक, सपा सांसद हरेंद्र मलिक और अन्य सहित कई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं के खिलाफ निषेधाज्ञा उल्लंघन और सांप्रदायिक तनाव भड़काने के एक मामले में आज सभी आरोपी अदालत में मौजूद थे।

संभल : अपने परिवार के सदस्यों के हाथों मारी गई महिला व उसकी चार बेटियों के शव दफनाए गए

संभल (उप्र) : लखनऊ में अपने ही परिवार के एक सदस्य के हाथों मारे गए पांच लोगों के शवों को शुक्रवार को संभल में दफना दिया गया। मृतकों के शव शुक्रवार की सुबह संभल लाए गए। एक साथ पांच शवों को देखकर परिवार में गम का माहौल है। सरकार से हत्या के मुख्य आरोपी अरशद और उसके पिता को फांसी की सजा देने की मांग की गई है। लखनऊ में मारी गयीं पांच महिलाओं के शवों को संभल ले जाने के बारे में पूछे जाने पर एक अधिकारी ने बताया कि चूंकि आरोपी की मां अस्मा का मायका संभल के सरायतरीन मोहल्ले में है, इसलिए मां और बेटियों के शवों को उसके मामा को सौंपा गया और उनके अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी हुई। सूत्रों ने बताया कि आरोपी के पिता के परिजनों ने शवों को लेने में दिलचस्पी नहीं दिखाई, इसलिए ननिहाल पक्ष के लोगों को इसे सौंपा गया।

समाज्ञा व्यापार

सोना 79,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर लगभग स्थिर, चांदी 230 रुपये फिसली

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत 79,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर लगभग स्थिर रही। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह कहा। बृहस्पतिवार को सोने की कीमत 79,720 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। शुक्रवार को चांदी की कीमत 230 रुपये की गिरावट के साथ 90,400 रुपये प्रति किलोग्राम रही। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 90,630 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। हालांकि, शुक्रवार को 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 130 रुपये बढ़कर 79,300 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।

सरकार ने डिजिटल व्यक्तिगत डाटा सुरक्षा नियमों का मसौदा जारी किया, कोई दंडात्मक प्रावधान नहीं

नयी दिल्ली : सरकार ने बहुप्रतीक्षित डिजिटल व्यक्तिगत डाटा सुरक्षा नियमों का मसौदा जारी किया है। इसमें उल्लंघन के लिए किसी दंडात्मक कार्रवाई का उल्लेख नहीं है। सार्वजनिक परामर्श के लिए नियमों के मसौदे को प्रकाशित किया गया है। मसौदा नियमों को अंतिम रूप देने के लिए 18 फरवरी के बाद विचार किया जाएगा। मसौदा अधिसूचना में कहा गया, 'डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम, 2023 (2023 का 22) की धारा 40 की उप-धाराओं (1) और (2) की शक्तियों का उपयोग करते हुए केंद्र सरकार द्वारा अधिनियम के लागू होने की तिथि को या उसके बाद बनाए जाने वाले प्रस्तावित नियमों का मसौदा प्रकाशित किया जाता है।' मसौदा नियमों में डिजिटल डाटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के तहत व्यक्तियों की सहमति लेने, डाटा प्रसंस्करण निकायों और अधिकारियों के कामकाज से संबंधित प्रावधान तय किए गए हैं। अधिसूचना में कहा गया, 'उक्त मसौदा नियमों पर 18 फरवरी, 2025 के बाद विचार किया जाएगा।' मसौदा नियमों में डीपीडीपी अधिनियम, 2023 के तहत स्वीकृत दंड का उल्लेख नहीं किया गया है।

ईवी कंपनियां मौजूदा सब्सिडी व्यवस्था खत्म होने के बाद सब्सिडी हटाने पर सहमत: गोयल

नयी दिल्ली : वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ शुक्रवार को हुई बैठक में उपस्थित इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनियों ने इस पर सहमति जताई कि मौजूदा सब्सिडी व्यवस्था खत्म होने के बाद उन्हें सब्सिडी की जरूरत नहीं रहेगी। ईवी क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने बैटरी की अदला-बदली और चार्जिंग सुविधाओं से जुड़े बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित मुद्दों पर यहां गोयल के साथ विचार-विमर्श किया। गोयल ने बैठक के बाद कहा कि ईवी क्षेत्र में कार्यरत कंपनियां अपने खुद के कारोबारी मॉडल चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने कहा कि बैटरी बदलने के लिए सहयोग करना और संसाधन साझा करना या अपनी बैटरी वाले वाहनों को ही बेचने का निर्णय पूरी तरह से कंपनियों पर निर्भर करता है। गोयल ने संवाददाताओं से कहा, सभी इस बात पर एकमत थे कि मौजूदा सब्सिडी व्यवस्था खत्म होने के बाद उनमें से किसी को भी सब्सिडी बढ़ाने की जरूरत नहीं होगी। हरेक क्षेत्र में एक या दूसरा मॉडल है जो इसे आत्मनिर्भर बनाता है और आगे सब्सिडी की जरूरत नहीं होती है। उन्होंने कहा, आज इलेक्ट्रिक परिवहन उड़ान भरने को तैयार है। उन्हें नए प्रोत्साहन या सब्सिडी की जरूरत नहीं है। मौजूदा सब्सिडी कुछ और समय के लिए उपलब्ध है और इससे उन्हें ईवी परिवेश को उचित शुरुआत देने में मदद मिलेगी। गोयल ने बैटरी चार्जिंग बुनियादी ढांचे पर हुई चर्चा के बारे में पूछे जाने पर कहा कि पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) ने पेट्रोल पंपों पर कई ईवी चार्जिंग एवं बैटरी अदला-बदली सुविधाओं की स्थापना के लिए मसौदा दिशानिर्देश जारी किए हैं।

भारत में स्टार्ट-अप की वापसी को आसान बनाने के विचारों के लिए तैयार

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि जो स्टार्ट-अप विदेश से भारत आना चाहते हैं, मंत्रालय उनका रास्ता सुलभ कराने के विचार के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय राष्ट्रीय स्टार्ट-अप सलाहकार परिषद के साथ चर्चा करेगा और प्रतिक्रिया लेगा कि 'यदि उनकी वापसी की यात्रा को आसान बनाने के लिए कोई कदम उठाने की आवश्यकता है। हम उसके लिए तैयार हैं।' सतत आर्थिक वृद्धि (एसडीजी) को बढ़ावा देने और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए परिषद की स्थापना सबसे पहले 2020 में की गई थी। यह देश में नवाचार और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत माहौल बनाने हेतु आवश्यक उपायों पर सरकार को सलाह देती है।

बैंकों, आईटी शेयरों में बिकवाली से बाजार गिरा, सेंसेक्स 720 अंक लुढ़का

मुंबई : कमजोर वैश्विक संकेतों और रुपये में गिरावट जारी रहने के बीच शुक्रवार को बैंकों एवं आईटी शेयरों में बिकवाली होने से शेयर बाजारों में गिरावट रही। सेंसेक्स में 720 अंक की गिरावट आई जबकि निफ्टी 184 अंक फिसल गया। विश्लेषकों ने कहा कि निवेशकों ने अगले हफ्ते तिमाही नतीजे आने का सिलसिला शुरू होने के पहले अपने जोखिम को कम किया। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार आ रही कमजोरी ने भी धारणा को प्रभावित किया। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स सकारात्मक शुरुआत के बावजूद 720.60 अंक यानी 0.90 प्रतिशत गिरकर 79,223.11 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 833.98 अंक गिरकर 79,109.73 पर आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 183.90 अंक यानी 0.76 प्रतिशत गिरकर 24,004.75 पर बंद हुआ। इसके साथ ही कारोबारी सप्ताह का समापन गिरावट के साथ हुआ। उतार-चढ़ाव से भरे इस सप्ताह में सेंसेक्स में कुल 524.04 अंक यानी 0.66 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्ज की गई जबकि निफ्टी 191.35 अंक यानी 0.80 प्रतिशत चढ़ा। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से जोमैटो, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मा, लार्सन एंड टूब्रो, एचसीएल टेक और आईटीसी में गिरावट रही। दूसरी तरफ, टाटा मोटर्स, नेस्ले, टाइटन, हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, डॉलर में मजबूती, बाजार के उच्च मूल्यांकन और एक साथ कई संपत्ति श्रेणियों में निवेश के प्रति बढ़ते रुझान से बाजार में ऊंचे स्तर पर बिकवाली का रुख देखा जा रहा है।

राकेश रोकड़े रत्न एवं आभूषण परिषद के नए चेयरमैन नियुक्त

नयी दिल्ली : अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद (जीजेसी) ने वर्ष 2025-26 के लिए अपने नए चेयरमैन राकेश रोकड़े और वाइस चेयरमैन अविनाश गुप्ता की नियुक्ति की शुक्रवार को घोषणा की। एक बयान के मुताबिक, चेयरमैन और वाइस चेयरमैन समेत 21 सदस्यीय परिषद के लिए दिसंबर 2024 में चुनाव हुए थे। नागपुर में रोकड़े ज्वैलर्स का प्रतिनिधित्व करने वाले रोकड़े जीजेसी के चेयरमैन के तौर पर संयम मेहरा का स्थान लेंगे। वह इसके पहले परिषद के वाइस चेयरमैन और कानूनी समिति के संयोजक थे। बयान के मुताबिक, जीजेसी की नयी टीम का लक्ष्य कौशल विकास, 'मेक इन इंडिया' पहल को बढ़ावा देना, पारदर्शिता के जरिये उपभोक्ता विश्वास बढ़ाना और कारीगरों, व्यापारियों एवं खुदरा विक्रेताओं सहित सभी अंशधारकों की चिंताएं दूर करने पर ध्यान केंद्रित करना है।

भारतीय स्मार्टफोन बाजार इस साल 50 अरब डॉलर से अधिक होने का अनुमान

नयी दिल्ली : एप्पल और सैमसंग की अगुवाई में प्रीमियम स्मार्टफोन की मांग बढ़ने से वर्ष 2025 में भारतीय स्मार्टफोन बाजार का आकार 50 अरब डॉलर (लगभग 4,28,900 करोड़ रुपये) से अधिक हो जाने का अनुमान है। एक रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है। बाजार अनुसंधान फर्म काउंटरपॉइंट टेक्नोलॉजी ने शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में कहा कि भारत में उपभोक्ता अब प्रीमियम स्मार्टफोन का रुख कर रहे हैं जिससे कुल बाजार में इस खंड की हिस्सेदारी लगातार बढ़ती जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का स्मार्टफोन बाजार वर्ष 2025 में 50 अरब डॉलर को पार करते हुए अपने उच्चतम स्तर तक पहुंचने की राह पर है। एप्पल और सैमसंग जैसे ब्रांड प्रीमियम और अल्ट्रा-प्रीमियम खंड में प्रतिस्पर्धी उत्पादों को पेश कर इस बदलाव का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रीमियम फोन के प्रति रुझान बढ़ने की वजह से भारत के स्मार्टफोन बाजार का औसत खुदरा बिक्री मूल्य इस साल पहली बार 300 डॉलर (लगभग 25,700 रुपये) को पार करने की उम्मीद है। वर्ष 2021 में भारतीय स्मार्टफोन बाजार का आकार 37.9 अरब डॉलर (लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये) रहा था। वित्त वर्ष 2023-24 में एप्पल ने भारत में मोबाइल फोन कारोबार से कुल 67,121.6 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया था जबकि सैमसंग ने 71,157.6 करोड़ रुपये की कमाई की। रिपोर्ट के मुताबिक, स्थानीय विनिर्माण और अपने आईफोन उत्पादों की कीमतों में हालिया कटौती के कारण एप्पल को अपने 'प्रो-सीरीज' की मांग में मजबूती देखने की उम्मीद है।

माझी ने ओडिशा में आलू संकट के लिए प.बंगाल सरकार को जिम्मेदार ठहराया

भुवनेश्वर : ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने राज्य में आलू संकट के लिए शुक्रवार को पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और पूर्ववर्ती बीजू जनता दल (बीजद) सरकार पर निशाना साधा। आलू उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं होने की वजह से ओडिशा आलू की अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए पश्चिम बंगाल पर बहुत अधिक निर्भर रहता है। और जब पड़ोसी राज्य अपनी घरेलू मांग को पूरा करने की वजह से आलू की आपूर्ति बंद कर देता है तो ओडिशा समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माझी और उपमुख्यमंत्री के वी सिंह देव ने ओडिशा में आलू की कमी के लिए ममता बनर्जी की आलोचना की। माझी ने कहा, ओडिशा में आलू संकट का सामना करते हुए, हमने ममता दीदी से बात की, लेकिन व्यर्थ। वह उचित समय पर हमसे बदला लेती हैं। ममता दीदी में ओडिशा के लिए कोई 'ममता' नहीं है। हालांकि, माझी ने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया कि बनर्जी किस तरह से बदला ले रही हैं। मुख्यमंत्री ने पिछली बीजद सरकार को भी दोषी ठहराया, जिस पर उन्होंने ओडिशा को आलू और प्याज के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में विफल रहने का आरोप लगाया। पिछले साल जून में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने के बाद से छह महीनों के दौरान पश्चिम बंगाल द्वारा कथित तौर पर आपूर्ति रोक दिए जाने के कारण ओडिशा को आलू के गंभीर संकट का सामना करना पड़ा है।

ग्रामीण गरीबी वित्त वर्ष 2023-24 में घटकर 4.86 प्रतिशत पर आई: एसबीआई रिसर्च

नयी दिल्ली : गांवों में गरीबी घटी है। मुख्य रूप से सरकारी सहायता कार्यक्रमों के प्रभावों के कारण ग्रामीण गरीबी वित्त वर्ष 2023-24 में घटकर 4.86 प्रतिशत रह गई जो 2011-12 में 25.7 प्रतिशत थी। एसबीआई रिसर्च की शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में यह कहा गया। यह रिपोर्ट कहती है कि शहरी इलाकों की गरीबी भी मार्च, 2024 में समाप्त वित्त वर्ष में घटकर 4.09 प्रतिशत पर आ गई जबकि वित्त वर्ष 2011-12 में यह 13.7 प्रतिशत पर थी। वित्त वर्ष 2023-24 में नई अनुमानित गरीबी रेखा ग्रामीण क्षेत्रों में 1,632 रुपये और शहरी क्षेत्रों में 1,944 रुपये है। एसबीआई रिसर्च ने उपभोग व्यय सर्वेक्षण पर जारी अपनी रिपोर्ट में कहा कि ग्रामीण गरीबी अनुपात में तेज गिरावट महत्वपूर्ण सरकारी सहायता के साथ उपभोग वृद्धि का नतीजा है। रिपोर्ट के मुताबिक, 'यह समर्थन अहम है क्योंकि हम पाते हैं कि खाद्य कीमतों में बदलाव का न केवल खाद्य व्यय पर बल्कि सामान्य रूप से समग्र खर्च पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की तरफ से हाल में जारी घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण से पता चला है कि अगस्त 2023-जुलाई 2024 के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में उपभोग असमानता एक साल पहले की तुलना में कम हुई है। एसबीआई रिसर्च के मुताबिक, उपभोग व्यय सर्वेक्षण से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2023-24 में ग्रामीण गरीबी उल्लेखनीय गिरावट के साथ 4.86 प्रतिशत (वित्त वर्ष 2022-23 में 7.2 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2011-12 में 25.7 प्रतिशत) रही।

न्यूज इन ब्रीफ

मुंबई में 16 साल से फरार छोटा राजन गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

मुंबई : हत्या के प्रयास के एक मामले में 16 साल से फरार छोटा राजन गिरोह के एक सदस्य को यहां पूर्वी उपनगर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि देवनार थाने की एक टीम ने आरोपी विलास बलराम पवार उर्फ राजू (62) को बृहस्पतिवार शाम चेंबूर इलाके से गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि पवार हत्या और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर अपराधों में शामिल है और उसके खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामले दर्ज हैं। अधिकारी ने कहा कि आरोपी ने 1992 में घाटला गांव में एक व्यक्ति को कथित तौर पर गोली मारकर घायल कर दिया था और उसे मामले में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन 2008 में जमानत पर रिहा होने के बाद से वह फरार था। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी से बचने के लिए वह अपना ठिकाना बदलता रहा। अधिकारी ने कहा कि पवार नवी मुंबई के नेरुल इलाके में रहता था और निर्माण कार्यों के लिए श्रमिक मुहैया कराता था।

वर्ष 2024 में साइबर धोखाधड़ी मामले में नौ करोड़ रुपये 'फ्रीज' किये

नयी दिल्ली : साइबर धोखाधड़ी के सिलसिले में पश्चिमी दिल्ली में वर्ष 2024 में करीब नौ करोड़ रुपये 'फ्रीज' (लेन-देन पर रोक) किये गये, जबकि पीड़ितों को करीब दो करोड़ रुपये वापस कराये गये। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी दिल्ली) विचित्र वीर ने कहा, ''ये प्रयास जनता को साइबर अपराधियों से बचाने के लिए चल रही पहल का हिस्सा हैं। साइबर अपराधी धोखाधड़ी के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का फायदा उठाते हैं।'' पुलिस अधिकारी ने कहा कि पश्चिम जिला साइबर पुलिस थाना दिसंबर 2021 से चालू है और पीड़ितों की धन राशि को संरक्षित कर रहा है। पुलिस उपायुक्त ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2024 में साइबर पुलिस थाने ने लगभग 8,000 शिकायतों का समाधान किया। उन्होंने कहा, ''पूरे वर्ष के दौरान, 93 व्यक्तियों को दबोचा गया। इनमें से 22 लोग पहले से दर्ज मामलों में पकड़े गये जबकि 71 को 2024 में दर्ज नयी घटनाओं को लेकर पकड़ा गया।'' उन्होंने कहा कि इस वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों में से एक धोखाधड़ी वाले 9.12 करोड़ रुपये के लेनदेन को रोकना था।

राष्ट्रपति मुर्मू प्रवासी भारतीय सम्मान अवॉर्ड प्रदान करेंगी, विदेश मंत्रालय ने नामों की घोषणा की

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आगामी प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के समापन सत्र के दौरान प्रवासी भारतीय सम्मान अवॉर्ड (पीबीएसए) प्रदान करेंगी। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को इस वर्ष के पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा करते हुए यह जानकारी दी। यह पुरस्कार विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रवासी भारतीयों को दिया जाता है। प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का 18वां संस्करण 8 से 10 जनवरी तक ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''प्रवासी भारतीय दिवस समारोह के समापन सत्र में भारत की माननीय राष्ट्रपति द्वारा प्रवासी भारतीय सम्मान अवॉर्ड प्रदान किए जाएंगे।''

मालदीव के साथ सहयोग भारत की 'पड़ोस पहले' नीति का शानदार उदाहरण: जयशंकर

नयी दिल्ली : विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि मालदीव के साथ सहयोग भारत की 'पड़ोस पहले' नीति का एक शानदार उदाहरण है और भारत हमेशा मालदीव के साथ खड़ा है। उन्होंने मालदीव के अपने समकक्ष अब्दुल्ला खलील से वार्ता के दौरान यह बात कही। बैठक की शुरुआत में जयशंकर ने भारत और मालदीव के बीच सीमा पार व्यापार के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने के सिलसिले में एक रूपरेखा को अंतिम रूप देने और आर्थिक समस्याओं से निपटने में मालदीव की मदद के लिए नयी दिल्ली की ओर से दी गई वित्तीय सहायता का उल्लेख किया। दोनों पक्षों ने भारत से अनुदान सहायता के माध्यम से मालदीव में तीसरे चरण के तहत उच्च सामुदायिक प्रभाव वाली विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। वार्ता के दौरान खलील ने व्यापक आर्थिक व समुद्री सुरक्षा साझेदारी संबंधी भारत-मालदीव संयुक्त दृष्टिकोण को साकार करने में नयी दिल्ली के साथ मिलकर काम करने की राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु की दृढ़ प्रतिबद्धता प्रकट की। खलील व्यापार और निवेश समेत कई प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के तरीके तलाशने के लिए बृहस्पतिवार को तीन दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे थे। मालदीव कुछ हद तक आर्थिक समस्याओं से जूझ रहा है। जयशंकर ने कहा, सीमा पार लेनदेन के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने की रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने कहा, विभिन्न क्षेत्रों में हमारी भागीदारी बढ़ी है और भारत हमेशा मालदीव के साथ खड़ा रहा है। हमारे लिए, आपके साथ सहयोग हमारी 'पड़ोस पहले' नीति का शानदार उदाहरण है।

जम्मू-कश्मीर : एनआईए ने आतंकवाद के मामले में अनंतनाग में भूखंड कुर्क किया

श्रीनगर : राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने आतंकवाद से जुड़े एक मामले में अवैध गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत अनंतनाग जिले में शुक्रवार को एक संपत्ति कुर्क की। अधिकारियों ने बताया कि एनआईए ने दक्षिण कश्मीर जिले में कोकरनाग के हालपोरा इलाके में 19 मरला जमीन कुर्क की है। यह संपत्ति हालपोरा के मोहम्मद अकबर डार की है। एनआईए ने कहा कि उक्त कार्रवाई आतंकवाद के वित्तपोषण और संबंधित गतिविधियों की जांच के तहत गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधानों के तहत की गई। अभिकरण ने कहा कि यह कुर्की इस केंद्र-शासित प्रदेश में आतंकवाद और 'अवैध गतिविधियों' का समर्थन कर रहे वित्तीय नेटवर्क को कमजोर करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है।

अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप का विकास मोदी सरकार की प्राथमिकता : शाह

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में बुनियादी ढांचे का विकास और पर्यटन सुविधाएं बढ़ाना नरेन्द्र मोदी सरकार की प्राथमिकता है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, शाह ने यहां दिल्ली में द्वीप विकास एजेंसी (आईडीए) की सातवीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह भी कहा कि केंद्र सरकार इन द्वीपों की संस्कृति और विरासत का संरक्षण करते हुए वहां विकास कार्यों को गति दे रही है। विज्ञप्ति के अनुसार, गृह मंत्री ने अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में जारी विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा, ''ये द्वीप भले ही दिल्ली से दूर हैं लेकिन हमारे दिल के पास हैं, वहां के आधारभूत ढांचे का विकास और पर्यटन सुविधाएं बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता है।'' शाह ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों द्वीप समूहों में आधारभूत ढांचे के विकास से संबंधित परियोजनाओं पर समग्र दृष्टि से काम किया जाना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार के सभी संबंधित मंत्रालयों से अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में पर्यटन, व्यापार और अन्य क्षेत्रों से जुड़ीं परियोजनाओं पर मिलकर काम करने को कहा। उन्होंने लंबित मुद्दे के समाधान और जारी परियोजनाओं को पूरा करने में तेजी लाने के लिए स्पष्ट निर्देश भी जारी किए। शाह ने दोनों द्वीप समूहों में 'पीएम सूर्य घर' योजना के तहत सभी घरों में सौर ऊर्जा के पैनल लगाए जाने के महत्व का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में सोलर पैनलों और पवन चक्कियों के जरिये शत प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा हासिल करने का लक्ष्य होना चाहिए। बैठक में, गृह मंत्रालय, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह प्रशासन और लक्षद्वीप प्रशासन ने दोनों द्वीप समूहों में डिजिटल और एयर कनेक्टिविटी तथा बंदरगाह विकास सहित अन्य विकास परियोजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

खराब मौसम के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर 400 से अधिक उड़ानों के परिचालन में देरी

नयी दिल्ली : घने कोहरे के कारण दृश्यता प्रभावित होने से शुक्रवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर 400 से अधिक उड़ानों के परिचालन में देरी हुई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ इलाकों में घने कोहरे के कारण दृश्यता घटकर शून्य हो गई। अधिकारी ने बताया कि इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआईए) पर 400 से अधिक उड़ानों के परिचालन में देरी हुई, लेकिन किसी उड़ान का मार्ग परिवर्तित नहीं किया गया। उड़ान ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटरडार24डॉटकॉम पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, हवाई अड्डे पर 470 उड़ानें विलंबित हुईं। दिल्ली हवाई अड्डे पर कम दृश्यता अभी भी बनी हुई है। हालांकि, उड़ान परिचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डीआईएएल) ने पूर्वाह्न 11 बजे 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यात्रियों से अनुरोध है कि वे उड़ान की अद्यतन जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करें।'' एक अन्य पोस्ट में इसने सुबह 6.35 बजे कहा था कि दिल्ली हवाई अड्डे पर 'लैंडिंग' और 'टेकऑफ' जारी रहने के बावजूद, जो उड़ानें कैट-तृतीय के अनुरूप नहीं हैं, उन पर असर पड़ सकता है।'' कैट-तृतीय सुविधा, विमानों को कम दृश्यता की स्थिति में भी परिचालन को सुलभ करती है। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा प्रतिदिन लगभग 1,300 उड़ानों का परिचालन करता है।

तालमेल, सद्भाव और अनुशासन सिखाता है भारतीय संगीत:संघ प्रमुख

इंदौर (मध्यप्रदेश) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय संगीत और पारंपरिक वादन तालमेल, सद्भाव और अनुशासन सिखाता है और मनुष्य को व्यर्थ के आकर्षणों से मुक्त करके सत्कर्मों की राह पर ले जाता है। भागवत ने इंदौर में संघ के आयोजित स्वर शतकम् मालवा कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में संघ के 870 स्वयंसेवकों ने पारंपरिक वाद्य यंत्रों का सामूहिक वादन किया। संघ प्रमुख ने कार्यक्रम में कहा कि भारतीय संगीत और पारंपरिक वादन एक साथ मिलकर चलना, सद्भाव और अनुशासन सिखाता है। भागवत ने कहा, ''दुनिया का संगीत चित्त की वृत्तियों को उत्तेजित करके उल्लासित करता है, जबकि भारतीय संगीत चित्त की वृत्तियों को शांत बनाकर आनंद पैदा करता है। भारतीय संगीत सुनकर मनुष्य में इधर-उधर के आकर्षणों से मुक्त होकर आनंद देने वाले सत्कर्मों की प्रवृत्ति उत्पन्न होती है।'' उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवकों ने देशभक्ति से प्रेरित होकर अलग-अलग वाद्य यंत्रों से भारतीय शैलियों की धुनों और युद्ध में बजने वाले संगीत की रचना की और इसके पीछे उनके मन में भाव था कि दुनिया में जो कला सबके पास है, उसका देश में अभाव नहीं होना चाहिए। भागवत ने कहा,हमारा भारत पीछे रहने वाला या दरिद्र देश नहीं है। हम भी दुनिया के सारे देशों की मंडली की अग्र पंक्ति में बैठकर बता सकते हैं कि हमारे पास अलग-अलग कलाएं हैं।

कॉलेजों में जातिगत भेदभाव संवेदनशील मामला, इसे रोकने के लिए कुछ करेंगे: न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने जातिगत भेदभाव को एक संवेदनशील मुद्दा बताते हुए शुक्रवार को कहा कि वह देश में शैक्षणिक संस्थानों में इससे निपटने के लिए एक प्रभावी तंत्र तैयार करेगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को मसौदा नियमों को अधिसूचित करने का निर्देश दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केंद्रीय, राज्य, निजी और डीम्ड विश्वविद्यालयों में छात्रों के साथ कोई जाति-आधारित भेदभाव न हो। अदालत ने यूजीसी को उन संस्थानों की संख्या के बारे में जानकारी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, जिन्होंने यूजीसी (उच्च शैक्षणिक संस्थानों में निष्पक्षता को बढ़ावा देने के नियम) 2012 का अनुपालन करते हुए समान अवसर प्रकोष्ठ स्थापित किए हैं। पीठ ने कहा, हम इस संवेदनशील मुद्दे के प्रति समान रूप से सचेत हैं। हम कुछ करेंगे। हमें यह सुनिश्चित करने के लिए कुछ प्रभावी तंत्र और तौर-तरीके तलाशने होंगे कि 2012 के नियम वास्तविक रूप से लागू हों। पीठ ने इस मुद्दे पर केंद्र की प्रतिक्रिया मांगी और यूजीसी को सभी विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रों के बीच इस तरह के भेदभाव की शिकायतों के बारे में छह सप्ताह में डेटा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। जाति-आधारित भेदभाव का सामना करने के बाद कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले छात्र रोहित वेमुला और पायल तड़वी की माताओं की ओर से वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह ने कहा कि 2004 से अब तक आईआईटी और अन्य संस्थानों में 50 से अधिक छात्रों (ज्यादातर एससी/एसटी वर्ग के) ने इस तरह के भेदभाव का सामना करने के बाद आत्महत्या कर ली। हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के पीएचडी के छात्र वेमुला की 17 जनवरी, 2016 जबकि टीएन टोपीवाला नेशनल मेडिकल कॉलेज की छात्रा तड़वी की 22 मई, 2019 को मृत्यु हो गई थी।

पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे से प्रभावी ढंग से निपटना होगा : भारत

नयी दिल्ली : भारत ने आतंकवाद का इस्तेमाल औजार के रूप में करने की पाकिस्तान की नीति को उजागर करते हुए शुक्रवार को कहा कि इस्लामाबाद को दोनों पक्षों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए आतंकवाद के मुद्दे से प्रभावी ढंग से निपटना होगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह टिप्पणी पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार के उस बयान के बारे में पूछे जाने पर की, जिसमें उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार को फिर से शुरू करने के लिए संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता बताई थी। डार ने कहा कि भारत के साथ संबंधों को सामान्य बनाने के लिए आपसी इच्छाशक्ति की जरूरत है। डार ने बृहस्पतिवार को इस्लामाबाद में विदेश कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए पिछले साल पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सरकार के सत्ता में आने के बाद से पाकिस्तान के कूटनीतिक प्रयासों पर प्रकाश डाला। डार से भारत के साथ पाकिस्तान के संबंधों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने संयुक्त रूप से प्रयास किए जाने के महत्व पर जोर दिया और कहा कि ताली दोनों हाथों से बजती है। डार की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर जायसवाल ने यहां प्रेस वार्ता में कहा कि 'टी' शब्द का प्रासंगिक मतलब आतंकवाद (टेररिज्म) है। डार पाकिस्तान के विदेश मंत्री भी हैं।

रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए उद्योग, शिक्षा जगत के बीच समन्वय अहम : वैष्णव

गुवाहाटी : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए उद्योग और शिक्षा जगत के बीच समन्वय जरूरी है। वैष्णव ने तीन नयी रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ''आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि हम 12 स्थानों पर राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईएलआईटी) के मानद विश्वविद्यालय का उद्घाटन कर रहे हैं, जिनमें पांच पूर्वोत्तर में हैं। उद्योग की आवश्यकताओं को कॉलेज में पूरा किया जाना चाहिए, क्योंकि इससे युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ती है।'' एनआईईएलआईटी इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत एकमात्र विश्वविद्यालय है। वैष्णव ने गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से जिन ट्रेन को हरी झंडी दिखाई, उनमें गुवाहाटी-न्यू लखीमपुर जनशताब्दी एक्सप्रेस, न्यू बोंगाईगांव-गुवाहाटी पैसेंजर ट्रेन और तिनसुकिया-नाहरलागुन एक्सप्रेस शामिल हैं। इस अवसर पर राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भी उपस्थित थे। रेल मंत्री ने दिसपुर में तेतेलिया रोड ओवरब्रिज का भी डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया। असम यात्रा के दौरान वैष्णव जगीरोड स्थित टाटा सेमीकंडक्टर फैक्टरी का दौरा करने के साथ ही पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे की जारी परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे।

मनमोहन सिंह की स्मृति में अंतिम अरदास का आयोजन, सोनिया, खरगे समेत कई नेता हुए शामिल

नयी दिल्ली : कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा कई अन्य नेता शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की स्मृति में गुरुद्वारा रकाबगंज में आयोजित कीर्तन और अंतिम अरदास में शामिल हुए। मनमोहन सिंह का बीते 26 दिसंबर को 92 साल की आयु में निधन हो गया था। उनका अंतिम संस्कार 28 दिसंबर को निगमबोध घाट पर किया गया। कीर्तन और अंतिम अरदास में मनमोहन सिंह के परिजन के अलावा खरगे, सोनिया गांधी, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शामिल थे। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की पूर्व अध्यक्ष बीबी जागीर कौर, पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा और योजना आयोग (अब नीति आयोग) के पूर्व उपाध्यक्ष मोंटेक सिंह अहलूवालिया, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश, प्रवक्ता पवन खेड़ा, पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद और अजय माकन तथा सांसद सुखजिंदर रंधावा भी शामिल हुए। भाजपा नेता प्रनीत कौर और मनजिंदर सिंह सिरसा, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी और दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी (डीएसजीएमसी) के प्रमुख हरमीत सिंह कालका भी उपस्थित थे। डीएसजीएमसी ने राष्ट्रीय राजधानी में अपने सभी संस्थानों में पूर्व प्रधानमंत्री की तस्वीरें लगाने के अलावा, दिल्ली में समिति द्वारा संचालित सभी कॉलेज में सिंह के नाम पर अर्थशास्त्र में छात्रवृत्ति शुरू करने का प्रस्ताव पारित किया। कालका ने कहा कि डीएसजीएमसी ने देश में उनके योगदान को देखते हुए अपने नए शैक्षणिक संस्थान का नाम सिंह के नाम पर रखने का भी फैसला किया है।

न्यूज अपडेट

डीआरडीओ की कई प्रणालियां उपयोगकर्ता मूल्यांकन या विकास परीक्षणों के 'अंतिम चरण' में : रक्षा मंत्रालय

नयी दिल्ली : रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की कई प्रणालियां या तो पूरी हो चुकी हैं या उपयोगकर्ता मूल्यांकन या विकास परीक्षणों के ''अंतिम चरण'' में हैं। यहां डीआरडीओ भवन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के अध्यक्ष समीर वी कामत ने पिछले वर्ष की विभिन्न उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान पूर्व राष्ट्रपति और भारत के 'मिसाइल मैन' एपीजे अब्दुल कलाम को पुष्पांजलि भी अर्पित की। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस अवसर पर डीआरडीओ अध्यक्ष द्वारा कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए गए, जिनमें ''उत्पाद विकास पर एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी), डीआरडीओ कर्मियों से संबंधित विभिन्न एसओपी और दिशा-निर्देशों का संकलन'' शामिल है। बयान के अनुसार, डीआरडीओ के अध्यक्ष ने कहा कि कई प्रणालियां सौंप दी गई हैं और 2024 में 1.10 लाख करोड़ रुपये मूल्य के सैन्य उपकरणों की स्वीकृति प्रदान की गई है।

वक्फ बोर्ड के आदेश का हवाला देकर दुकानदारों को बेदखल करने पर मस्जिद के न्यासी समेत नौ लोग गिरफ्तार

राजकोट : गुजरात के राजकोट शहर में एक मस्जिद के न्यासी और आठ अन्य लोगों को वक्फ बोर्ड के आदेश का हवाला देकर तीन दुकानदारों को बेदखल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। न्यास द्वारा हिंदू व्यापारियों को किराए पर दी गई दुकानें दानापीठ क्षेत्र में नवाब मस्जिद के भूतल पर स्थित हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि 31 दिसंबर को मस्जिद के न्यासी फारूक मुसानी के नेतृत्व में भीड़ ने कथित तौर पर दुकानों के ताले तोड़ दिए और सारा सामान सड़क पर फेंककर दुकानों का कब्जा ले लिया। जब एक दुकानदार वीरेंद्र कोटेचा ने मुसानी और अन्य लोगों से इस बारे में पूछा तो उन्होंने गुजरात राज्य वक्फ बोर्ड के आदेश का हवाला दिया, जिसमें मस्जिद न्यास को दुकानों पर कब्जा करने के लिए कहा गया था। कोटेचा ने संवाददाताओं से कहा कि उनका परिवार 1962 से दुकान चला रहा है और न्यास द्वारा उन्हें कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई थी। दूसरी ओर, मुसानी ने अपनी गिरफ्तारी से पहले संवाददाताओं से कहा कि दुकानदारों को वक्फ बोर्ड के आदेश के अनुसार बेदखल किया गया था, जिसकी प्रतियां उन्हें दी गई थीं। राज्य वक्फ बोर्ड के सदस्य आसिफ सलोट ने कहा कि बोर्ड ने आदेश जारी किया था, लेकिन दुकानों पर कब्जा वापस लेते समय न्यास द्वारा उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया।

दिल्ली: पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे सात बांग्लादेशी प्रवासियों को प्रत्यर्पित किया

नयी दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने दो अलग-अलग अभियानों में राष्ट्रीय राजधानी में अवैध रूप से रह रहे सात बांग्लादेश प्रवासियों की पहचान कर उन्हें वापस भेज दिया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पहला अभियान एक जनवरी को चलाया गया था, जिसमें शेख सोफिउल आलम सब्बीर, मोहम्मद तकदीरुल खान, बिजोयोमोद साही, हबीबुर रहमान और मोहम्मद मूसा मिया खान नाम वाले पांच लोगों को पकड़ा गया था। पुलिस उपायुक्त (दक्षिणपूर्व) रवि कुमार सिंह ने बताया, ये लोग पिछले साल बोस्निया दूतावास जाकर 'वर्क परमिट' प्राप्त करने की आड़ में भारत में घुसे थे। हालांकि, उनके वीजा की अवधि काफी पहले ही समाप्त हो चुकी थी, जिससे उनका यहां रहना अवैध था। उन्होंने बताया कि बाद में सभी पांचों बांग्लादेशियों को प्रत्यर्पित करने के लिए विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के समक्ष पेश किया गया। वहीं दूसरे अभियान में दिल्ली के सफदरजंग इलाके में अवैध रूप से रह रहे दो बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान कर उन्हें वापस भेज दिया गया। अधिकारी ने बताया कि अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की पहचान लियाकत (54) और उनकी पत्नी नसरीन (39) के रूप में हुई है, जो 2012 से दिल्ली में रह रहे थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बृहस्पतिवार को ग्रीन पार्क के पास शमशान घाट रोड से दंपति को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान दोनों ने खुलासा किया कि वे दिल्ली-एनसीआर में विभिन्न स्थानों पर ठहरे और हाल ही में वे ओल्ड सीलमपुर में रह रहे थे। उन्होंने बताया कि उनके (बांग्लादेशियों प्रवासियों) दस्तावेजों की जांच की गई और उन्हें अवैध पाया गया।

तिब्बत के साथ चीन के ऐतिहासिक संबंध– एक मिथक!

- दो सहस्राब्दियों से भी पुराना हैं तिब्बत का इतिहास
- तिब्बत ने अपने बड़े हिस्से में संप्रभुता और स्वतंत्रता बनाए रखी हैं

कोलकाता : चीन और तिब्बत के बीच संबंध लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहे हैं। चीनी अधिकारी तिब्बत के साथ ऐतिहासिक संबंध का हवाला देकर उसपर लगातार अपना दावा करते हैं, जो यह दर्शाता है कि यह क्षेत्र जैसे सदियों से चीन का अभिन्न अंग रहा है। हालांकि, ऐतिहासिक तथ्यों, संधियों और तिब्बत और उसके पड़ोसियों, विशेष रूप से चीन के बीच राजनीतिक संबंधों की प्रकृति की बारीकी से जांच करने पर एक अलग कहानी सामने आती है। इसमें पता चलता है कि तिब्बत ने अपने इतिहास के एक बड़े हिस्से में संप्रभुता और स्वतंत्रता बनाए रखी है, जबकि चीन के दावे काफी हद तक राजनीतिक हितों का परिणाम हैं। ऐतिहासिक तथ्यों, आंकड़े और संधियां तिब्बत पर चीन के ऐतिहासिक अधिकार के मिथक को खारिज करते हैं।एक स्वतंत्र शोधकर्ता के अनुसार, तिब्बत का दर्ज इतिहास दो सहस्राब्दियों से भी पुराना है, जो राजनीतिक और सांस्कृतिक पहचान की एक मजबूत भावना से चिह्नित है। तिब्बत एक स्वतंत्र राज्य था, जिस पर ऐसे राजाओं का शासन था, जिनका चीनी शासकों के साथ किसी भी तरह के संपर्क से बहुत पहले इसके राजनीतिक मामलों पर पूरा नियंत्रण था। तिब्बती साम्राज्य (618-842 ई.) सोंगत्सेन गम्पो जैसे राजाओं के अधीन फला-फूला, जिन्हें बौद्ध धर्म को राजकीय धर्म के रूप में स्थापित करने और विवाहों और कूटनीति के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय संबंध बनाने का श्रेय दिया जाता है। अपनी शक्ति के चरम पर, तिब्बती साम्राज्य मध्य एशिया के बड़े हिस्सों में फैल गया, जिसमें वे क्षेत्र भी शामिल हैं जो अब चीन का हिस्सा हैं। वास्तव में, ऐतिहासिक अभिलेखों से संकेत मिलता है कि तिब्बत और चीन अक्सर अपनी सीमा के साथ क्षेत्रों पर लड़ते थे, और यह तिब्बत ही था जिसने 763 ई. में चीनी राजधानी चांगआन (आधुनिक शीआन) पर कब्जा किया था। ये घटनाएं तिब्बत की सैन्य शक्ति और चीन से स्वतंत्रता का स्पष्ट प्रमाण हैं।

मंगोल और मांचू राजवंशों की बदलती कथा : चीनी कथाएं अक्सर मंगोल और मांचू (किंग) राजवंशों को उस समय के रूप में इंगित करती हैं जब तिब्बत कथित रूप से चीनी आधिपत्य के अधीन था। हालांकि, सावधानीपूर्वक जांच करने पर यह दावा कमज़ोर पड़ जाता है। मंगोल साम्राज्य (13वीं शताब्दी) के दौरान, चंगेज खान और उसके उत्तराधिकारियों के अधीन मंगोलों ने तिब्बत और चीन दोनों को अपने अधीन कर लिया था। मंगोलों ने चीन और तिब्बत दोनों सहित विशाल क्षेत्रों पर अपना शासन स्थापित किया, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि तिब्बत पर चीन का शासन था। वास्तव में, मंगोल शासकों के अधीन तिब्बत को स्वायत्तता प्रदान की गई थी, जिसमें मंगोल नेताओं ने तिब्बत की अद्वितीय राजनीतिक और धार्मिक स्थिति को मान्यता दी थी। मंगोलों के साथ तिब्बत का संबंध संरक्षक-पुजारी के रिश्ते जैसा था, जिसमें मंगोल शासक आध्यात्मिक मार्गदर्शन के लिए तिब्बती बौद्ध नेताओं पर निर्भर थे।

तिब्बती सरकार ने बिना चीनी हस्तक्षेप के प्रबंधन स्वयं करना जारी रखा

किंग राजवंश (1644-1912) : एक और अवधि है जिसे चीन अक्सर तिब्बत पर अपने नियंत्रण के सबूत के रूप में उद्धृत करता है। किंग सम्राटों ने तिब्बत पर प्रभाव डाला, लेकिन यह प्रभाव अक्सर प्रतीकात्मक था और चीन में राजनीतिक स्थिति के आधार पर उतार-चढ़ाव होता था। उदाहरण के लिए, जब किंग राजवंश कमजोर था, तो तिब्बत ने पूरी स्वायत्तता के साथ काम किया, जैसा कि 19वीं शताब्दी के दौरान हुआ था जब किंग राजवंश गिरावट में था। तिब्बती सरकार ने चीन के हस्तक्षेप के बिना, विदेशी संबंधों और रक्षा सहित अपने मामलों का प्रबंधन स्वयं करना जारी रखा।

तिब्बती संप्रभुता की संधियां और अंतरराष्ट्रीय मान्यता : तिब्बत की स्वतंत्रता का सबसे महत्वपूर्ण प्रमाण विभिन्न संधियों और अंतरराष्ट्रीय मान्यता से मिलता है, विशेष रूप से 20वीं शताब्दी की शुरुआत में। 1904 में, कर्नल फ्रांसिस यंगहसबैंड के नेतृत्व में ब्रिटिश सेना ने तिब्बत में प्रवेश किया और ल्हासा की संधि पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया। उल्लेखनीय रूप से, चीन इस संधि पर हस्ताक्षरकर्ता नहीं था, जो दर्शाता है कि तिब्बत को एक संप्रभु इकाई माना जाता था जो चीनी भागीदारी के बिना विदेशी शक्तियों के साथ सीधे बातचीत करने में सक्षम थी।

शिमला कन्वेंशन (1914) : आधुनिक तिब्बत के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक शिमला कन्वेंशन है, जो 1914 में तिब्बत, ब्रिटिश भारत और चीन के बीच आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन के दौरान, तिब्बत को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में प्रतिनिधित्व दिया गया था। चीनी प्रतिनिधि इवान चेन ने शुरू में शिमला कन्वेंशन पर हस्ताक्षर किए, जिसने भारत के साथ तिब्बत की सीमाओं का सीमांकन किया। हालांकि, बाद में चीन ने इस समझौते की पुष्टि करने से इनकार कर दिया।

जोकोविच को राइली ओपेल्का ने हराया

ब्रिस्बेन (ऑस्ट्रेलिया) : नोवाक जोकोविच को ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को यहां राइली ओपेल्का के खिलाफ सीधे सेटों में 6-7, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। अमेरिका के ओपेल्का ने 16 ऐस लगाकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। सैतीस साल के जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी के लिए इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओपन की शुरुआत 12 जनवरी से होगी और जोकोविच इसके 10 बार के चैम्पियन रहे हैं। ओपेल्का ने फरवरी 2022 में सर्वश्रेष्ठ करियर रैंकिंग 17 हासिल की है। कूल्हे की सर्जरी के कारण खेल से दूर रहने के कारण उनकी मौजूदा रैंकिंग 293 है। ओपेल्का के सामने सेमीफाइनल में जी. एमपेत्शी पेरीकार्ड की चुनौती होगी। पेरीकार्ड ने याकूब मेनसिक को 7-5, 7-6 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में जिरी लेहेका का मुकाबला ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा। लेहेका ने निकोलस जैरी को 6-4, 6-4 से हराया और जॉर्डन थॉम्पसन के रिटायर होने पर दिमित्रोव ने अंतिम चार में जगह पक्की की।

सिडनी टेस्ट का पहला दिन ऑस्ट्रेलिया के नाम, टीम इंडिया 185 रनों पर ढेर

ऑस्ट्रेलिया ने 9 रन पर खोया पहला विकेट

सिडनी : भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहले दिन का खेल खत्म हो गया है। भारत ने पहली पारी में 185 रन बनाए, जवाब में स्टंप तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में एक विकेट गंवाकर नौ रन बना लिए हैं। दिन के खेल की अंतिम गेंद पर जसप्रीत बुमराह ने ख्वाजा को केएल राहुल के हाथों कैच कराया। ख्वाजा के आउट होने के साथ ही स्टंप की घोषणा कर दी गई। ऑस्ट्रेलिया की टीम फिलहाल 176 रन पीछे चल रही है। फिलहाल क्रीज पर सैम कोंस्टास सात रन बनाकर मौजूद थे।

पहली पारी में सस्ते में आउट होने के बाद कोंस्टास और ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया पारी का आगाज किया। कोंस्टास ने एक चौका लगाकर टीम को तेज शुरुआत देने की कोशिश की, लेकिन बुमराह ने ख्वाजा को आउट कर भारतीय कैंप को खुश होने का मौका दिया। इससे पहले, भारत की पहली पारी 185 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम 72.2 ओवर ही खेल सकी। टीम के लिए ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। इसके अलावा रवींद्र जडेजा ने 26 रन, कप्तान जसप्रीत बुमराह ने 22 रन, शुभमन गिल 20 रन, विराट कोहली 17 रन और यशस्वी जायसवाल 10 रन बना सके।

इनके अलावा बाकी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। केएल राहुल चार रन, प्रसिद्ध कृष्णा तीन रन और मोहम्मद सिराज तीन रन बना सके। नीतीश रेड्डी खाता नहीं खोल सके। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्कॉट बोलैंड ने चार विकेट झटके, जबकि मिचेल स्टार्क को तीन विकेट मिले। पैट कमिंस ने दो विकेट लिया, जबकि नाथन लियोन को एक विकेट मिला।

ख्वाजा-बुमराह के बीच बहस में कूदे कोंस्टास

मैच के दौरान माहौल उस वक्त गर्म हो गया जब ऑस्ट्रेलिया पारी के तीसरे ओवर में बुमराह पांचवीं गेंद फेंकने के लिए रन अप ले रहे थे, लेकिन उन्होंने देखा कि ख्वाजा बल्लेबाजी के लिए तैयार नहीं है। इस पर बुमराह ने नाराजगी व्यक्त की और ख्वाजा से कुछ कहते दिखाई दिए। उसी वक्त नॉन स्ट्राइकर छोर पर खड़े कोंस्टास बुमराह की तरफ देखकर कुछ बड़बड़ाने लगे, इससे बुमराह काफी गुस्से में कुछ कहते हुए कोंस्टास के पास जाने लगे। हालांकि, अंपायर ने बीच बचाव किया और कोंस्टास को बुमराह के पास नहीं आने दिया। कोंस्टास और बुमराह के बीच बहस होते देख दर्शक जोर-जोर से चिल्लाने लगे और माहौल देखते-देखते गर्म हो गया।

बुमराह ने ख्वाजा से लिया बदला

गर्म माहौल के बीच बुमराह ने अगली गेंद फेंकी और गेंद ख्वाजा के बल्ले का किनारा लेते हुए स्लिप में खड़े केएल राहुल के पास गई। राहुल ने कोई गलती नहीं की और कैच पकड़कर ख्वाजा को पवेलियन भेजा। ख्वाजा के आउट होने के साथ ही पहले दिन के खेल की समाप्ति की घोषणा कर दी गई। हालांकि, माहौल यहीं शांत नहीं हुआ। जैसे ही ख्वाजा का विकेट गिरा विराट कोहली सहित पूरी टीम आक्रामक अंदाज में जश्न मनाने लगी, इस दौरान कोहली कोंस्टास के मुंह के सामने आकर चिल्लाते नजर आए। कोंस्टास बिना कुछ बोले पवेलियन की ओर चले गए।

विकेट ऐसा था कि आक्रामक खेलने की मनोदशा में नहीं था : पंत

सिडनी : भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट के पहले दिन उन्होंने संयम के साथ बल्लेबाजी की क्योंकि एससीजी की पिच ऐसी थी कि वह स्वाभाविक आक्रामक खेल दिखा ही नहीं सके। मेलबर्न में पिछले टेस्ट में गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलकर विकेट गंवाने के बाद आलोचना झेल रहे पंत ने 98 गेंद में 40 रन बनाये।

भारतीय टीम पहली पारी में 185 रन पर आउट हो गई। पंत ने पहले दिन के खेल के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'इस पारी में विकेट को देखते हुए मैं आक्रामक खेलने की स्थिति में नहीं था।' उन्होंने कहा, 'कई बार आपको रक्षात्मक खेलना पड़ता है। कई बार ऐसे मौके थे जब मैं 50 . 50 जोखिम ले सकता था लेकिन मैने नहीं लिया।'

अर्जुन पुरस्कार एक उपलब्धि लेकिन मेरा लक्ष्य शीर्ष 10 में जगह बनाना: वंतिका

नयी दिल्ली : भारत की उभरती शतरंज खिलाड़ी वंतिका अग्रवाल ने अर्जुन पुरस्कार जीतने को अपने करियर के 'सबसे बड़े क्षणों' में से एक करार देते हुए कहा कि उनका अगला बड़ा लक्ष्य ग्रैंडमास्टर का खिताब हासिल करने के साथ महिला खिलाड़ियों की वैश्विक रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाना है। वंतिका ने कहा, 'अर्जुन पुरस्कार पाकर मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह पुरस्कार हासिल करना मेरे करियर के सबसे सुखद पलों में से एक है। यह मेरे जीवन में एक प्रमुख व्यक्तिगत मील का पत्थर है।' उन्होंने कहा, 'यह सम्मान मेरी कड़ी मेहनत, मेरे कोचों के समर्पण और मेरे परिवार और गुरुओं के अटूट समर्थन का प्रमाण है।' वंतिका के नाम अभी 2411 अंक हैं। उन्होंने 2024 में भारत की ऐतिहासिक शतरंज ओलंपियाड जीत के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। वह इस दौरान 13 ईएलओ अंक हासिल कर वैश्विक रैंकिंग में 12 स्थान सुधार करने में सफल रही। उन्होंने कहा, 'अब मेरा लक्ष्य ग्रैंडमास्टर का तमगा हासिल कर महिलाओं की रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाना है।' भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी अभय सिंह को इंग्लैंड में प्रशिक्षण के लिए कैब में जाते समय एक बधाई संदेश मिला जिससे उन्हे अर्जुन पुरस्कार के लिए चुने जाने का पता चला।

खेल प्रतिभाओं को निखारने, वैश्विक स्तर पर गौरव दिलाने के लिए प्रतिबद्ध: भारतीय सेना

नयी दिल्ली : सरकार द्वारा देश में विभिन्न प्रतिष्ठित खेल पुरस्कारों के लिए चुने गए खिलाड़ियों के नामों की घोषणा करने के एक दिन बाद भारतीय सेना ने शुक्रवार को देश को वैश्विक खेल क्षेत्र में गौरवान्वित करने के लिए खेल में प्रतिभा को निखारने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में पेरिस पैरालंपिक 2024 में कांस्य पदक विजेता सूबेदार होकातो एच सेमा और नायक गजेंद्र सिंह की पत्नी सिमरन को अर्जुन पुरस्कार विजेताओं की सूची में जगह बनाने के लिए बधाई दी। खेल मंत्रालय द्वारा बृहस्पतिवार को घोषित मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के चार विजेताओं में दोहरे ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और शतरंज विश्व चैंपियन डी गुकेश शामिल है। इस सूची में 32 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं में से अभूतपूर्व 17 पैरा खिलाड़ी को भी शामिल किया गया है।

करुण नायर ने बिना आउट हुए सर्वाधिक रन बनाकर नया लिस्ट ए विश्व रिकॉर्ड बनाया

विजयनगरम (आंध्र प्रदेश) : करुण नायर ने शुक्रवार को यहां विदर्भ को विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप डी मैच में उत्तर प्रदेश पर आठ विकेट की जीत दिलाने के दौरान बिना आउट हुए लिस्ट ए में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड बनाया। करुण ने न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर जेम्स फ्रैंकलिन के 2010 में बनाए गए 527 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। दाएं हाथ के बल्लेबाज करुण आखिरकार 112 रन पर आउट हो गए जिससे उनकी कुल संख्या 542 रन पर रुक गई। इससे उन्होंने एक नया रिकॉर्ड बनाया। इस सूची में अन्य खिलाड़ी जोशुआ वैन हीर्डन (512), फखर जमां (455) और तौफीक उमर (422) शामिल हैं। यह विजय हजारे ट्रॉफी में करुण का चौथा और लगातार तीसरा शतक था जिससे विदर्भ ने उत्तर प्रदेश के आठ विकेट पर 307 रन के स्कोर को 47.2 ओवर में हासिल कर लिया। यश राठौड़ ने 140 गेंद में नाबाद 138 रन बनाए जिससे विदर्भ ने दो विकेट पर 313 रन बनाकर जीत दर्ज की। करूण और यश ने दूसरे विकेट के लिए 228 रन की विशाल साझेदारी निभाई। इस जीत से विदर्भ पांच मैच में 20 अंक लेकर ग्रुप डी में शीर्ष पर पहुंच गया। तमिलनाडु (14 अंक) दूसरे स्थान पर और उत्तर प्रदेश (14 अंक) से तीसरे स्थान पर है।

ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने न्यूयॉर्क में जीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

नयी दिल्ली : ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने फिडे महिला विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप में अपनी हालिया जीत के बाद शुक्रवार को अपने परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और इसे जिंदगी में एक बार मिलने वाला सौभाग्य करार दिया। हम्पी ने रविवार को न्यूयॉर्क में प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में इंडोनेशिया की इरीन सुकंदर को हराकर भारतीय शतरंज के लिए एक शानदार वर्ष का समापन किया। हम्पी ने ट्वीट किया, 'अपने परिवार के साथ हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मिलना बेहद सम्मान की बात है और यह जीवन में एक बार मिलने वाला सौभाग्य था। यह अनुभव वास्तव में अविस्मरणीय था, प्रेरणा और प्रोत्साहन से भरा हुआ था। इस शानदार पल के लिए धन्यवाद, सर!' हम्पी ने 2019 में जॉर्जिया में यह प्रतियोगिता जीती थी और चीन की जू वेनजुन के बाद भारत की यह नंबर एक खिलाड़ी एक से अधिक बार खिताब जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी हैं।

रोहित का चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद भारतीय टीम के लिए भविष्य अधर में

सिडनी : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हालिया मेलबर्न टेस्ट पारंपरिक प्रारूप में भारत के लिए रोहित शर्मा की संभवत: आखिरी उपस्थिति थी, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि सीमित ओवरों का यह दिग्गज खिलाड़ी अगले महीने होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के बाद भी क्या राष्ट्रीय टीम के लिए अपनी सेवाएं जारी रखने में सफल रहेगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां खेले जा रहे पांचवें टेस्ट में रोहित की गैरमौजूदगी को 'विश्राम' करार दिया गया लेकिन मेलबर्न में खेले गये चौथे टेस्ट के बाद से ही उनके टीम से बाहर होने की चर्चा थी। पिछले 17 साल से भारतीय टीम के लिए इस खेल के विभिन्न प्रारूपों में अपना सब कुछ झोंकने वाले रोहित का राष्ट्रीय टीम के लिए भविष्य बहुत उत्साहजनक नहीं दिख रहा है। उन्होंने वैसे भी इस साल की शुरुआत में वेस्टइंडीज में आईसीसी विश्व कप में भारत की जीत के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया है।

।। श्री गणेशाय नमः ।। श्री हनुमते नमः ।। श्री ॐ शिवाय नमः।। श्री दुर्गाये नमः ।। श्री श्याम देवाय नमः ।।
सांवरिया दिलदार, हारे का सहारा है । करता सबका उद्धार, ये खाटू वाला है ।।
श्री श्याम महोत्सव
ब्रह्मलीन गुरुजी काशीरामजी शर्मा के आशीर्वाद से एवं श्री औंकारमलजी शर्मा की अध्यक्षता में
आलौकिक श्रृंगार
अखण्ड ज्योति
भक्तिपूर्ण भजन
छप्पन भोग

संकीर्तन स्थल
श्री श्याम बाबा मंदिर प्रांगण
पंचवटी कॉमप्लेक्स, कैरवाली
शनिवार, 4 जनवरी 2025 सायं 4 बजे से
रविवार, 5 जनवरी 2025 रात्रि 9 बजे तक
आयोजक : श्री श्याम मण्डल नूतन बाजार
सबको आमंत्रण
सीधा प्रसारण
सबका स्वागत
आने-जाने की व्यवस्था हरियाणा भवन, विवेकानन्द रोड से की गई है ।
सौजन्य :
Sangam
COTTON SAREES & SUITS

वर्ष 9, पूर्णांक 4109 अंक 259, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in